दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

6 | अभिव्यक्ति 3 | राजधानी 7 | आंचलिक 12 | देश-विदेश

रांची, सोमवार, 12 जनवरी, 2026, माघ कृष्णपक्ष दशमी, विक्रम संवत-2082 वर्ष-10 अंक-261 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

जब मैं जो हूं, उसे छोड़ देता हूं, तो मैं वह बन जाता हूं, जो मैं हो सकता हूं।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 06:32

अस्त : 05:22

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	22.0	08.0
जमशेदपुर	26.0	11.0
हजारीबाग	23.0	08.0
डालटनगंज	25.0	06.0

संक्षिप्त खबरें

13 जिलों के लिए 15 जनवरी तक शीतलहर का येलो अलर्ट

रांची। झारखंड में फिलहाल सर्दी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। राज्य के कई हिस्सों में ठंड का असर और तेज होने वाला है। मौसम विभाग ने 13 से 15 जनवरी के बीच राज्य के 13 जिलों में शीतलहर चलने की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, शीतलहर का प्रभाव मुख्य रूप से राज्य के उत्तर-पश्चिमी और उससे सटे जिलों में देखने को मिलेगा। जारी अलर्ट के मुताबिक 13 और 14 जनवरी को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग और गुमला जिलों में शीतलहर की स्थिति बन सकती है। वहीं 15 जनवरी को गढ़वा, पलामू, गुमला, लातेहार, चतरा और लोहरदगा में ठंड और बढ़ने की संभावना है। इधर, राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में रविवार की सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दिनभर मध्यम दर्जे की ठंडी हवाएं चलती रहीं। ठंडी हवाओं के कारण लोगों को दिन में भी कनकनी महसूस होती रही। सुबह और शाम के समय ठंड का असर ज्यादा रहा, जिससे लोग गर्म कपड़ों का सहारा लेते नजर आए। मौसम विभाग ने शीतलहर के पीछे का कारण भी स्पष्ट किया है। विभाग के अनुसार, झारखंड के वायुमंडल के निचले स्तर में उत्तर-पश्चिम से उत्तर दिशा की ओर नमी युक्त ठंडी हवाएं सक्रिय हैं। इसके साथ ही देश के उत्तरी राज्यों में हो रही भारी बर्फबारी का असर भी मध्य और पूर्वी भारत तक पहुंच रहा है। इसी वजह से झारखंड समेत आसपास के राज्यों में ठंडी हवाएं चल रही हैं और शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम की तीखी ठंड को दर्शाता है। रांची में रविवार को अधिकतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती के अवसर पर गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के सफल कार्यान्वयन को लेकर आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमन्त ने कहा

मामूली ब्याज दर पर 15 लाख रु दे रहे शिक्षा ऋण

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आज दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का 82वां जन्म दिवस मना रहे हैं। झारखंड और यहां रहने वाले गरीबों, मजदूरों, मजबूरों, किसानों, दलितों, आदिवासियों- मूल वासियों के लिए आज का यह दिन काफी महत्वपूर्ण है। यह पहला मौका है, जब बाबा के बिना उनकी जयंती मना रहे रहे हैं। दिशोम गुरु जी भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श, विचार, संघर्ष, त्याग और बलिदान हमेशा जीवंत रहेंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती के अवसर पर टाना भगत इनडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची में गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के सफल कार्यान्वयन को लेकर आयोजित संवाद कार्यक्रम में नौजवानों से कहा कि आप एक कदम आगे बढ़ें, सरकार आपको 10 कदम आगे ले जाएगी। आपको अपनी मंजिल तक पहुंचाएंगे, यह हमारा वादा है, क्योंकि हम गुरुजी के सिपाही हैं।

गुरुजी की एक आवाज पर लोग सड़कों पर उतर आते थे

मुख्यमंत्री के कहा कि झारखंड की धरती वीर - शहीदों की धरती रही है। इस धरती ने भगवान बिरसा मुंडा और सिदो- कान्हू जैसे अनेक वीर - सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने देश की आजादी से लेकर जल जंगल जमीन की रक्षा और झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में अपनी कुर्बानियां तक दे डाली। इन्हीं में एक शख्सियत थे - दिशोम गुरु शिबू सोरेन। उन्होंने एक ओर झारखंड अलग राज्य के आंदोलन का नेतृत्व करते हुए धार दी तो दूसरी तरफ समाज सुधारक के रूप में महाजनी प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ बिगुल फूंका डाला था। उनकी एक आवाज पर कोने-कोने से आदिवासी - मूलवासी सड़कों पर उतर आते थे। लोगों को उनका हक- अधिकार दिलाने और आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

राज्य में संभावनाओं, क्षमताओं और प्रतिभाओं के बेहतर इस्तेमाल और आगे ले जाने के लिए हैं प्रतिबद्ध

इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं। यहां के गांव से शहर तक क्षमताओं में कोई कमी नहीं है। खनिज संपदा से लेकर पर्यटन, शिक्षा, खेल समेत तमाम क्षेत्रों में हम काफी आगे तक जा सकते हैं। यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमने देखा भी है कि आजादी के पहले से लेकर अब तक यहां के खिलाड़ियों ने कितनी ऊंचाइयों को छुआ है। ऐसे में हमारी सरकार अपनी संभावनाओं, क्षमताओं और प्रतिभाओं को सशक्त और मजबूत करने का कार्य कर रही है।

अग्रणी राज्य बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने लंबा संघर्ष कर हमें अलग राज्य दिया। अब इस राज्य को सजाने संवारने और आगे ले जाने जिम्मेदारी हमारे ऊपर है। लेकिन, आप सभी के सहयोग के बिना हम अपने राज्य को अग्रणी राज्य नहीं बना सकते हैं। सिर्फ सरकार के भरोसे यह संभव नहीं है। इसमें नौजवानों को सहभागी बनना होगा।

सरकार अपनी जिम्मेवारी निभा रही, आप भी अपना योगदान दें

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना जैसी विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आपको सशक्त बनाने का काम सरकार कर रही है। हम इस बात से भली भांति वाकिफ है कि जब तक ग्रामीण क्षेत्र मजबूत नहीं होगा, राज्य और देश मजबूत नहीं होगा यही वजह है कि हमारी सरकार अपनी जड़ को मजबूत करने का प्रयास पूरी ताकत के साथ कर रही है। लेकिन कई बार योजनाएं सरकारी तंत्र तक ही सिमट कर रह जाती है। लोगों तक उसकी जानकारी नहीं पहुंचती है। ऐसे योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा उनकी सहभागिता बढ़ाने के लिए नौजवानों को अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है।

हर बच्चा शिक्षित हो इसी लक्ष्य से बढ़ रहे आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का हर बच्चा शिक्षित हो इसी लक्ष्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। आज बच्चों का ज्ञानवर्धन करना बेहद जरूरी है। इसे लेकर ही हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए हैं। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, विदेश में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप, सभी जिलों में बड़े पुस्तकालयों की स्थापना हुई है और उत्कृष्ट विद्यालय खोले गए हैं जहां गरीब बच्चे गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने आगे कहा सरकार के सहयोग से आज आदिवासी दलित का बच्चा विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहा है, जो पहले उनके लिए एक सपना हुआ करता था।

महज 4 फीसदी व्याज दर पर दे रहे शिक्षा ऋण

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जो गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को महज 4 प्रतिशत सामान्य ब्याज पर 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्य राज्यों में तो शिक्षा ऋण की राशि भी कम है और ब्याज दर भी ज्यादा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस योजना का लाभ लें और दूसरों को भी इसके फायदे बताते हुए इस योजना से जोड़ने की पहल करें।

हमें पढ़ना है और आगे बढ़ना है

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबी और आर्थिक तंगी की वजह से कई बार बच्चे पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं । वह अपने माता-पिता के साथ मजदूरी करते है और पलायन करने के लिए भी मजबूर होते हैं । यह काफी चिंता की बात है। ऐसे में हमारी सरकार हर बच्चे को शिक्षित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। क्योंकि, जब तक बच्चे पढ़ेंगे नहीं, आगे बढ़ेंगे नहीं।

आपके पास ताकत भी है और क्षमता भी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अलग बने 25 वर्ष हो चुके हैं। उस साल जिन्होंने जन्म लिया होगा, वे आज 25 साल के नौजवान हो चुके हैं। इस उम्र में में आपके पास ताकत और क्षमता भरपूर होगी, लेकिन अगर आगे बढ़ने का रास्ता नहीं मिलेगा तो काफी प्रतिभा होने के बाद भी आपको भटकने में देरी नहीं लगेगी। वहीं, आपाधापी के इस युग में आपका निर्णय ही आपको आगे ले जा सकता है। ऐसे में हम आपको एक ऐसे रास्ते पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं जहां से आप अपने को मजबूत साबित कर सकें।

सिर्फ सरकारी नौकरियों के भरोसे खड़ा नहीं करना चाहते

मुख्यमंत्री ने नौजवानों से कहा कि आपको हम सिर्फ सरकारी नौकरियों के भरोसे खड़ा नहीं करना चाहते हैं। हम आपको उस स्थिति में खड़ा करना चाहते हैं, जब आप देश- दुनिया में कोई भी प्रतिस्पर्धा हो, वहां अपने आप को अव्वल साबित कर सकें। इसीलिए, हमने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की है, जहां आप अपनी प्रतिभा ताकत और क्षमता का पूरा सदुपयोग कर सकें।

>> मुख्यमंत्री के हाथों मिली ये सौगातें : पेज 2 पर

ठंड के कारण रांची में केजी से कक्षा 6 तक के स्कूल 14 जनवरी तक बंद

रांची। मौसम विभाग की ओर से रांची जिले में शीतलहर एवं ठंड के बढ़ते प्रभाव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के आदेश के बाद रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की ओर से जिले में संचालित सभी कोटि के विद्यालयों में कक्षाएं बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। उपायुक्त के आदेश के अनुसार रांची जिले के अंतर्गत संचालित सभी सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में वर्ग-केजी से लेकर वर्ग-6 तक की कक्षाएं 12 से 14 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगी।

कक्षा 7 से 12 तक 10 बजे से स्कूल

साथ ही कक्षा 7 से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं का पठान पाठन कार्य पूर्वाह्न 10:00 से संचालित करने का आदेश भी जारी किया गया है। यह निर्णय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि शीतलहर के कारण होने वाली संभावित परेशानियों से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत छुट्टी

छात्रों और छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत रांची जिला अन्तर्गत संचालित सभी निजी विद्यालयों में कई व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती हैं। इसके तहत कक्षा केजी से कक्षा 6 तक की पठन-पाठन कार्य 12 से 14 जनवरी तक पूर्णतः स्थगित रहेगा। सभी निजी विद्यालयों के प्रबंधन को निर्देश दिया जाता है कि वे उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन करें। अगर उक्त अवधि में किसी विद्यालय में परीक्षा आयोजित है, तो परीक्षा का संचालन विद्यालय अपने विवेकानुसार कर सकता है। सभी अभिभावक, छात्र/छात्रा एवं विद्यालय प्रबंधन से अनुरोध है कि वे ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें एवं बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

वन-डे क्रिकेट

चला विराट, गिल व अय्यर का बल्ला

टीम इंडिया ने चार विकेट से मारी बाजी

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट टीम ने कांटे के मुकाबले में न्यूजीलैंड को शिकस्त दी है। तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में भारत ने विपक्षी टीम को 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 8 विकेट खोकर 300 रन बोर्ड पर लगाए थे। जवाब में टीम इंडिया ने थोड़ी सी परेशानी के बावजूद इस टारगेट को 49 ओवर में चेज कर लिया। भारत की जीत के हीरो विराट कोहली रहे जिन्होंने 93 रन की एक बेहतरीन पारी खेली। न्यूजीलैंड के 301 रन के टारगेट के जवाब में टीम इंडिया को रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने बेहतरीन शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने 39 रन की साझेदारी की, जिसमें रोहित ने 26 रन बनाए। बाद में गिल ने विराट कोहली के साथ स्कोर को आगे बढ़ाया। गिल 71 गेंद पर 56 रन बनाकर आउट हो गए। बाद में श्रेयस अय्यर (49) ने विराट का बेहतरीन साथ दिया और धीरे-धीरे टीम को टारगेट के पास पहुंचाया। लेकिन विराट के आउट होने के बाद टीम इंडिया ने अय्यर और रविंद्र जडेजा (4) के विकेट भी जल्दी-जल्दी खो दिए। हालांकि इसके बाद हर्षित राणा ने 23 गेंद पर 29 रन बनाकर टीम के स्कोर को और आगे बढ़ाया। आखिर में केएल राहुल ने कूल रहते हुए नाबाद 29 रन की पारी खेली और टीम इंडिया को 2 चौके और एक छक्का लगाकर 49 ओवर में ही जिता दिया। 7 गेंदों पर 7 रन का योगदान वाशिंगटन सुंदर ने भी दिया।

न्यूजीलैंड ने बनाए 300 रन

इससे पहले न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल के शानदार 84 रन, हेनरी निकोल्स के 62 और डेवोन कॉनवे के 56 रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 8 विकेट पर 300 रन बनाए थे। भारत के लिए हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट झटके। डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने न्यूजीलैंड को शानदार शुरूआत दिलाई। दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों ने पहले 21 ओवरों में 117 रनों की साझेदारी की। लेकिन भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपने दूसरे स्पेल में कमाल कर दिया। उन्होंने सिर्फ 13 रन देकर दो विकेट झटके और न्यूजीलैंड के मध्य क्रम को झकझोर दिया। राणा ने 65 रन देकर कुल दो विकेट लिए।

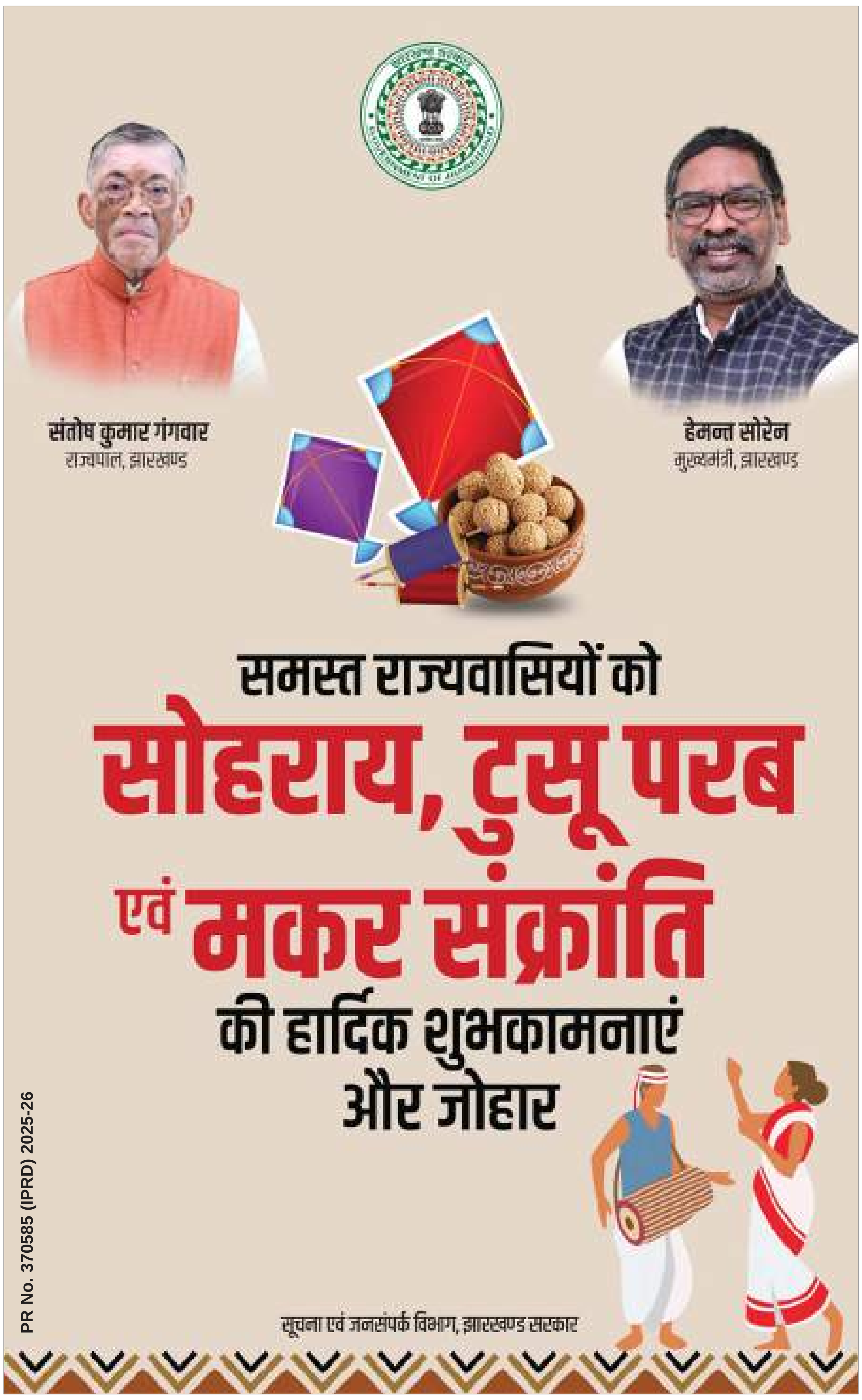

संक्षिप्त खबरें

सहजानंद चौक में चला अतिक्रमण मुक्त अभियान, हटाई गईं दुकानें

रांची। रांची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने रविवार को वार्ड संख्या-26 अंतर्गत सहजानंद चौक पर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया। नगर निगम की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि यह अभियान शहर के प्रमुख और व्यस्त चौकों में शामिल सहजानंद चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा सभी मार्गों को लेफ्ट-फ्री और अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे लगाए गए करीब आठ अस्थायी दुकानों को हटाया गया। इसमें एक ठेला, दो गुमटियां सहित अन्य अतिक्रमण सामग्री को जब्त किया गया। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने के बाद संबंधित मार्ग को पूरी तरह सुव्यवस्थित कर आवागमन के लिए सुगम बनाया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में सहजानंद चौक या उसके आसपास किसी भी प्रकार की दुकान अथवा अस्थायी संरचना दोबारा स्थापित न करें। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि यदि पुनः अतिक्रमण पाया गया, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम प्रशासन ने आम नागरिकों और दुकानदारों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए अतिक्रमण से बचना आवश्यक है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सादगी से मनायी शिबू सोरेन की जयंती

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला के तत्वावधान में रविवार को मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका में झारखंड के निमार्ता दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती सादगी से मनाई गई। मौके पर आंदोलनकारियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्मृति में वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। मुख्य अतिथि पुष्कर महतो ने इस मौके पर कहा कि शिबू सोरेन की जयंती को राजकीय सम्मान के बिना मनाना झारखंड आंदोलनकारियों और राज्य का अपमान है। उन्होंने 1952 के जांच अधिनियम के बजाय 38/21 के तहत चिन्हित करने की प्रक्रिया का विरोध करते हुए इसे आंदोलनकारियों के अपमान के रूप में बताया। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की ने कहा कि बाहरी प्रशासन के कारण झारखंड आंदोलन के मूल्यों और पुरोधाओं के सपने साकार नहीं हो पा रहे हैं। आंदोलनकारियों ने मांग की कि गृह, कारा, आपदा एवं निबंधन विभाग जांच अधिनियम 1952 के तहत शिबू सोरेन को गजट नोटिफिकेशन के साथ सर्वोच्च राजकीय मान-सम्मान दिया जाए। इसके साथ ही उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर वृत्तचित्र, फीचर फिल्म और शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में शामिल करने की भी मांग की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने की, जबकि संचालन सुजीत राम ने किया। मौके पर कई आंदोलनकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने हीरो हॉकी इंडिया लीग (मेंस) 2025-26 के रांची में प्रथम मैच का किया उद्घाटन

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। मोरहाबादी, रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित हीरो हॉकी इंडिया लीग (मेंस) 2025-26 के प्रथम मैच में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने रोमांचक मैच का भरपूर आनंद लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में राज्य भर से आए खेल प्रेमियों की भारी भीड़ उपस्थित रही, जो हॉकी के प्रति बढ़ते उत्साह को दशार्ती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हीरो हॉकी इंडिया लीग जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के माध्यम से झारखंड में हॉकी खेल को नई गति मिलेगी तथा युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। झारखंड सरकार खेलों के विकास के लिए पूर्णतः कटिबद्ध है। राज्य सरकार सूबे में विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं का विस्तार कर रही है, ताकि हमारे युवा ओलंपिक एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभाओं का लोहा मनवा सकें। मौके पर विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने भी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राज्य की खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं। झारखंड सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत आधारभूत संरचनाओं का सृजन कर रही है, जिसमें स्टेडियमों का आधुनिकीकरण एवं प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना प्रमुख है। यह आयोजन राज्य की खेल नीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों मिली ये सौगातें

1. गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत आज 55 लाभार्थियों को लगभग 12 करोड रुपए का शिक्षा ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। विदित है कि दो वर्ष पहले शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत अब तक 2430 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु इसका लाभ उपलब्ध कराया जा चुका है। यह राज्य सरकार की एक ऐसी गारंटेड योजना है, जिसके तहत महज 4 प्रतिशत सामान्य ब्याज की दर पर 15 लाख रुपए तक का शिक्षा लोन दिया जाता है।

2. सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की उपयोगिता और सहभागिता बढ़ाने के लिए पब्लिक डैशझ्र बोर्ड तथा एनआईटी, जमशेदपुर द्वारा एआई आधारित चैट बोर्ड का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ।

3. सीएम फैलोशिप का एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत आज 23 रिसर्च स्कॉलर्स को मिला 25- 25 हजार रुपए की स्कॉलरशिप राशि। विदित हो कि पिछले वर्ष शुरू की गई इस योजना के लिए अब तक 52 रिसर्च स्कॉलर्स का चयन हो चुका है। उन्हें शोध कार्य हेतु हर महीने 25-25 हजार रुपए स्कॉलरशिप मिलती है।

4. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर द ग्रास रूट इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम का भी शुभारंभ किया। दो महीने के इस इंटर्नशिप स्कीम के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को 17 हजार इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त होंगे। उन्हें प्रोत्साहन स्टाइपेंड के रूप में 10 हजार रुपए भी दिए जाएंगे। इस स्कीम के अंतर्गत विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। इसमें चार-चार विद्यार्थियों की टीम बनाई जाएगी, जो राज्य के सभी 4345 पंचायत में जाकर स्थानीय नवाचार, पारंपरिक ज्ञान, लोक एवं हस्तकला समेत उन व्यक्तियों की पहचान करेगी, जो इसके संवाहक हैं। उनके द्वारा एकत्रित जानकारी को व्यवस्थित कर विलेज नॉलेज रजिस्टर में सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि उसकी जानकारी और लाभ लोगों तक पहुंचाई जा सके।

4. बोकारो के जिला रामरूद्र मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में मास्टर सोबरेन मांझी जिला पुस्तकालय का उद्घाटन एवं मानव शास्त्र विशेषकर विश्वस्तर पर आदिवासी जनजीवन के अध्ययन पर केंद्रित गुरूजी रात्रि पाठशाला की भी मुख्यमंत्री ने शुरूआत की । पहले चरण में प्रतिदिन रात्रि 8 बजे तक यह पुस्तकालय संचालित रहेगा।

5. मुख्यमंत्री ने बोकारो के चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सोलगडीह स्थित बाबा वैद्यनाथ वृद्ध सेवा आश्रम के समीप ह्यगुरूजी वाटिकाह्न का ऑनलाइन शुभारंभ कर इसे बुजुर्गों को समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यहां रहने वाले बुजुर्गों के साथ ऑनलाइन संवाद भी किया।

लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री हेमंत का जताया आभार

मैं रांची जिला के बुंडू स्थित एक सुदूर गांव का रहने वाला हूं। मैं आईआईआईटी, रांची में पढ़ाई कर रहा हूं। इस योजना की वजह से मेरे डॉक्टरेट की डिग्री लेने का सपना पूरा होने जा रहा है। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत बहुत आभार।

सुखदेव महतो, आईआईआईटी,रांची

मैं एक्सआएसएस, रांची में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हूं। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की वजह से ही हमारे ऊपर से पढ़ाई का आर्थिक दबाव तो खत्म तो हो ही गया, साथ ही यह हमें अपने सपने को पूरा करने के लिए सशक्त कर रहा है।

ऋषिका, एक्सआईएसएस, रांची

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश कुमार बैठा, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा, प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार, सचिव मनोज कुमार, सचिव उमाशंकर सिंह, एडीजी मनोज कौशिक, बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गौंड और झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मदन मोहन बरियार समेत बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद थीं।

मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

चेशायर होम के बच्चों के बीच बांटे जरूरी सामान

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित चेशायर होम में रविवार को झारखंड आंदोलन के जननायक, आदिवासी समाज के गौरव और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी व विधायक कल्पना सोरेन विशेष रूप से उपस्थित रहीं और गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भावुक शब्दों में कहा, ह्लयह हमारे जीवन का पहला अवसर है, जब हम बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती उनके बिना मना रहे हैं। गुरुजी के संघर्ष, त्याग और बलिदान ने हमें अलग राज्य के सपने को साकार करने की राह दिखाई। वे सदैव कमजोर, पिछड़े और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहे। गुरुजी के विचार और आदर्श सदियों तक हम सभी का पथप्रदर्शन करते रहेंगे।ह्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु का पूरा जीवन झारखंड और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष में बीता। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में झारखंड आंदोलन को स्पष्ट दिशा मिली और अंततः अलग राज्य का सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि गुरुजी की सोच, उनके आदर्श और समाज के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चेशायर होम से अपने विशेष भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि वे अक्सर यहां आते रहे हैं और समय-समय पर यहां के सदस्यों एवं बच्चों से मिलते रहते हैं। उन्होंने संस्था की व्यवस्था और देखरेख की सराहना करते हुए कहा, ह्लयहां के सदस्यगण त्याग और समर्पण की भावना से कार्य कर रहे हैं। यहां रह रहे दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा देखकर यह स्पष्ट होता है कि उनकी शक्ति और आत्मविश्वास किसी भी रूप में कम नहीं है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संस्था को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और उपस्थित सभी लोगों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में लगातार संवेदनशील और सार्थक प्रयास कर रही है।

कार्यक्रम में विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं। उन्होंने चेशायर होम में रह रहे दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की, उनसे आत्मीय बातचीत की और उनके साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए संस्था में संचालित सेवा कार्यों की सराहना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच कंबल एवं आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी किया। पूरा कार्यक्रम दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृतियों, उनके विचारों और समाज के प्रति उनके आजीवन समर्पण को नमन करने का एक भावपूर्ण और प्रेरणादायी अवसर बन गया।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती पर किया नमन

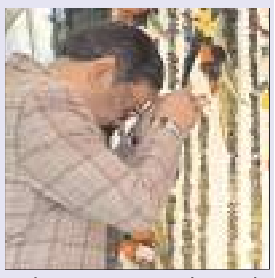

रांची। झारखंड आंदोलन के जननायक, आदिवासी समाज के गौरव और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती रविवार को रांची में मनाई गई। इस अवसर पर मोरहाबादी स्थित गुरुजी के पूर्व आवास में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी माता रूपी सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्य सरकार में मंत्री हफीजुल हसन, सुदिव्य कुमार, राज्यसभा सांसद जोबा माजी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद पांडे, सुप्रियो भट्टाचार्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। उपस्थित सभी लोगों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण किया और झारखंड की प्रगति के उनके सपने को साकार करने का संकल्प लिया।

आयुष्मान आरोग्य लोकेटर को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड-2025

रांची। डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में झारखंड ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। राज्य सरकार की नागरिक-केंद्रित डिजिटल पहल आयुष्मान आरोग्य लोकेटर को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान स्वास्थ्य विभाग, झारखंड के अंतर्गत आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के उत्कृष्ट कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान का प्रमाण है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित सम्मान समारोह में आयुष्मान आरोग्य लोकेटर परियोजना के लिए यह पुरस्कार आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के मिशन डायरेक्टर सह अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज को उनकी टीम के साथ प्रदान किया गया। इस अवसर पर एबीडीएम के संयुक्त निदेशक सहित मिशन से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं टीम के सदस्य भी उपस्थित थे।

दरअसल, आयुष्मान आरोग्य लोकेटर विशेष रूप से आम नागरिकों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस पहल के माध्यम से लोग अब केवल एक साधारण गूगल सर्च के जरिए अपने आसपास उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रामाणिक और अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की तस्वीरें, संपर्क नंबर, दिशा-निर्देश (लोकेशन), तथा वहां उपलब्ध सेवाओं का विस्तृत विवरण शामिल है।

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की मैपिंग स्वास्थ्य उप-केंद्र स्तर तक पूरी की गई है। इससे न केवल शहरी, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को भी अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र की जानकारी आसानी से मिल पा रही है। यह व्यवस्था अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाओं की दृश्यता और पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

आयुष्मान आरोग्य लोकेटर स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता को सशक्त करता है और नागरिकों की सेवाओं तक पहुंच को सरल एवं प्रभावी बनाता है। विशेषकर ग्रामीण एवं दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए यह प्लेटफॉर्म समय पर उपचार प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

यह पहल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य डिजिटल तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

उल्लेखनीय है कि स्कॉच समूह देशभर में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का विभिन्न मापदंडों पर मूल्यांकन कर राज्यों एवं संस्थानों का चयन पुरस्कार के लिए करता है। ऐसे प्रतिष्ठित मंच से सम्मान मिलना झारखंड के लिए गौरव की बात है और यह राज्य में डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों को और आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रेरणा भी है।

एक नजर

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में शोकसभा

रांची। शिशु विकास मंदिर समिति (झारखंड) धुर्वा, रांची के सदस्य, होम्योपैथिक चिकित्सा के माध्यम से समाज की सेवा करने वाले तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक डॉ. नागेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव जी का 07/01/2026 को आकस्मिक निधन पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने उनके सेवाभावी एवम सादगीपूर्ण जीवन तथा समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि विद्यालय एवं समाज के प्रति उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि सभा में शक्ति नाथ लाल दास, अखिलेश्वर नाथ मिश्र, महावीर सिंह, सत्यनारायण पांडे, बलराम उपाध्याय, प्रशांत हर्लेकर, योगेश्वर दुबे, विनोद कुमार सिंह, ललन कुमार, सुनील कुमार पांडेय, हरिनारायण तथा संदीपनी आश्रम छात्रावास के सभी आचार्य व भैया उपस्थित रहे। सभा के अंत में शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में का समापन

रांची। राजधानी रांची के पुंदाग स्थित झारखंड के सबसे बड़े श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा का समापन रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन प्रणामी ट्रस्ट के तत्वावधान में इसके संस्थापक स्वामी सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से आयोजित किया गया। इसमें रांची सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। कथा के अंतिम दिन कथावाचक सदानंद महाराज ने श्रीकृष्ण के अंतर्ध्यान, राजा परीक्षित के मोक्ष सहित अनेक गूढ़ प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। अपनी वाणी और भजनों के माध्यम से उन्होंने भक्तों को भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। श्रीकृष्ण अंतर्ध्यान और परीक्षित मोक्ष के प्रसंग के दौरान पूरा मंदिर भावविभोर हो उठा और श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा और पुष्पों से भव्य रूप से सजाया गया था। श्री राधा रानी को विशेष आभूषणों से अलंकृत किया गया, जिसकी दिव्य छवि श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रही। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धर्म, संस्कार और सेवा भाव को सुदृढ़ करते हैं। मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहित अन्य मौजूद थे।

एचईसी कर्मचारियों की लड़ाई लड़ेगा संघ : शनि

रांची। एचईसी श्रमिक संघ के अध्यक्ष शनि सिंह ने कहा कि एचईसी कर्मियों की सभी मांगों को कानूनी तरीके से दिलाने के लिए यूनियन लगातार प्रयास कर रही है। यूनियन की आगे भी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वर्तमान में एचईसी की स्थिति ऐसी है कि अब कर्मचारियों की उम्मीदें सरकार से ही जुड़ी हुई हैं। इसी को लेकर यूनियन सरकार से सीधे संपर्क करेगी। शनि ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार एचईसी को आर्थिक मदद नहीं देती है, तब तक संस्थान की स्थिति में सुधार संभव नहीं है। एचईसी प्रबंधन के हाथ में बहुत कुछ नहीं है, बावजूद इसके वर्तमान प्रबंधन अपने स्तर से कंपनी को चलाने का प्रयास कर रही है। इसी क्रम में कर्मचारियों की ओर से उठाये उठाए गए सवालों का निदेशक ने जवाब दिया, जिससे कर्मचारियों के बीच व्याप्त कई भ्रम काफी हद तक दूर हुए हैं। उन्होंने कहा कि एचईसी गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रही है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई ठोस मदद नहीं मिली है। शनि सिंह ने केंद्रीय रक्षा मंत्री सह सांसद संजय सेठ से आग्रह किया कि जिस तरह सरकार ने अन्य संकटग्रस्त कंपनियों को पैकेज देकर पुनर्जीवित किया है, उसी तरह एचईसी को भी विशेष पैकेज दिलाकर उसे चलाने की पहल की करे।

रोटरी सहेली सेंटर में नया बैच शुरू

महिलाओं को मिलेगा हुनर व रोजगार का अवसर

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से संचालित रोटरी सहेली सेंटर में महिलाओं एवं युवतियों के लिए सिलाई और ब्यूटिशियन प्रशिक्षण का नया बैच शुरू हो गया है। रोटरी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में क्लब के वरिष्ठ सदस्य भंडारीलाल और पूर्व जिलापाल अनिल सिंह ने फीता काटकर इसका औपचारिक उद्घाटन किया। सहेली सेंटर में यह प्रशिक्षण केवल 200 रुपये की टोकन फीस पर उपलब्ध कराया जा रहा है। समिति सदस्य रश्मि अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल कोर्स तीन माह के लिए शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सिलाई, कॉस्मेटोलॉजी के मूल कौशल सीखाना और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। प्रशिक्षण के साथ आत्मरक्षा और पब्लिक स्पीकिंग की जानकारी भी दी जाएगी।

कोर्स में अब तक 20 महिलाओं का नामांकन हो चुका है। रोटरी क्लब ने बीते वर्षों में लगभग 250 महिलाओं एवं युवतियों को प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने में सहायता की है। इनमें से कई महिलाएं आज नौकरी कर रही हैं, जबकि कुछ ने स्व-रोजगार के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभाल ली है।

क्लब की पूर्व अध्यक्ष रेखा सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को रोटरी की ओर से सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, जो रोजगार के लिए उपयोगी साबित होगा। सफलतम महिलाओं को संस्था की ओर से सिलाई मशीन भी प्रदान की जाएगी, जिससे वो पूर्णत आत्मनिर्भर बन सकें। दो माह बाद इस केंद्र में अन्य प्रशिक्षण भी जोड़े जाएंगे, ताकि महिलाओं को लगातार कौशल विकास का अवसर मिलता रहे।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष अमित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष रेखा सिंह, भंडारीलाल, अनिल सिंह, रश्मि अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, मेघा कपूर, ऋचा एवं प्रशिक्षक रश्मि कुमारी की सक्रिय भूमिका रही।

रातू रोड ऑटो स्टैंड में सीएनजी ऑटो चालक महासंघ की आपात बैठक

नवप्रदेश संवाददाता

रांचीः 11 जनवरी 2026 को झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के सदस्यों की आपात बैठक रातू रोड ऑटो स्टैंड में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने की। इसमें रातू रोड से विभिन्न मार्गों पर चलने वाले ऑटो चालकझ्मालिक शामिल हुए। ऑटो चालकों ने यातायात प्रशासन द्वारा ऑटो को स्टैंड के अंदर लगाने के निर्देश, स्टैंड की सीमित क्षमता और नागा बाबा खटाल ऑटो स्टैंड पर बुनियादी सुविधाओं के अभाव का मुद्दा उठाया।

साथ ही किशोरी यादव चौक पर ऑटो चालकों पर कार्रवाई को लेकर आपत्ति जताई। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने चालकों से शहर को जाम मुक्त बनाने की योजना में सहयोग की अपील की और समस्याओं के समाधान हेतु यातायात एसपी व नगर आयुक्त से मुलाकात कर समाधान निकालने का भरोसा दिलाया। बैठक में सैकड़ों ऑटो चालक-मालिक उपस्थित थे।

आदिवासी समाज के संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक थे दिशोम गुरुः शिल्पी नेहा तिर्की

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नवप्रदेश संवाददाता

रांचीः झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती के अवसर पर रविवार को उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्हें देश की राजनीति का एक अमिट नाम बताया।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश की राजनीति में कुछ ऐसे महान पुरोधा हुए हैं, जिनका नाम और योगदान सदैव अजय-अमर रहेगा। उन्हीं में से एक दिशोम गुरु शिबू सोरेन हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत शिबू सोरेन हम सभी के दिशोम गुरु थे और वे हमेशा दिशोम गुरु ही रहेंगे। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

मंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे आदिवासी समाज के संघर्ष, त्याग और सशक्त नेतृत्व की जीवंत मिसाल थे। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और आदर्शों से समझौता नहीं किया। उनकी विचारधारा और संघर्षशील जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपना पूरा जीवन आदिवासी समाज के अधिकार, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने आदिवासी समाज को अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया और बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु ने अन्याय और शोषण के खिलाफ उलगुलान का रास्ता दिखाया और समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर एक मजबूत, संगठित और जागरूक समाज के निर्माण का संदेश दिया।

मंत्री ने कहा कि आज भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के विचार और संघर्ष झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रासंगिक हैं। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में समानता, न्याय और सम्मान की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

चान्हों में जंगली हाथियों द्वारा लगातार मचाया जा रहा उत्पात

नवप्रदेश, चान्हों : चान्हों प्रखंड के मूर्तो पंचायत अंतर्गत कुल्लू गांव में जंगली हाथियों के झुंड ने शनिवार की देर रात घुसकर भारी उत्पात मचाया। हाथियों ने कई घर और खेत में लगी फसल क्षतिग्रस्त कर दिया देर रात कुल्लू पहाड़ से होते हुए हाथियों का झुंड कुल्लू गांव पहुंचा, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, हाथियों ने कुल्लू निवासी मुकेश पासवान पिता नेहरू पासवान रोहनी उरांव पति पप्पू उरांव सहित लगभग सात घरों में तोड़फोड़की और 40 बोरा घर में रखे धान को खा गया ।इससे पहले भी बेयासी पंचायत के कई गांवों में काफी नुकसान और घर का तोड़ फोड़ किया

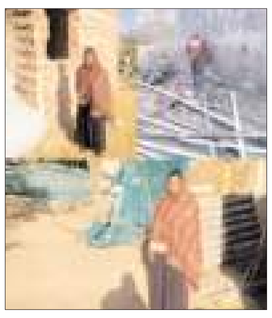

था। विधायक प्रतिनिधि मारवाड़ी उरांव , अब्दुल्लाह अंसारी और किशोर भगत ने फोरेस्टर और स्थानीय प्रशासन से हाथियों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है ।

पिस्का नगड़ी में रानी चुवां मकर संक्रांति मेला संचालन समिति की बैठक, मेले की तैयारियां पूरी

नवप्रदेश, पिस्का नगड़ी : रविवार को रानी चुवां मकर संक्रांति मेला संचालन समिति के एक महत्वपूर्ण बैठक नगड़ी मेला स्थल में हुई बैठक की अध्यक्षता क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी और राजनीतिक लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने किया। बैठक में एक मत से 12 जनवरी 13 जनवरी और 14 जनवरी को मेला का सफल संचालन करने का निर्णय लिया गया, विशेष कर पार्किंग व्यवस्था, सभी लोगों को दुकानदार के लिए जगह का आवंटन मेला के अंदर शांति व्यवस्था, लाउडस्पीकर व्यवस्था और रात में प्रकाश के लिए हैलोजन की व्यवस्था पर चर्चा किया गया। बैठक में नगड़ी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार उपस्थित थे उन्होंने आश्वासन दिए की ट्रैफिक से लेकर के सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहेगी ताकि किसी प्रकार का समस्या ना हो और मेला परिसर एवं मार्ग पर शांति व्यवस्था स्थापित रहे ।बैठक में निर्णय लिया गया कि 12 जनवरी की रात और 13 जनवरी की रात के लिए अलाव की भी व्यवस्था की जाएगी ।बैठक की अध्यक्षता कर रहे लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने कहा कि सभी के आपसी सहयोग से ही इस एतेहासिक मेला का सफल आयोजन होगा। उन्होंने आश्वासन दिया साथ रात को प्रकाश की व्यवस्था उनके तरफ से किया जाएगा। बैठक का संचालन अरविंद भगत ने किया। बैठक में मुख्य रूप से केदार महतो, प्रेम सागर महतो, रमेश महतो, कृजीवन महतो, शाहिद अंसारी, सुरेश महतो, बांदे उरांव, संजय महतो, नवल महतो, दिलीप महतो गुलरेज अंसारी, पतरस एक्का सहित कई लोग उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

वर्तमान सरकार पूरी तरह से आदिवासी विरोधी : सुदेश

नवप्रदेश, अनगड़ा : आजसू पार्टी का खिजरी विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता मिलन समारोह रविवार को गेतलसूद डैम के समीप संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि केन्द्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड में लोकतंत्र नहीं झुठतंत्र की राजनीति हो रही है। सरकारी तंत्र लगातार झुठ बोलकर राज्य के हर वर्ग को छलने का काम कर रहे हैं। झारखंड की वर्तमान सरकार पूरी तरह से आदिवासी विरोधी सरकार है। सरना कोड, आरक्षण नीति, नियोजन नीति, स्थानीय नीति, औद्योगिक नीति, विकास नीति बनाने में सरकार पूरी तरह से फेल रही है। पेसा कानून को जिस उददेश्य के लिए बनाया गया था उस रूढ़ीवादी व्यवस्था को सरकार ने खत्म कर दिया। झारखंड की वर्तमान सरकार हर मोर्चे पर फेल है। छात्रों को छात्रवृति का पैसा भी सरकार नहीं दे सकी है। सुदेश महतो ने कहा कि आजसू ने अलग राज्य आंदोलन में महती भूमिका निभाई व राज्य का निर्माण कराया। हमें जन मुद्दों को लेकर मुखर बनना होगा। मौके पर दो दर्जन लोगों ने पार्टी की सदस्त्या ग्रहण की। मौके पर जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, केंद्रीय महासचिव संजय मेहता, डोमन सिंह मुंडा, डॉ मुकुंद मेहता, राजेन्द्र शाही, रामधन बेदिया, सज्जाद आलम, फुल कुमारी देवी, संजय महतो, संजय मेहता, वीणा देवी, सरीता देवी, जितेन्द्र सिंह, विरेंद्र सिंह भोक्ता,जगन्नाथ महतो, भुवनेश्वर बेदिया,संध्या बांडों, धर्मेंद्र सिंह, जलनाथ चौधरी, आतिश महतो, ज्योतिष महतो आदि उपस्थित थे।

सोनाहातू मे 14 वीं चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल आयोजन को लेकर की गई बैठक

नवप्रदेश, सोनाहातू : 14 वीं चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूनार्मेंट के आयोजन को लेकर रविवार को आयोजन समिति की बैठक संरक्षक श्याम कुमार महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई।। बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 वीं चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन थाना मैदान सोनाहातू में 16 फरवरी सोमवार को करने का निर्णय लिया गया। प्रतियोगिता में 8 टीमों के बीच मुकाबला होगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में 151000 ओर ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार 101000 ओर ट्रॉफी एवं तृतीय और चतुर्थ पुरस्कार 31-31हजार ओर ट्रॉफी दिया जायेगा।प्रवेश शुल्क 25 हजार रुपए रखा गया है।बैठक में संजय कुमार महतो, सुषेण प्रामाणिक, दिलीप कुमार महतो, खंजन महतो, वीरेंद्र मुंडा, मुकेश महतो, कृष्णा महतो,अभिमन्यु महतो, रविंद्र महतो,आसाराम महतो, भागीरथ महतो, परमेश्वर महली, कामेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, वीरेंद्र लोहरा, कालीचरण महतो, मन्टू भगत,जितेन कुम्हार,उमेश कोइरी, पुस्तम पातर, मदन महतो, इन्द्र सिंह मुंडा आदि मौजूद थे।

37वां भगत टुसू मेला के अध्यक्ष बने राजु नायक

नवप्रदेश, अनगड़ा : 37वां भगत टुसू मेला को लेकर रविवार को साल्हन में एक बैठक डॉ रिझु नायक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 37वां भगत टुसू मेला को लेकर एक कमेटी गठित की गई। गठित कमेटी में मुख्य संरक्षक पूर्व विधायक रामकुमार पहान,अध्यक्ष राजु नायक,संरक्षक एतवा भगत, शिबू मुंडा,संयोजक डॉ रीझु नायक,उपाध्यक्ष सिकंदर अन्सारी,मनक करमाली प्रकाश नायक, रितेश मुंडा, दीपक मुंडा, संजय करमाली,सचिव बिरजा मुंडा उप सचिव दुर्योधन नायक ,निकु मुंडा कोषाध्यक्ष भूषण नायक, उप कोषाध्यक्ष सुरेश मुंडा संरक्षक मंडली में किशोर मुंडा सलीम अंसारी,रामपद चौधरी,बरतु मुंडा, सगीरअंसारी,परमानन्द साहु, जनक करमाली को रखा गया है ।खेल प्रभारी सुरज करमाली,सुरज नायक,दुर्गा नायक को चुना गया है। बालिका फुटबॉल टूनार्मेंट में प्रथम पुरस्कार 15,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 10 हजार, झांकी ,टुसू में पांच हजार रुपए रखा गया है ।मौके पर संजय,अभिषेक,बोडा, सुरेश, नीरज, रंजीत,केश्वर नायक,समीर, सज्जाद, संदीप, सामू मुंडा,बेलाल मुंडा आदि उपस्थित थे।

दिशोम गुरु की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

नवप्रदेश, खूंटी : दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन के 82वें जन्मदिवस के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) खूंटी जिला इकाई की ओर से जिला कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद ने की। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा एक मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक नेता नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा थे। उनके विचार और संघर्ष आज भी गरीबों, आदिवासियों, दलितों और वंचितों के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कार्यकताओं से शिबू सोरेन के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद झामुमो कार्यकताओं ने सेवा दिवस के रूप में जन्मदिवस मनाते हुए सदर अस्पताल, खूंटी में भर्ती मरीजों के बीच कंबल का वितरण किया। इसके साथ ही मरीजों को फल एवं ब्रेड भी बांटे गए। इस मानवीय पहल के लिए मरीजों और उनके परिजनों ने झामुमो कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में झामुमो प्रतिनिधिमंडल ने स्वर्गीय पड़हा राजा सोमा मुंडा के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विवेकानंद की जयंती पर खेल प्रतियोगिता

नवप्रदेश, अनगड़ाः एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के तत्वावधान में सिमलिया, अनगड़ा में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि रांची जिला भाजपा के उपाध्यक्ष श्री मनोज कुमार चौधरी जी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य से कभी भटकें नहीं, बल्कि स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को जीवन में उतारते हुए निरंतर आगे बढ़ें। साथ ही उन्होंने एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अनगड़ा भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील महतो जी, जागेश्वर महतो जी, नागेश्वर महतो, आचार्य सोनी कुमारी, सीता देवी एवं गीता देवी उपस्थित थे।इस अवसर पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मौके पर प्रशिक्षक विष्णु सिंह आदि उपस्थित थे।

नगड़ी पुलिस ने गृहभेदन चोर और चोरी का सामान बरामद कर दो गिरफ्तार

नवप्रदेश, पिस्का नगड़ीः नगड़ी पुलिस ने पिछले कई महीनो से नगड़ी क्षेत्र में गृह भेदन कर चोरी को अंजाम दे रहे चोर को गिरफ्तार किया है और चोरी में प्रयुक्त किया जा रहे हैं सामान एवं चोरी का सामान भी बरामद किया है।

इस संबंध में नगड़ी थाना परिसर में डीएसपी मुख्यालय टू अरविंद कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश अनुसार ग्रामीण पुलिस अधीक्षक की देखरेख में छापेमारी कर एक कर और एक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया है। एवं स्थानीय कांटेक्ट की तलाश की जा रही है। साहिबगंज जिला के तीन पहाड़ थाना साकिन पोखरिया निवासी स्व इलियास अंसारी का पुत्र मकबूल अंसारी (40) नगड़ी क्षेत्र के हाई स्कूल मोहल्ला में किराए के मकान में रहकर गृह

भेदन कर चोरी को अंजाम दे रहा था। उसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर चोरी में उपयोग किए जाने वाले समान लोहे का सब्बल, पेचकश और चदरा कटर को बरामद किया गया है, इसके साथ ही महबूब अंसारी के निशान देही पर साहिबगंज जिला से चोरी के सामान खरीदने वाले दुकानदार साहिबगंज जिला के तीन पहाड़ थाना के ग्राम जोका निवासी काशीनाथ शाह के पुत्र सुरेंद्र साह के कपड़े की दुकान से चोरी का सामान चांदी के दो जोड़ा पायल, गले हुए चांदी के बिस्किट नुमा सिल लगभग 327 ग्राम, सोने का रिंग नुमा नथिया दो पीस, बाली एक पीस बरामद कर जप्त किया गया, साथ ही दुकानदार को भी गिरफ्तार किया गया है। छापामारी दल में नगरी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यशराज सिंह संजय कुमार सिंह हवलदार निर्मल उरांव आरक्षी ललन सिंह शामिल है।

उषा मार्टिन विवि द्वारा अभिनंदन 2026 शिक्षा शिखर सम्मान समारोह का आयोजन

नवप्रदेश, अनगड़ा : उषा मार्टिन विवि ने रविवार को अभिनंदन 2026 शिक्षा शिखर सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं शैक्षणिक प्रतिनिधियों के उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो माधुलिका कौशिक विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रति-कुलपति प्रो मिलिंद, कुलसचिव डॉ एस पी वर्मा उपस्थित थे।, कार्यक्रम में विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और विवि के बीच शैक्षणिक संवाद, विचार-विमर्श किया गया । कुल 100 शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों को सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो माधुलिका कौशिक ने कहा कि ह्यअभिनंदन 2026ह्ल उन शिक्षकों के प्रति विश्वविद्यालय की कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने युवा पीढ़ी को दिशा देने और क्षेत्रीय शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतिथियों ने परिसर में स्थित मीडिया स्टूडियो, मूट कोर्ट, भाषा प्रयोगशाला, स्वास्थ्य विज्ञान प्रयोगशालाएँ, इंजीनियरिंग लैब्स एवं आईटी अवसंरचना का अवलोकन किया।प्रति -कुलपति प्रो मिलिंद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

श्री राम टीचर्स कॉलेज का शैक्षणिक-सांस्कृतिक पिकनिक, प्रशिक्षुओं ने आनंद लिया

नवप्रदेश, पिस्का नगड़ीः प्रखंड के प्रेम नगर स्थित श्री राम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, द्वारा सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं के लिए रविवार को खूँटी स्थित प्रसिद्ध पांडा पुडिंग जलप्रपात में एकदिवसीय शैक्षणिक-सांस्कृतिक पिकनिक का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग शत-प्रतिशत प्रशिक्षुओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से हुआ, जहाँ सभी प्रशिक्षुओं की उपस्थिति सुनिश्चित की गई। प्रस्थान से पूर्व सभी के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात सभी प्रशिक्षु बस द्वारा भ्रमण स्थल के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान गीत-संगीत, आपसी संवाद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण ने पूरे सफर को आनंदमय और यादगार बना दिया। पांडा पुडिंग जलप्रपात

पहुँचकर प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने वहाँ की मनोरम, मनोहारी एवं प्राकृतिक सुंदरता का भरपूर आनंद लिया। कल-कल बहती जलधारा, हरियाली से आच्छादित पर्वत श्रृंखलाएँ एवं शीतल वातावरण सभी को मंत्रमुग्ध कर रहा था। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव विकास सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के सर्वांगीण विकास, आपसी सहयोग, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता को मजबूत करते हैं। महाविद्यालय भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद मोय ने कहा कि प्रकृति के सान्निध्य में बिताया गया समय छात्रों के व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देता है, जो उनके शैक्षणिक जीवन में सहायक सिद्ध होता है।

डीन डॉ. सुरजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से सीखने की प्रक्रिया अधिक रोचक, अनुभवात्मक एवं प्रभावशाली बनती है, जिससे छात्रों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

नाश्ता एवं मध्यान्ह भोजन के उपरांत सभी शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं प्रशिक्षु छात्र-छात्राएँ सकुशल महाविद्यालय लौटे।

अनगड़ा में झामुमो कार्यकताओं ने गुरूजी की जयंती मनाई

नवप्रदेश, अनगड़ाः झामुमो अनगड़ा प्रखंड समिति ने रविवार को अनगड़ा पंचायत प्रांगण में दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की 82वीं जयंती मनाई गई। मौके पर असहाय बुजुर्गों के बीच 100 कंबल का वितरण किया गया। प्रखंड अध्यक्ष रिझुवा मुंडा ने कहा कि गुरुजी ने अपना संपूर्ण जीवन आदिवासी, दलित, गरीब एवं शोषित समाज के अधिकार, सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई को समर्पित किया। उनके विचार, संघर्ष और बलिदान झारखंड के इतिहास में सदैव अमर रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देते रहेंगे। मौके पर पूर्व टीएसी सदस्य सह जमल मुंडा,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जगेश्वर महतो,मधुसूदन मुंडा ने भी विचार रखे। मौके पर मधु लोहरा, प्रखंड सचिव अम्मनुलाह अंसारी, उपाध्यक्ष गणेश बेदिया, सुधीर मुंडा, मनीष नायक,मिडिया प्रभारी हरदयाल मुंडा,जगदीश मुंडा, बिरसी बांडो, सुमित महतो,आदि उपस्थित थे।

हाईवा की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

नवप्रदेश, अनगड़ा :अनगड़ा थाना क्षेत्र के हेसल- बाहया रोड में एक हाईवा की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक अजीत उरांव (24) बहया का रहने वाला था। घटना रविवार की शाम करीब चार बजे की है। बताया जाता है कि युवक अजीत उरांव अपने भाभी को हेसल चौक छोड़कर वापस अपने घर बाहया लौट रहा था, इसी दौरान गैल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के ऑफिस के समीप मोड़ पर विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही हाईवा ने उसे चपेट में ले लिया। इस घटना में अजीत की घटनास्थल पर ही तत्काल दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद शव कई टुकड़ों में बिखर गया था। मौके पर पहुंची अनगड़ा थाना की पुलिस ने शव को परिजन उठाने नहीं दें रहे थे। भाजपा नेता अजय सिंह भोक्ता कृष्णा करमाली और अनगड़ा पुलिस के समझाने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। इधर हाईवा चालक मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है।

राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

नवप्रदेश, अनगड़ा : गैर सरकारी संगठन जनकल्याण समर्पण संस्थान के ढ़ेलवाखुट्टा सिकिदिरी स्थित कार्यालय में रविवार को संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए चयनित चार तैराको को सम्मानित किया। चार तैराकों में पिंकी कुमारी, राजेश मुंडा, मानेश्वर बेदिया, राजू बेदिया शामिल है। फरवरी माह में छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चारों भाग होंगे। पिंकी कुमारी ने ब्रेस्ट स्ट्रोक 100 मीटर , राजू बेदिया ने बैक स्ट्रोक 50 मीटर , राजेश मुंडा ब्रेस्ट स्ट्रोक 50 मीटर और ब्रेस्ट स्ट्रोक 100 मीटर एवं मनेश्वर बेदिया फ्री स्टाइल 100 मीटर बैंक स्ट्रोक 100 मीटर के स्पधाओं में चयनित हुए। चारों तैराकों की सफलता पर संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सफलता हम सभी के लिए गर्व की बात है। संचालन प्रवक्ता बृजकिशोर प्रसाद ने किया। मौके पर संस्थान के कोषाध्यक्ष रमन कुमार, संदीप कुमार वर्मा, अजीत कुमार, कृष्ण गोपाल भद्र पोप, अक्षय रजवार, सूरज जायसवाल, कृष्णा जायसवाल, मनोज मुंडा, विकास चौधरी, दीपक राम, आदि उपस्थित थे।

शिबू सोरेन एवं सुनील महतो की जयंती मनाई गई

नवप्रदेश, सिल्ली : रविवार को सिल्ली में झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरू शिबू सोरेन की जयंती मनाई गई ।इस अवसर पर उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई ।मौके पर जिला परिषद सदस्या लक्ष्मी कुमारी , प्रतिनिधि अखिल महतो , मुखिया भरत मुंडा , अखिलेश कुम्हार , समीर ठाकुर , प्रकाश कुशवाहा , संजय महतो , शेखर महतो , जितू रजक आदि उपस्थित थे ।एक अन्य जानकारी के मुताबिक इधर झामुमो कार्यकताओं की ओर पार्टी कार्यालय बुढ़ाआम में शिबू सोरेन की जयंती मनाई गई ।इसके अलावा शिबू सोरेन की जयंती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिल्ली में मरीजों के बीच फल का वितरण किया गया ।

राजधानी टुसू महोत्सव हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ सम्पन्न

टुसू महोत्सव एक पर्व नहीं बल्कि यह झारखंड की सामाजिक एकता , सांस्कृतिक पहचान और लोक आस्था का पर्व है : देवेंद

नवप्रदेश, सिल्लीः झारखंड के समृद्धि लोक संस्कृति एवं परंपरा को संजोए रखने वाला 'राजधानी टुसू महोत्सव' आज रविवार को हर्ष उल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ ।महोत्सव में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण , महिलाओं युवाओं एवं बच्चों की सहभागिता देखने को मिली । झांकी प्रतिभागी मेन रोड में चौड़ल के साथ नृत्य-संगीत करते हुए आयोजन स्थल कार पार्किंग तक पहुंचे । श्रद्धालुओं के भारी भीड़ को देखते हुए राहगीरों को वैकल्पिक व्यवस्था के साथ प्रशासन को ट्रैफिक नियंत्रित करते हुए देखा गया । यह कार्यक्रम 'झारखंडी भाषा खतियान संस्कृति समिति' के द्वारा किया गया । राजधानी के आस-पास विभिन्न क्षेत्रों से संस्कृति प्रतिभागी सम्मिलित हुए । कुंवारी कन्याओं

द्वारा विधिवत टुसू थापना , टुसू पूजन , टुसू वंदना एवं नृत्य किया गया ।इसके बाद पारंपरिक व्यंजन खपरा पीठा , गुड़ पीठा , खिचड़ी का वितरण किया गया ।कार्यक्रम मंच में कई प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी नाटिका एवं कला प्रस्तुति से समा को बांध लिया ।टुसू प्रेमी देर शाम तक अपने सांस्कृतिक अंदाज में ढोल-मांदर के थाप पर थिरकते-झुमते नजर आए । मंच में शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकताओं ने टुसू पर्व के पौराणिक कथा एवं विशेषताओं के बारे में अभिभाषण प्रस्तुत किया । कार्यक्रम संरक्षक देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि टुसू महोत्सव केवल एक पर्व नहीं बल्कि यह झारखंड की सामाजिक एकता , सांस्कृतिक पहचान और लोक आस्था का प्रतीक है । ऐसे आयोजनों में नई पीढ़ी को अपनी परंपरा से जोड़ने में मदद मिलती है ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवेंद्र नाथ महतो के अलावा विजय सिंह , मजबुल खान , पूजा महतो , दीपक रवानी , अनंत महतो , निवेदिता देवी , बिहारी महतो , संतोष महतो , षष्टी रंजन , गोपेश्वर महतो , सूरज साहू , काजल महतो , राजीव तुलसी , महावीर साहू , नवीन महतो , संजय महतो , महिपाल आदि हजारों की संख्या में मोजूद रहे । बताते चलें कि 'राजधानी टुसू महोत्सव' का स्थापना मेन रोड में वर्ष 2024 से विधिवत तरीके से होते आ रहा है । यह जानकारी चंडी प्रसाद महतो की ओर से दी गई ।

चुन्दरी गांव में जल मीनार से चोरी, पानी की आपूर्ति ठप

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला: घाघरा थाना क्षेत्र के चुन्दरी गांव में चोरी की एक और घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार गांव के करम गाढ़ा नामक स्थान पर स्थापित जल मीनार से शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने स्टार्टर तथा एक सोलर पैनल की चोरी कर ली।

चोरी की इस घटना के बाद गांव की जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी के अभाव में दैनिक जरूरतें प्रभावित हो रही हैं और महिलाओं व बच्चों को सबसे अधिक कठिनाई झेलनी पड़ रही है।चोर बेखौफ होकर सार्वजनिक संपत्तियों को निशाना बना रहे हैं, जबकि पुलिस और जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। खबर लिखे जाने तक इस चोरी की घटना को लेकर न तो गांव के मुखिया और न ही पंचायत समिति सदस्य द्वारा थाने में कोई लिखित आवेदन दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चोरी की घटनाओं पर रोक लगाई जाए और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

सड़क सुरक्षा माह के 11वें दिन एन एच पर चला विशेष अभियान

दुर्घटना रोकने के लिए स्पीड ब्रेकरों पर हुई 'व्हाइट मार्किंग'

नवप्रदेश संवाददाता

गुमला: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत उपायुक्त गुमला श्रीमती प्रेरणा दीक्षित के दिशा-निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में धरातल पर सुधारात्मक कार्यों को गति दी गई। इस अभियान के तहत गुमला-घाघरा मुख्य मार्ग एन एच पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष तकनीकी सुधार किए गए।

सड़क सुरक्षा टीम ने गुमला-घाघरा रोड पर स्थित गति अवरोधकों (स्पीड ब्रेकरों) पर सफेद चमकदार पट्टी लगाने का कार्य किया।अक्सर यह देखा गया है कि मार्किंग न होने या पुरानी होने के कारण वाहन चालकों को ब्रेकर दूर से दिखाई नहीं देते। इससे अचानक ब्रेक लगाने पर गाड़ियाँ अनियंत्रित हो जाती हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाती हैं। नई व्हाइट मार्किंग से अब चालकों को दूर से ही ब्रेकर की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चालक समय रहते वाहन की गति को नियंत्रित कर सकें, जिससे संभावित सड़क हादसों को टाला जा सके।

जिला परिवहन कार्यालय ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा माह का लक्ष्य केवल चालान काटना नहीं है, बल्कि सड़कों को तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाना और सुधारात्मक कदम उठाकर लोगों की जान बचाना है।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ को नीचे लाना और यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना है।

सड़क सुरक्षा टीम ने अभियान के दौरान वाहन चालकों से सीधा संवाद किया और निम्नलिखित अपील की,राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्धारित गति सीमा के भीतर ही वाहन चलाएं।दोपहिया चालक हेलमेट और चार पहिया चालक सीट बेल्ट का प्रयोग हर हाल में करें। सड़कों पर लगे यातायात संकेतों और मार्किंग्स का पालन करें, क्योंकि ये आपकी सुरक्षा के लिए ही लगाए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

एनएससी में नववर्ष पिकनिक: छात्रों और पूर्व विद्यार्थियों के साथ मस्ती और प्रेरणा

नवप्रदेश, बोकारो : रविवार को नव वर्ष के उपलक्ष में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पिकनिक का आयोजन किया गया । यह पिकनिक एनएससी के प्रांगण में ही हुआ जिसमें एनएससी में पढ़ने वाले सभी छात्र छात्राएं पूर्व विद्यार्थी जो आज सरकारी जॉब एसएससी, रेलवे ,बैंक में है उनकी उपस्थित के साथ–साथ हमारे सुकून बुजुर्ग मनोरंजन केंद्र के सभी बुजुर्ग शामिल हुए ।आज के पिकनिक प्रोग्राम के मुख्य अतिथि बोकारो सार्जेंट मेजर प्रणव कुमार और राज्य प्रशिक्षण पदाधिकारी डॉक्टर एसपी वर्मा थे। प्रणव सर ने बच्चों को एकाग्रचित होकर लक्ष्य साधने को कहा। आज की खास बात यह रही कि सबने बहुत मस्ती और डांस किया। एनएससी की डायरेक्टर नूतन श्रीवास्तव ने बताया कि आज के समय पढ़ाई के साथ–साथ थोड़ा गैप लेकर इंजॉय करने से पढ़ने की एफिशिएंसी और बढ़ जाती है। अनन्त कुमार सिन्हा सर ने बच्चों को प्रेरित कर कहा इसी उत्साह के साथ बच्चों पढ़ाई करने के साथ ही अपने माता–पिता की सेवा भी करनी है और समाज के काम आना है और यह सोचकर पढ़ना है कि देश में हम कुछ नया करेंगे। पूर्व विद्यार्थियों में नागेंद्र ,(चीफ मैनेजर केनरा बैंक) द्वारिका प्रसाद (डिविजनल मैनेजर, ओरिएंटल इंश्योरेंस) सूरज(इनकम टैक्स इंस्पेक्टर), अमित (मुख्य लोकों नियंत्रक ,बोकारो रेलवे) , संजय और संतोष (दरोगा) जितेंद्र (सेक्शन ऑफिसर)साथ – साथ 50 से ज्यादा जॉब होल्डर मौजूद थे जिनमें प्रवीर,राजेश, चंद्रकांत, राकेश,प्रियंका, कुसुम,आरती, दीक्षा थी। हमारे शिक्षक मैनेजमेंट लीडर मुख्य रूप से सोनिया, पूजा,सपन, विक्रम ने पूरे प्रोग्राम को संचालित किया।

के.एम. मेमोरियल हॉस्पिटल, चास में शुरू हुई नि:शुल्क सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी सेवा

नवप्रदेश, बोकारो : जनकल्याण और सामाजिक स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देते हुए बोकारो के के.एम. मेमोरियल हॉस्पिटल, चास में नि:शुल्क सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी सेवा की शुरूआत की गई है। अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार पांडेय के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा सुलभ कराना है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, अब प्रत्येक शनिवार दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों द्वारा मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा। इस सेवा का सकारात्मक प्रभाव पहले ही दिन देखने को मिला, जब कुल 173 मरीजों ने नि:शुल्क ओपीडी का लाभ उठाया। न्यूरो, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, गायनेकोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, नेत्र चिकित्सक (आई) और डेंटल विभाग में मरीजों की उपस्थिति अधिक रही। मरीजों ने इस पहल की सराहना करते हुए अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और इसे जनहित में सराहनीय कदम बताया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह नि:शुल्क सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी सेवा आगामी दिनों में भी हर शनिवार नियमित रूप से जारी रहेगी। संस्थान भविष्य में भी जनसेवा के उद्देश्य से इस तरह की स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बोकारो के 10 खिलाड़ी अंडर-17 जूडो SGFI राज्य कैंप में शामिल

नवप्रदेश, बोकारो : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में अंडर–17 जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 17 जनवरी से 22 जनवरी तक इंफाल, मणिपुर में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बोकारो जिले के 10 खिलाड़ी झारखंड टीम में चयनित होकर राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। एमजीएम स्कूल, बोकारो से राजवीर सिंह, मयंक सोनी, सुरभि कुमारी और प्रदर्शनी सिंह, जबकि जीपीएस सेक्टर–5 से चंदन कुमार, आर्यन गुप्ता, जय श्री कुमारी, दीपशिखा कुमारी, अनुष्का कुमारी एवं प्रिशा सिंह का चयन किया गया है। सभी खिलाड़ी अपनी–अपनी वेट कैटेगरी में देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करेंगे। टीम के साथ रामगढ़ के चंदन कुमार को कोच तथा झारखंड सरकार की ओर से अनीश कुमार को टीम मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है। चयनित खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर गणपत राय स्टेडियम (खेलगांव, रांची) में आयोजित किया गया, जहां झारखंड के अनुभवी जूडो प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिदिन दो सत्रों में कड़ी ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अवसर पर झारखंड जूडो संघ के अध्यक्ष के. एन. त्रिपाठी एवं सचिव परीक्षित तिवारी, साथ ही बोकारो जूडो संघ के अध्यक्ष विनय आनंद सहित सभी पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

नवप्रदेश, बोकारो : बोकारो में अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ का वार्षिक सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता बोकारो महानगर अध्यक्ष सह शक्ति सेना प्रमुख प्रदीप बर्मन ने की। सम्मेलन के अवसर पर बनभोज कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं गांडे के पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकर रहे। अपने संबोधन में प्रदीप बर्मन ने कहा कि चासझबोकारो व्यापारियों का शहर है, लेकिन वर्तमान में व्यापारी वर्ग स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर ठोस पहल की मांग की।
मुख्य अतिथि लक्ष्मण स्वर्णकर ने स्वर्णकार समाज की राजनीति में सक्रिय भागीदारी तथा आगामी झारखंड नगर निकाय चुनाव में संगठन की भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष एवं जिला महामंत्री ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की बात कही। कार्यक्रम में डॉ. लीना वर्मा (एडवोकेट), वार्ड संख्या 17 चास नगर निगम की वार्ड पार्षद प्रत्याशी, मुख्य वक्ता के रूप में शामिल रहीं। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार सहित वार्ड 17 के प्रबुद्ध मतदाता एवं बड़ी संख्या में संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

ईंट के भट्टे में काम करने वाला एक मजदूर फांसी लगाकर किया आत्महत्या

नवप्रदेश, घाघरा : थाना क्षेत्र के बालाखटंगा परसाटोली गांव में फांसी लगाकर जोसेफ कुजूर ने आत्महत्या कर लिया। घटना के सूचना मिलने पर पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु गुमला भेज दिया। घटना के बाबत मिली जानकारी के अनुसार जोसेफ कुजूर कंडरा इट भट्टे में काम करने जाता था। शनिवार की देर शाम वह साप्ताहिक बाजार बूटी गांव से मछली और सब्जी की खरीददारी करके नशे की हालत में घर लौटा जहां कुछ बात पर कहा सुनी हुई। और वह घर से निकलकर चला गया। काफी देर हो जाने के बाद भी जब वापस नहीं लौटा तो काफी खोजबीन की गई लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका वही रविवार को गांव के ही लोग शौच करने के लिए तालाब की ओर जा रहे थे तो देखा कि पेड़ पर गमछी के सहारे फांसी पर एक व्यक्ति लटका हुआ है। पास जाकर उसकी पहचान की गई। जिसके बाद उसके सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

महासदाशिव मंदिर मरदा की 8वीं वर्षगांठ हेतु पहली तैयारी बैठक सम्पन्न

नवप्रदेश, गुमला: महासदाशिव मंदिर मरदा की 8वीं वर्षगांठ के सफल आयोजन हेतु प्रथम बैठक रविवार को विज्ञान कुमार सिंह की अध्यक्षता आयोजित की गई। यह आयोजन आगामी 19 एवं 20 फरवरी 2026 को भव्य रूप में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।बैठक में मुख्य रूप से मंदिर के प्रचार-प्रसार पर विस्तृत चर्चा की गई। आयोजन को व्यापक स्तर पर फैलाने हेतु हर पंचायत में पर्चे, बैनर और स्टिकर वितरित किए जाएंगे।उपस्थित सदस्यों को प्रचार सामग्री सौंपी गई ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार कर सकें।लगभग 5 हजार महिलाओं की भव्य कलश यात्रा होने का लक्ष्य रखा गया है।इसलिए अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देने का निर्णय लिया गया।साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन जिसमें 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था की जायेगी।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश भर के आचार्यों एवं साधु-संतों का आगमन होगा।इसमें विशेष रूप से त्र्यंबकेश्वर (नासिक) से 11 आचार्य, बद्रीविशाल से शंकराचार्य जी के आश्रम के ब्रह्मचारी मुकुंदानंद महाराज, विद्या आश्रम गुरुकुल, बनारस से 15 छात्र भाग लेंगे। इसके अलावे भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें हर वर्ष की तरह इस बार भी 15 हजार से अधिक लोग सम्मिलित होकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लेंगे। प्रसिद्ध नागपुरी कलाकार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्य बनारस गंगा आरती,साधु-संतों का प्रवचन, 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन हुलास ग्रुप के द्वारा कार्यक्रम। समिति ने यह संकल्प लिया कि महासदाशिव मंदिर की 8वीं वर्षगांठ इस बार और भी अधिक भव्य, ऐतिहासिक एवं श्रद्धा से परिपूर्ण होगी।

सोनमेर में हिंदू युवा जुटान सह वनभोज का आयोजन

नवप्रदेश, खूंटी: कर्रा प्रखंड के सोनमेर गांव में हिंदू युवा जुटान सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले भर से सैकड़ों की संख्या में हिंदू युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के सामाजिक विकास, रोजगार के अवसर, स्वरोजगार एवं सामाजिक सरोकारों पर विचार-विमर्श करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मुकेश जायसवाल ने कहा कि युवाओं को व्यवसाय की ओर भी आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवसाय छोटा नहीं होता, आवश्यकता है आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास की। वहीं शशांक राज ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी योजनाओं में समुदाय की भागीदारी कम होती जा रही है, जिसमें सुधार की जरूरत है। उन्होंने युवाओं से आम लोगों की समस्याओं को लेकर सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

गुमला में नगेसिया समाज का सम्मान समारोह और वनभोज कार्यक्रम

गुमला: नागफनी नदी के तट पर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नवनियुक्त श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुश्री रामप्यारी कुमारी उपस्थित हुईक उन्होंने कार्यक्रम मैं समाज को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान प्राप्त करना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि आपके पास जो ज्ञान है, उसका उपयोग केवल रचनात्मक उद्देश्यों और साथी मनुष्यों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिएक समाज को संबोधित करते हुए सीमा चट्टा संघ के अध्यक्ष शनिचरवा किसान ने कहा कि समाज के युवक -यूवतियों को शिक्षा प्राप्त करते हुए एक से बढ़कर एक अधिकारी /कर्मचारी बनकर समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के युवक-यूवनतियों के द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल किए हैं उन्हें सम्मानित करने एवं समाज को एकजुट करने को लेकर था' इस कार्यक्रम में गुमला लोहरदगा सिमडेगा एवं लातेहार के नगेसिया किस समाज के लोग शामिल हुए एवं कार्यक्रम में उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित किया' मंच पर उपस्थित समाज के प्रबुद्ध जनों के द्वारा एक स्वर में विभिन्न तरह के नशा पान से दूर रहने के लिए समाज के लोगों को सलाह दिए।

एक सप्ताह से झुका पोल सड़क पर गिरने को है तैयार, विभाग बेपरवाह

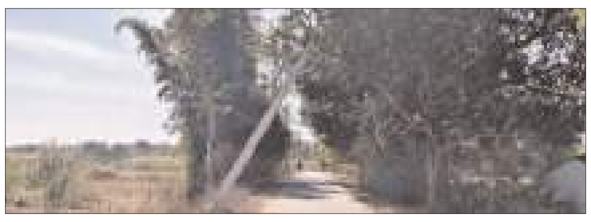

नवप्रदेश, गुमला: घाघरा प्रखंड के नवडीहा बरटोली गांव में पिछले एक सप्ताह से एक भारी बिजली का पोल ग्रामीणों के लिए मुसीबत बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, करीब सात दिन पहले एक अज्ञात वाहन ने 11 केवी के इस पोल को अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे यह बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर झुक गया है। गनीमत यह है कि फिलहाल इन तारों में करंट प्रवाहित नहीं हो रहा है, जिससे अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।हालांकि, करंट न होने के बावजूद ग्रामीणों के बीच डर का माहौल बना हुआ है। पोल जिस तरह से क्षतिग्रस्त होकर लटका हुआ है, वह कभी भी सड़क पर गिर सकता है, जिससे वहां से गुजरने वाले राहगीर या मवेशी इसकी चपेट में आ सकते हैं। विशेष रूप से रात के समय इस मार्ग से गुजरना जोखिम भरा हो गया है क्योंकि अंधेरे में झुका हुआ पोल दिखाई नहीं देता। हैरानी की बात यह है कि घटना के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी बिजली विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की इस चुप्पी के कारण गांव में कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द इस टूटे हुए पोल को हटाने और नया पोल लगाने की मांग की है ताकि गांव की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नशा से छुटकारा हेतु विभिन्न गांव में गुमला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा नशा मुक्ति कार्यक्रम चला

गुमला: नालसा के डॉन स्कीम के तहत नशा मुक्ति अभियान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में गांव, स्कूल, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी ,सभी जगह पर नशा मुक्ति कार्यक्रम चलाया जा रहा है।जिस क्रम में विभिन्न प्रखंड में पीएलवीयों के द्वारा गांव गांव जाकर नशा उलमान हेतु लोगों को नशा न करने और नशा के विरोध करने संबंधी शपथ दिलाया गया। साथही जिला विधिक सेवा के प्राधिकार गुमला के सचिव श्री रामकुमार लाल गुप्ता एवं एलईडीसीएस के टीम के द्वारा मंडल कारा गुमला में नशा मुक्ति के लिए सभी बंदियों को शपथ दिलाई गई सभी ने शपथ लिया कि हम नशा नहीं करेंगे और नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग करेंगे। ऑब्जर्वेशन होम गुमला में भी नशा मुक्ति कार्यक्रम चलाया गया और सभी को शपथ दिलाई गई कि वे नशा नहीं करेंगे और नशा को रोकने हेतु लोगों को जागरूक करेंगे ।

गुमला सुपर लीग मुकाबले में गोड्डा ने कोडरमा को 7 विकेट से हराया

नवप्रदेश, गुमला: जे एस सी ए इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19प्लेट ग्रुप के सुपर लीग मुकाबले में गोड्डा ने कोडरमा को सात विकेट से पराजित कर टूनामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. जिला मुख्यालय के शहीद तेलगा खड़िया क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गये मुकाबले में टॉस जीत कर कोडरमा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. कोडरमा की पूरी टीम 45.4ओवर में 160रनों पर सिमट गयी. कोडरमा के विशाल यादव व आकाश कुमार ने अच्छी बैटिंग की. विशाल ने 56व आकाश ने 48रनों की पारी खेली. उधर गोड्डा की ओर से सत्यम सिंह ने चार और चिराग मिश्रा व कुमार हर्षित ने दो -दो विकेट अर्जित किए. वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोड्डा की टीम ने 31.2ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर जीत का आंकड़ा छू लिया. गोड्डा के वैभव यादव ने 68रनों की नाबाद पारी खेले. वहीं सचिन यादव ने 31रनों का योगदान किया. बेहतरीन गेंदबाजी के बदौलत गोड्डा के सत्यम सिंह प्लेयर ऑफ द मैच बने. मैच के टी आर डी ओ व झारखण्ड के सीनियर कोच सतीश सिंह, अंपायर अजमल हुसैन, इफ़्तेखार शेख व स्कोरर शशिभूषण मिश्रा ने सत्यम को पांच हजार कैशमनी व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया. मौके पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव जीतेन्द्र सिंह. मनोज चौधरी, आयुष अग्रवाल, आकाश आनंद, लाल चंद्रशेखर, ज्ञान प्रकाश, शशि प्रकाश, सन्नी साहू, बिनीत, पंकज साहू, मधुसूदन उरांव सहित अन्य उपस्थित थे, सोमवार को कोडरमा व चतरा के बीच मुकाबला खेला जायेगा.

मुल्क की आजादी की जंग में सर कटाने वाले के लहू का हिस्सा हूं : मुमताज अली

नवप्रदेश, गुमला: मैं जंगे आजादी में जान गंवाने वाले के लहू का हिस्सा हूं अंग्रेजों के तलवे चाटने वाले नहीं आज भी हम अपने वतन पे मर मिटने को है तैयार ये बाते समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव मुमताज अली संथाल परगना प्रमंडलीय पार्टी की ओर से हुए वार्षिक सामाजिक न्याय विषय पे सेमिनार में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा मुमताज अली ने कहा कि आज पूरी दुनियां में अराजकता का माहौल बना हुआ है ताकतवर मुल्क हो या ताकतवर इंसान हो सभी अपनी ताकत का इस्तेमाल कमजोरो पे कर रहे है ये बेहद खतरनाक माहौल बनता जा रहा है हमें जाती धर्म पंथ और बिरादरी ऊंच नीच का भेदभाव छोड़कर अमीरी गरीबी की नजरिया को छोड़कर आपसी मुहब्बत और भाईचारगी पैदा करना होगा अगर मुल्क को मजबूत और खुशहाल बनाना है तो मुमताज अली ने कहा कि अमेरिका का इतिहास 500 वर्ष का है मगर हमारा मुल्क भारत का इतिहास 5000, पांच हजार वर्ष पुराना है बताईए आज अमेरिका कहां है और हम कहां है।

झारखंड के निमार्ता शिबू सोरेन जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा नारायण भोज और जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो: झारखंड आंदोलन के प्रणेता, करोड़ों लोगों के आदर्श और अलग राज्य के निमार्ता शिबू सोरेन (गुरुजी) की जयंती आज चीरा चास स्थित फार्म हाउस में हर्षोल्लास और सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर झामुमो कार्यकताओं ने अपने नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिबू सोरेन एक नाम नहीं, विचारधारा हैं

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो नेता मंटू यादव ने कहा, गुरुजी एक व्यक्ति मात्र नहीं, बल्कि एक जीवंत विचारधारा हैं जो झारखंड के कण-कण में रची-बसी है। आज उनके जन्मदिन पर हम उनके संघर्षों को नमन करते हैं। यह विश्वास करना कठिन है कि जल, जंगल और जमीन की आवाज उठाने वाले हमारे संरक्षक आज शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, परंतु उनकी सोच और आदर्श हमेशा हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि गुरुजी के लंबे संघर्षों की बदौलत ही हमें अलग झारखंड राज्य मिला। आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए राज्य के विकास और गरीबों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। गुरुजी के खुशहाल झारखंड के सपने को पूरा करना ही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गुरुजी की स्मृति और उनकी सेवा भावना को जीवंत रखने के लिए झामुमो द्वारा विशेष आयोजन किए गए:चीरा चास फार्म हाउस में विशाल नारायण भोज का आयोजन हुआ।भीषण ठंड को देखते हुए सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। चास नगर अध्यक्ष प्रमोद तापड़िया ने कहा कि हमारे नेता गुरुजी सबके दिलों में बसे हुए हैं उन्हीं के बताए हुए मार्ग पर चलकर ही क्षेत्र का विकास कर सकते हैं आज एक-एक कार्यकर्ता उन्हीं के बताए रास्ते पर चल रहा है। कार्यक्रम का संचालन चासनगर सचिव भागीरथ शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य संतोष रजवार, विजय रजवार, संजय केजरीवाल,मदन कुमार महतो, मिथुन मंडल, सदानंद गोप, राकेश सिन्हा, नैयर जमाल, उदय कुंभकार, अशोक हेंब्रम, विजय मित्तल, केके मंडल, टीपी महतो, धनेश तूरी, सलीम अंसारी, प्रदीप कुमार, मागा राम दे, चास प्रखंड अध्यक्ष रामदयाल सिंह, मस्तान अंसारी, ज्योति प्रकाश द्विवेदी, सुमन वर्मा, सोमनाथ सरकार, पुनीत विश्वकर्मा, पुराण महतो, अजय यादव, भरत यादव, दीपू सिंह, दिनेश यादव, सुरेन्द्र कुमार, रवि सिंह, वीरू मुंडा, सानिया बेगम, शान्ति किस्कू, अकलू मांझी, श्रेष्ठ ठाकुर, सष्टी देवी, सावित्री बाउरी, कुसुम भारती, अंजली सोरेन, आभास गांगुली, रूबी खातून, अर्जुन महतो, धर्मवीर गुप्ता, राजकुमार महतो, राकेश लाल सिंह, अमन सिंह, दिगम्बर महतो, सानिया अनवर चमेली देवी, रेणु टुडू, जयमाला देवी, जितेंद्र महतो, वीरेंद्र तुरी, कामदेव यादव, कमलेश सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अन्याय के खिलाफ आजीवन लड़े गुरूजी - सरफराज अहमद

दिशोम गुरू शीबू सोरेन की जयंती पर गिरिडीह में कम्बल वितरण

जयंती पर गुरूजी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प

गिरिडीह। झारखंड के महानायक झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरू शीबू सोरेन की 83 वीं जयंती के अवसर पर रविवार को झामुमो कार्यालय गिरिडीह में गरीबों के बीच कम्बल और भोजन का वितरण किया गया। सबसे पहले झामुमो नेताओं ने गुरूजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जयंती समारोह में गिरिडीह जिला के विभिन्न प्रखंडों से आए कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए राज्यसभा सांसद डॉ सरफराज अहमद ने कहा कि दिशोम गुरू शीबू सोरेन आजीवन अन्याय के खिलाफ लड़ते रहे। गुरूजी के पिताजी भी महाजनों के खिलाफ लडे और शहीद हो गए। जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि गुरूजी ने जल जंगल जमीन और आदिवासी अस्मिता की लड़ाई में अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। गुरूजी केवल झारखंड के निमार्ता ही नहीं बल्कि शोषित पीड़ित समाज की आवाज भी थे। झारखंडी अस्मिता के प्रतिक थे। उन्होंने महाजनी प्रथा और सूदखोरी के खिलाफ लड़ाई लड़ी। और गरीबों को महाजनी प्रथा से मुक्ति दिलाई। पूर्व विधायक व झामुमो के वरिष्ठ नेता केदार हाजरा ने कहा कि उनके बताए मार्ग और आदर्शों पर हम सबों को चलना है। जिला सचिव महालाल सोरेन ने कहा कि गुरूजी का शिक्षा पर बहुत जोर था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसको आगे बढ़ाया। हर जिला में सीएम एक्सीलेंस स्कूल खोला जा रहा है और गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिया जा रहा है। झामुमो नेता प्रणव वर्मा ने कहा कि शीबू सोरेन अलग राज्य की लड़ाई के महानायक थे। जिला उपाध्यक्ष अजीत कुमार पप्पु और जिला प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने भारत सरकार से दिशोम गुरू शीबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की। कहा कि वे इसका हकदार हैं। अविलंब शीबू सोरेन को भारत रत्न मिलना चाहिए।

जयंती समारोह में दिलीप मंडल, नुनूराम किस्कू उर्फ. टाइगर, राकी सिंह, प्रमिला मेहरा, फरदीन अहमद, राकेश कुमार सिंह, सुमित कुमार, मोनू सिंह, अभय सिंह, नूर अहमद, रामजी यादव, राकेश रंजन, मेहताब मिर्जा, हरिमोहन कंधवे,जाकिर हुसैन, सईद अख्तर, खुरशीद अनवर हादी, चांदमल मुर्मू, शब्बीर अंसारी, मजीद अंसारी, बिरजू मरांडी, तुफान, चिन्ना खान, प्रधान मुर्मू, दिलीप मुर्मू, कासिम अंसारी, मुस्लिम अंसारी, भैरव वर्मा, हसनैन अली, संजय वर्मा, पवन सिंह, संजय कंधवे, आनंद मिश्रा, ज्योति सोरेन , प्रियंका कुमारी, अनामिका मुर्मू, अंजली किस्कू, चांदमुनी किस्कू, पानमुनी किस्कू, माला देवी, शांति मुर्मू सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

समाजसेवी खगेन महतो ने पीएमपीपीएल का उद्घाटन

ईचागढ़: प्रखंड क्षेत्र के मां दुर्गा स्टेडियम पातकुम में पप्पू मेमोरियल पातकुम प्रीमियम लीग का 9 वां सीजन रविवार को समाजसेवी खगेन महतो, मुखिया राखोहरी सिंह मुंडा, संजय मंडल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी खगेन महतो शामिल हुए। उन्होंने पप्पू सिंह मुंडा के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दिया। वही खगेन महतो ने कहा कि खेल युवाओं को नशा नहीं, दिशा देता है, हार नहीं, हौसला सिखाता है। यह केवल एक खेल का आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के सपनो,अनुशासन और संघर्ष हैं।साथ ही कहा कि इस तरह से छोटे जगह पर इस तरह का आयोजन काफी काबिले-तारीफ है,खिलाड़ी मेहनत करें मंजिल अपने आप मिलेगा। हर खिलाड़ी छोटे छोटे जगह से शुरू कर आज विश्वभर में अपना और अपने देश का नाम रोशन कर रहे हैं।कार्यक्रम में शसोधर महतो,सष्ठी सिंह मुंडा,एवं सैकड़ों खेल प्रेमियों की उपस्थिति थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति की दादागिरी के खिलाफ वाम दलों का पुतला दहन

धनबाद। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी के खिलाफ लोगों का गुस्सा समाप्त होने का नाम नही ले रहा है। रविवार को वाम दलों ने धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला फूंका। इस दौरान ट्रंप के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। सीपीआईएम के जिला सचिव विकास कुमार ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति साम्राज्यवाद के सरगना है, तेल हथियाने के मकसद से वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया और दुनिया मे अपनी दादागिरी स्थापित करने में लगा है। उसी दादागिरी के खिलाफ आज तमाम वाम दल के नेता रणधीर वर्मा चौक पर जमा होकर अमेरिकी राष्ट्रपति का पुतला फूंक उनके खिलाफ अपना विरोध प्रकट कर रहें हैं और ये मांग करते हैं कि अविलंब वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अमेरिका रिहा कर, अन्यथा पूरे देश में अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

डांस पे चांस प्रतियोगिता में जलवा दिखाएंगे कलाकार

रामगढ़। रामगढ़ जिले के रजरप्पा क्षेत्र अंतर्गत जामसिंह गांव में सरस्वती पूजा के अवसर पर डांस पे चांस प्रतियोगिता आयोजित होगी। 23 जनवरी को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में जिले भर के कलाकार अपना जलवा दिखाएंगे। इस कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के युवाओं एवं कला प्रेमियों में खासा उत्साह है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में छिपे हुए नृत्य प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम पूरी तरह से सांस्कृतिक वातावरण में आयोजित किया जाएगा, जिसमें दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलेगा। सभी प्रतिभागियों के लिए खुला है मंच :राजू ग्रुप के सदस्य राजू कुमार महतो ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह नृत्य प्रतियोगिता रामगढ़ जिला के सभी प्रतिभागियों के लिए खुला है।

भाजपा द्वारा खंडोली में वनभोज का आयोजन

गिरिडीह। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो विनीता के द्वारा खंडोली में वनभोज कार्यक्रम सह बाबूलाल मरांडी का जन्मदिन बहुत ही धुमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गिरिडीह के पूर्व विधायक आदरणीय निर्भय शाहाबादी उपस्थित रहे। इस वनभोज कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन में भक्ति संगीत गीत से उपस्थित सभी लोग खुब झूमे। इसके बाद सभी ने केक काटकर प्रथम मुख्यमंत्री आदरणीय श्री बाबूलाल मरांडी जी का जन्मदिन मनाया। निर्भय शाहाबादी जी ने कहा कि वनभोज के आयोजन से संगठन को मजबूती मिलेगी और कार्यकर्ता और अधिक मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़े रहेंगे। प्रो विनीता ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर सभी को एक सूत्र में बांधने का प्रयास करती हूं। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, प्रदेश मंत्री एससी मोर्चा भाजपा कामेश्वर पासवान, प्राचार्य डॉ अनुज कुमार, डॉ श्रवण कुमार, डॉ मनीषकांत, सावित्री देवी,डॉ शैलेन्द्र चौधरी,संत कुमार लल्लू, संदीप डेंगेच,प्रमोद सिंह, लखनलाल मोदी, संगीता सेठ,गुड़िया देवी,नीतू शोला कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर अध्यक्ष हरमिंदर सिंह बग्गा,नगर मंत्री समीर दीप, अमित आर्या, पवन कंधवे, सुरेश गुप्ता, नितिन के साथ लगभग 500 लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

अवैध कोयला खदानों में डोजरिंग, माफियाओं में हड़कंप

नवप्रदेश/दुमका। जिले के गोपीकांदर अंचल क्षेत्र के ओडमो गांव में अवैध तरीके से संचालित कोयला खदानों में एक बार फिर से डोजरिंग रविवार को किया गया। डोजरिंग के दौरान सीओ विजय प्रकाश मरांडी, थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत, खनन निरीक्षक गोरख दुबे, मनजीत सिंह सहित काठीकुंड रेंज के रेंजर एलआर रवि शामिल थे। डोजरिंग से पूर्व वन उप परिसर पदाधिकारी सुब्रेन हांसदा ने माइक में आवाज देकर लोगों को सतर्क किया। उन्होंने बताया कि यदि कोयला खान के अंदर कोई व्यक्ति हो बाहर निकल जाए, डोजरिंग करने के बाद यदि कोई ऐसे स्थिति आती है तो फिर उसकी जिम्मेदारी वह व्यक्ति खुद होगा। डोजरिंग में लगे तीन जेसीबी मशीनों ने दो खदानों को पूरी तरह मिट्टी भरकर बंद कर दिया। कोयला खदान तक जाने वाली रास्ते को भी जेसीबी मशीन से गड्ढे खोदकर बंद कर दिया गया है। अवैध रूप से संचालित कोयला खदानों में डोजरिंग को लेकर बड़ी संख्या में महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ओडमो में अवैध कोयला खदानों में यह चौथी बार डोजरिंग किया गया। इससे पूर्व डीएमओ दिलीप कुमार तांती और कृष्ण कुमार किस्कू के कार्यकाल में तीन दफा डोजरिंग हो चुकी है। इस दौरान एसआई धर्मल मांझी, वन विभाग के साकेत कश्यप, अरुण कुमार, दुगार्पुर के वन उप परिसर पदाधिकारी सुब्रेन हांसदा, खनन विभाग शंकर मंडल सहित पुलिस बल मौजूद थे। काठीकुंड दामिन क्षेत्र के रेंजर एलआर रवि ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ओडमो में अवैध कोयला निकाली जाती है। जांच में सही पाया गया जिसके बाद रविवार को दोनों खदानों पर डोजरिंग किया गया है। किसी प्रकार का समान बरामद नहीं किया गया है।

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में विधायक ने किया उपवास

नवप्रदेश/रामगढ़। मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में रामगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने उपवास रखा। रविवार को गांधी चौक पर एक दिवसीय उपवास एवं प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन में विधायक ममता देवी भी शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला समन्वयक संजय साव ने किया।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर मनरेगा का नाम बदलकर गरीबों, वंचितों और पिछड़े वर्गों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि मनरेगा केवल योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार, सम्मान और आजीविका की गारंटी है। प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार से मांग की गई कि मनरेगा के मूल स्वरूप से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न की जाए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि गरीबों, मजदूरों और किसानों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी। पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो और कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी ने थाना चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने की घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि कांग्रेस महापुरुषों के सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगी। विधायक ममता देवी ने कहा कि बहुत जल्द जिला प्रशासन या विधायक मद से महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा गांधी चौक में स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, प्रदेश सचिव सीपी संतन, वरिष्ठ कांग्रेसी अरुण कुमार सिन्हा, खोगेंद्र साव, राजेंद्र चौधरी, दिनेश मुंडा, प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, सागर महतो सहित अन्य उपस्थित थे।

गुमो में श्रीराम. सीता सहित देवी. देवताओं की प्राणप्रतिष्ठा को लेकर यज्ञ समिति गठित 2 से 15 अप्रैल तक होगा पांच दिवसीय महायज्ञ

नव प्रदेश संवाददाता/झुमरी तिलैया। गुमो में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, बजरंगबली एवं मां संतोषी की प्राणप्रतिष्ठा को लेकर मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सुरेंद्र सिंह ने की, जिसमें सर्वसम्मति से यज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति में संजय पाण्डेय को अध्यक्ष चुना गया, जबकि उपाध्यक्ष पद पर अनिल सिंह, अरविंद सिंह, तपेश्वर शर्मा, सन्नी सिंह एवं गुड्डू सिंह को जिम्मेदारी दी गई। सचिव उमेश सिंह, सहसचिव आशीष पाण्डेय, रौशन सिंह, राजीव सिंह, सचिन सिंह व बंटी सिंह बनाए गए। नीरज सिंह को कोषाध्यक्ष तथा चंदन शर्मा, टिंकू सिंह, गौतम सिंह व अजित सिंह को सहकोषाध्यक्ष चुना गया। संरक्षक के रूप में प्रदीप सिंह, तपेश्वर शर्मा, दिनेश सिंह, रणजीत सिंह व महादेव शर्मा को मनोनीत किया गया। बैठक के बाद अध्यक्ष संजय पाण्डेय ने बताया कि यह पांच दिवसीय यज्ञ 2 अप्रैल को नगर भ्रमण, 11 अप्रैल को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होकर 15 अप्रैल को समापन होगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। बैठक में जयंत शर्मा, गौतम सिंह, प्रताप सिंह, शशि पाण्डेय, सुनील सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

पेशा नियमावली को लेकर आदिवासी संगठनों का उग्र विरोध समाहरणालय गेट पर सरकार व विधायकों का पुतला दहन

नवप्रदेश/लातेहार। झारखण्ड उच्च न्यायालय ने 29 जुलाई 2024 को अपने ऐतिहासिक फैसले में झारखण्ड के अनुसूचित क्षेत्रों में लागू झारखण्ड पंचायत राज अधिनियम 2001 को संसदीय अधिनियम के विपरीत और असंगत ठहराया था। न्यायालय ने राज्य सरकार को दो माह के भीतर PPESA 1996 के अनुरूप नियमावली बनाकर लागू करने का स्पष्ट परमादेश दिया था।

लेकिन निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद राज्य सरकार द्वारा नियमावली नहीं बनाए जाने पर आदिवासी बुद्धिजीवी मंच ने 9 दिसंबर 2024 को झारखण्ड सरकार के पाँच वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971 के तहत मामला दायर किया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों पर न्यायालय अवमानना स्थापित होने की स्थिति बनी।

दबाव के बाद झारखण्ड सरकार ने 23 दिसंबर 2025 को PESA को पारित किया तथा 2 जनवरी 2026 को PESA Rules की अधिसूचना जारी की। हालांकि आदिवासी संगठनों का आरोप है कि सरकार ने JPRA 2001 की धारा 3 के तहत PESA नियमों का विस्तार कर दिया, जो कि मूल संसदीय अधिनियम PPESA 1996 के प्रतिकूल है। संगठनों का कहना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में सामान्य पंचायत एवं नगरपालिका व्यवस्था पर संवैधानिक रोक है, इसके बावजूद सरकार जबरन व्यवस्था थोपकर आदिवासियों और मूलवासियों के संसाधनों की लूट का रास्ता खोलना चाहती है। आदिवासी पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था से जुड़े लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार की ढएरअ नियमावली में ग्राम सभा को कमजोर कर उपायुक्त-केंद्रित व्यवस्था बना दी गई है, जो PESA की मूल भावना के खिलाफ है। इसी कारण इन नियमों को सिरे से खारिज किया जाता है और संसदीय अधिनियम PPESA 1996 के अनुरूप स्वतंत्र नियमावली बनाने की मांग की जाती है।

इन्हीं मांगों को लेकर सोमवार को लातेहार समाहरणालय गेट के सामने झारखण्ड सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पंचायत राज विभाग की मंत्री दीपिका सिंह पाण्डेय, वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह तथा लातेहार विधायक प्रकाश राम के प्रतीकात्मक पुतले का दहन किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार ने ढढएरअ 1996 के अनुरूप नियमावली लागू नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पुस्तकालय सूचना व शिक्षा का बैकबोन है, जो आने वाली पीढ़ियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है: आलोक सोरेन

नवप्रदेश/दुमका परिसदन में पुस्तकालय समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्य शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन एवं डुमरी विधायक जयराम महतो उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एक-एक कर जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में पुस्तकालय समिति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन ने बताया कि पुस्तकालय सूचना एवं शिक्षा का बैकबोन है, जो आने वाली पीढ़ियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। जिले में संचालित सरकारी पुस्तकालयों की जानकारी दी गई। बताया गया कि जिले में स्टेट लाइब्रेरी संचालित है, जिसमें कुल 4,986 सदस्य पंजीकृत हैं। पुस्तकालय में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है। मासिक शुल्क पुस्तक रहित सदस्यता के लिए 150 तथा पुस्तक सहित सदस्यता के लिए 250 निर्धारित है। पुस्तकालय में 188 लोगों के बैठने की क्षमता है तथा कुल 21,388 पुस्तकें विभिन्न

विषयों पर उपलब्ध हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु भी पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं।

शिकारीपाड़ा विधायक आलोक सोरेन ने सुझाव दिया कि पुस्तकालय में स्थानीय इतिहास (लोकल हिस्ट्री) से संबंधित पुस्तकों को भी शामिल किया जाए। बैठक में बताया गया कि जिले की विभिन्न पंचायतों में कुल 168 ज्ञान केंद्र संचालित हैं। इसके साथ ही बाल सुधार गृहों में भी बेहतर पुस्तकालय व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, ताकि बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली पुस्तकें उपलब्ध कराई जा सकें। प्रत्येक विद्यालय में पुस्तकालय के लिए एक कक्ष अनिवार्य रूप से निर्धारित करने तथा पुस्तकालयों में फीडबैक व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया, जिससे पाठक अपनी राय दे सकें।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि कम उम्र के युवक सड़क दुर्घटनाओं के अधिक शिकार हो रहे हैं।डुमरी विधायक जयराम महतो ने कहा कि हेलमेट नहीं होने की स्थिति में चालकों को हेलमेट खरीदने का अवसर दिया जाए तथा उसके बाद ही उन्हें जाने दिया जाए। सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने, पेट्रोलिंग बढ़ाने तथा स्कूल एवं पुस्तकालय के आसपास किसी भी प्रकार की नशीली पदार्थ की दुकान नहीं रहने देने का निर्देश दिया गया। गाइडलाइंस के अनुरूप ही दुकानों का संचालन सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

कल्याण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में विभिन्न कॉलेजों से संबद्ध कुल 35 छात्रावास संचालित हैं। पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि ठंड के मौसम के बाद पेयजल संकट उत्पन्न न हो, इसके लिए पूर्व से तैयारी सुनिश्चित की जाए।

एक नजर

हंसडीहा थाना क्षेत्र में मालवाहक ट्रेन के झटके से 65 वर्षीय महिला की मौत

नवप्रदेश/दुमका – हंसडीहा रेलखंड के बीच हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रदीप गांव के समीप इलेक्ट्रिक पोल संख्या 87/3 के समीप मालवाहक ट्रेन के झटके से एक वृद्ध महिला की मौत हो गयी, यह घटना चंद्रदीप रेलवे फाटक से 200 मीटर दूर पोल संख्या 87/3 और 87/4 के बीच हुई जहां एक वृद्ध महिला मालवाहक ट्रेन के झटके से रेलवे लाइन किनारे पत्थर पर गिर गईं जिससे महिला की मौत घटनास्थल पर ही हो गईं मृतक की पहचान पवनी देवी (65) चंद्रदीप ग्राम निवासी के रूप में हुई है, घटना की जानकारी मिलते ही हंसडीहा थाना की पुलिस ने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे मे लिया जानकारी के अनुसार पावनी देवी का पुत्र जीवन यापन के लिए मजदूरी करने बाहर गया हुआ है परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम न करने को लेकर हंडडीहा थाना पुलिस से काफी मिन्नत की परिजनों की मांग पर कागजी प्रक्रिया के बाद हंसडीहा थाना पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया

जरुरतमंदो के बीच कंबल का वितरण

नवप्रदेश/दुमका। रविवार को ग्रामहित संस्था के अंतर्गत तोकीपुर बीईएड महाविद्यालय के सचिव महोदय नोरेन कुमार मोदी एवं महाविद्यालय प्रबंधक महेश मंडल के द्वारा त्रिपुरारी नाथ मंदिर, नेतर पहाड़ी, दुमका के प्रांगण में निःशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंबल एवं नाश्ता पैकेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन ग्रामहित संस्था के संस्थापक नोरेन कुमार मोदी जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्रामीण संस्था के सचिव एवं महाविद्यालय प्रबंधक के द्वारा त्रिपुरारी नाथ मंदिर में पूजा अर्चना एवं माथा टेकने के उपरांत किया गया। अत्यधिक ठंड के कारण निःशक्त, दिव्यांग, वृद्ध एवं असहाय जनों के बीच त्रिपुरारी नाथ मंदिर प्रांगण में संस्था के सचिव महोदय, एवं महाविद्यालय के प्रबंधक महेश मंडल जी के हाथों कंबल एवं नाश्ता के पैकेट का निःशुल्क वितरण सामाजिक सेवा एवं भावना के दृष्टिकोण से किया गया। कंबल वितरण का मुख्य उद्देश्य असहाय, वृद्ध, दिव्यांग एवं निःशक्त जनों को बढ़ती ठंड एवं शीतलहरी से राहत देना था। कंबल एवं नाश्ता पैकेट वितरण कार्यक्रम में समाज सेवी मौसमी मोदी, सुरेन कुमार मोदी, सोमा मोदी एवं संस्था के सभी सदस्य गण मौजूद रहे।

जीप सदस्य बिमान सिंह ने अपने कार्यकर्ता के साथ मनाया पिकनिक

नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के दुमका प्रखंड के मुड़जोडा में किया वनभोज कार्यक्रम। अपको बतातें चले मथुराक्षी नदी किनारे रविवार के दिन भाजपा के कार्यकताओं ने नए साल के आगमन में कार्यकर्ता के स्वागत के रखा वनभोज कार्यक्रम। आज इस कार्यक्रम में रानीश्वर प्रखंड के तमाम भाजपा कार्यकर्ता और बिमान सिंह के अनुगामी उपस्थित हुए। श्री सिंह का कहना है में एक जमीनी नेता हू। छात्रा संग से संघर्ष करने के बाद जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया है। और मेरा प्रयास निरंतर लगा रहता जनता के साथ, जनता के पास। इसी को लेकर आज सभी कार्यकर्ता और मेरे प्यारे क्षेत्र वासियों के साथ वनभोज कार्यक्रम रखा गया।

पर्यटन का मुख्य केंद्र खंडोली

नवप्रदेश/गिरिडीह/खंडोली शुरू से ही पर्यटन का एक मुख्य केंद्र रहा है और इस खंडोली की शोभा को और भी बढ़ा देता है यहां का नेचर व्यू फैमिली रेस्टोरेंट, जहां पर पर्यटकों के लिए खास व्यवस्था की गई है पर्यटक यहां दूर-दूर से आकर इस मनमोहक दृश्य के साथ एक अच्छे प्रतिष्ठा एवं लजीज भोजन का आनंद उठा रहे हैं, नेचर व्यू रिजॉर्ट की भव्यता आपको रोमांचित कर देगी , पर्यटकों ने बताया कि यहां उन्हें सभी प्रकार की व्यवस्था बहुत अच्छी लगी साथ ही खाने में सभी प्रकार के व्यंजन जैसे इंडियन, साउथ इंडियन, चाइनीस, वेज और नॉनवेज की भी अच्छी व्यवस्था है वह यहां आकर काफी मौज मस्ती किए और खंडोली का लुफ्त उठाएं हैं। रोटरी गिफ्ट ऑफ लाइफ के तहत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के नि:शुल्क ईलाज हेतु दो दिवसीय राज्यस्तरीय मेगा स्क्रीनिंग कैंप में कुल 127 बच्चों का स्क्रीनिंग किया गया, जिनमें से 54 बच्चों का चयन ऑपरेशन हेतु किया गया, जिनका ऑपरेशन अमृता हॉस्पिटल कोच्चि, केरल में किया जाएगा। इस कैंप में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का प्रारंभिक जाँच शहर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ श्यामल कुमार, डॉ राकेश कुमार, संजीव एच कुमार, डॉ राम रतन केडिया एवं डॉ विकास केडिया द्वारा किया गया, उसके बाद उन बच्चों की जाँच अमृता हॉस्पिटल कोच्चि से आए शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ कृष्ण कुमार, डॉ ब्रजेश एवं डॉ निशांत द्वारा इको मशीन से बच्चों की जाँच की गई एवं जिनको ऑपरेशन की आवश्यकता थी उनका कोच्चि में नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा, बाकी बच्चों को उचित परामर्श एवं दवाईयां दिया गया। इस कैंप में झारखंड के साहेबगंज, राजमहल,गोड्डा, हजारीबाग,देवघर, धनबाद, दुमका, गुमला, बोकारो, लातेहार, कोडरमा, जामताड़ा एवं गिरिडीह के विभिन्न प्रखंडों से पीड़ित बच्चे जाँच के लिए पहुंचे थे। इस कैंप के सफल आयोजन में रोटरी गिरिडीह के साथ अमृता हॉस्पिटल कोच्चि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड सरकार, आई एम ए गिरिडीह, सर्जन एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन का अहम योगदान रहा।

127 बच्चों का किया गया स्क्रीनिंग

नवप्रदेश/गिरिडीह। रोटरी गिफ्ट ऑफ लाइफ के तहत हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के निःशुल्क ईलाज हेतु दो दिवसीय राज्यस्तरीय मेगा स्क्रीनिंग कैंप में कुल 127 बच्चों का स्क्रीनिंग किया गया, जिनमें से 54 बच्चों का चयन ऑपरेशन हेतु किया गया, जिनका ऑपरेशन अमृता हॉस्पिटल कोच्चि, केरल में किया जाएगा। इस कैंप में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों का प्रारंभिक जाँच शहर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ श्यामल कुमार, डॉ राकेश कुमार, संजीव एच कुमार, डॉ राम रतन केडिया एवं डॉ विकास केडिया द्वारा किया गया, उसके बाद उन बच्चों की जाँच अमृता हॉस्पिटल कोच्चि से आए शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ कृष्ण कुमार, डॉ ब्रजेश एवं डॉ निशांत द्वारा इको मशीन से बच्चों की जाँच की गई एवं जिनको ऑपरेशन की आवश्यकता थी उनका कोच्चि में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा, बाकी बच्चों को उचित परामर्श एवं दवाईयां दिया गया। इस कैंप में झारखंड के साहेबगंज, राजमहल,गोड्डा, हजारीबाग,देवघर, धनबाद,दुमका,गुमला, बोकारो, लातेहार, कोडरमा, जामताड़ा एवं गिरिडीह के विभिन्न प्रखंडों से पीड़ित बच्चे जाँच के लिए पहुंचे थे। इस कैंप के सफल आयोजन में रोटरी गिरिडीह के साथ अमृता हॉस्पिटल कोच्चि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड सरकार, आई एम ए गिरिडीह , सर्जन एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन का अहम योगदान रहा।

संपादकीय

जनता सुधारेगी स्कूली शिक्षा!

भारत में प्राथमिक शिक्षा के साथ प्रयोग-दर-प्रयोग का दौर अभी भी जारी है। ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड से लेकर सर्वशिक्षा अभियान के बीच में कई प्रयोग हुए, कई योजनाएं लागू की गयीं, लेकिन वही ढाक के तीन पात। बाद में भी प्राथमिक शिक्षा में कई बदलाव होते आ रहे हैं। अब वर्तमान केन्द्र सरकार ने सरकारी स्कूलों के संचालन में जनता को जोड़ने का फैसला लिया है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए केंद्र सरकार एक अप्रैल से समग्र शिक्षा 3.0 अभियान शुरू करने जा रही है। शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और 11 राज्यों के मुख्य सचिवों के बीच हुई बैठक में सरकारी स्कूलों को समाज से जोड़ने का बड़ा निर्णय लिया गया। अब स्कूलों के संचालन में केवल अभिभावक ही नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। विशेषज्ञ स्कूल मैनेजमेंट कमेटी का हिस्सा बनेंगे और पढ़ाई, खेल, कौशल विकास, फीस नियंत्रण और ड्रॉप-आउट रोकने जैसे मुद्दों पर महत्वपूर्ण सुझाव देंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि स्कूलों की व्यवस्था और शिक्षकों के वेतन की जिम्मेदारी सरकार की होगी, लेकिन संचालन का दायित्व समाज को उठाना होगा। इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को पुरानी सोच से मुक्त कर अमृत पीढ़ी के लिए सक्षम मानव पूंजी तैयार करना है। बैठक में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के अधिकारी शामिल हुए। इस नई व्यवस्था का मुख्य फोकस 12वीं कक्षा तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, परीक्षा के तनाव को कम करना और स्कूलों को उन्नत प्रौद्योगिकी से जोड़ना है। सरकार अब शिक्षा को केवल एक सामान्य योजना के बजाय गुणवत्ता और परिणामों पर आधारित फ्रेमवर्क के रूप में विकसित कर रही है। इन फैसलों के उद्देश्य पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इस फैसले का कार्यान्वयन कितना सफल हो पायेगा, यह बड़ा सवाल है। इस देश के सरकारी स्कूलों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अधिसंख्य शिक्षकों का शिक्षा से नाता ही नहीं है। सरकारी स्कूलों के बच्चे पढ़ाई में इसी कारण कमजोर होते हैं, क्योंकि स्कूलों में पढ़ाई ही नहीं होती है। पांचवीं-सातवीं के विद्यार्थी किताब पढ़ने तक नहीं जानते। सरकारी स्कूलों में निरीक्षण का दौर समाप्त हो चुका है। विभाग के पास निरीक्षक समेत कई पदाधिकारी हैं, लेकिन वे सभी कार्यालयों की शोभा बढ़ाते हैं। ये पदाधिकारी स्कूलों में जाकर पढ़ाई के स्तर की जांच नहीं करते। दूसरी शिक्षकों को समयबद्ध प्रोन्नति मिल जाती है। यदि योग्यता और परीक्षा के आधार पर प्रोन्नति देने की व्यवस्था होती, तो शायद सरकारी स्कूलों के शिक्षक भी पढ़ाई का महत्व समझते। फिर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के रिजल्ट पर कभी न सवाल उठता है और न ही उसकी समीक्षा की जाती है। अब केन्द्र सरकार के फैसले के अनुरूप यदि स्कूल संचालन का जिम्मा समाज को सौंप दिया जाता है, तो इसकी ज्यादा संभावना है कि शिक्षक व ग्रामीणों के बीच तनाव का माहौल उत्पन्न हो जायेगा। फिर सरकारी स्कूलों में गरीबों के बच्चे ही शिक्षा पाते हैं। आर्थिक रूप से सक्षम अभिभावक उन निजी विद्यालयों में अपने बच्चों को भेज रहे हैं, जो इन्हीं सरकारी स्कूलों की विफलता के प्रमाण हैं। इसलिए सरकार को पहले स्कूलों के सरकारी सिस्टम को पटरी पर लाना चाहिए, उसके बाद ही उसका जिम्मा समाज को सौंपना चाहिए।

मुद्दा

जब प्रयास नहीं, प्रवाह जीवन बदलता है

सुंदर चंद ठाकुर

मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यही है कि वह हर काम को बहुत मेहनत, बहुत तनाव और बहुत दबाव के साथ करने को ही सफलता मान लेता है। हम मान लेते हैं कि जितना अधिक हम खुद को धकेलेंगे, उतना ही जीवन में आगे बढ़ेंगे। पर सच्चाई यह है कि अत्यधिक दबाव मन की शक्ति को कम करता है, ध्यान को बिखेरता है और रचनात्मकता को मार देता है। जिस व्यक्ति का मन भारी हो जाता है, वह स्थिति पर पकड़ तो चाहता है, पर पकड़ ढीली ही पड़ती जाती है। कभी आपने शेर को शिकार करते देखा है? वह दौड़ते हुए नहीं थकता, वह धीरज से चलता है। वह तनाव में नहीं रहता, वह सजग रहता है। उसकी चाल में एक शांत आक्रामकता होती है, एक ऐसी शांति जो ऊर्जा को क्षीण नहीं होने देती। यह शांत शक्ति ही उसकी जीत का रहस्य है। मनुष्य भी तभी अपने चरम क्षमता पर काम करता है, जब वह शांत बने रहते हुए तीव्र मानसिक ऊर्जा में होता है। इसी को हम प्रवाह की अवस्था यानी फ्लो स्टेट कहते हैं। जब मन पर दबाव होता है, तो विचार एक दूसरे से टकराने लगते हैं। निर्णय अस्पष्ट हो जाते हैं। शरीर थक जाता है, और कार्य बोझ जैसा लगने लगता है। यह अवस्था हमें लक्ष्य से दूर ले जाती है। हम जितना धक्का देते हैं, मन उतना ही थककर बैठ जाता है। यह विडंबना है कि जो व्यक्ति बड़ी उपलब्धियों का स्वप्न देखता है, यदि वह यही सोचता रहे कि ज्यादा दबाव से ही बड़े काम होते हैं, तो वह अपनी राह स्वयं कठिन बना लेता है। सच्ची सफलता का आधार दबाव नहीं, बल्कि स्पष्टता है। और स्पष्टता तभी आती है जब मन शांत हो। जब मन के भीतर अनावश्यक हलचल कम हो जाती है, तब सोच गहरी होती है। तब निर्णय सहज आते हैं। तब बड़ी समस्याएं भी एक सुलझी हुई दृष्टि से देखी जाती हैं। कार्य जितना भी कठिन हो, यदि मन शांत है, तो वह बोझ नहीं लगता। लेकिन यदि मन उलझा है, तो साधारण काम भी पर्वत जैसा लगने लगता है। सहजता किसी आलस्य का नाम नहीं है। सहजता वह अवस्था है जहां मन पूरी तरह उपस्थित रहता है, बिना किसी दबाव के। काम वही है, लक्ष्य वही है, रास्ता वही है पर करने का ढंग बदल जाता है। जैसे जल बहता है बिना शोर, बिना संघर्ष, पर अपनी क्षमता से पत्थरों को काटता हुआ आगे बढ़ता है। जब हम प्रयास करते हैं, तो मन भारी होता है। पर जब हम प्रवाह में होते हैं, तो मन हल्का हो जाता है। और हल्का मन ही रचनात्मक होता है। हल्का मन ही जटिल स्थितियों में भी नए रास्ते खोजता है। हल्का मन ही सीखता है, समझता है और जीवन के अनिश्चित समय में भी स्थिर रह सकता है। यह प्रवाह की अवस्था यूं ही नहीं आती, इसके तीन आधार हैं। पहला, शरीर को धीमी और गहरी सांसों से संतुलित करना। दूसरा, मन को केवल उसी क्षण में टिकाना जिसमें हम हैं और तीसरा, परिणाम की चिंता छोड़कर केवल कर्म को सम्मान देना। जब व्यक्ति इन तीनों का अभ्यास करता है, तब उसका काम बोझ नहीं, साधना बन जाता है। और जब काम साधना बन जाए, तब चिंता स्वतः ही समाप्त हो जाती है। समय के साथ आप पाएंगे कि वह काम जिसे कभी आप संघर्ष समझते थे, अब सहज हो गया है। वह तनाव जिसे आप अपरिहार्य मानते थे, अब गायब है। और वह रचनात्मकता जो कभी भीतर दब गई थी, अब उजागर हो रही है।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

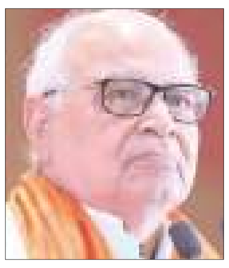

हृदयनारायण दीक्षित

बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है।

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप-प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति सम्बन्धी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के लिखे जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है।

सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा। वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब तब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है। तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी साल 2021 का विधानसभा चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल का पद हथियाने में सफल रही। साल 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं।

इस बार की चुनौती बड़ी

पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को भारी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं।

बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईस्वी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है।

विधानसभा चुनाव में ध्रुवीकरण की राजनीति

ममता बनर्जी बहुत पहले से अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल-पुथल को देश देख रहा है। दरअसल, ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोडकर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकताओं का उत्पीड़न जारी है।

सीबीआई-ईडी व पुलिस आमने-सामने

भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें। लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से हराकर दिखाएं। वे चुनौती की भाषा बोलती हैं। लेकिन असल चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव हैं। इसमें भाजपा की जीत पक्की है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

युग निर्माता स्वामी विवेकानंद

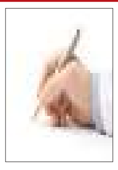

सोमेश्वर बोड़ाल

स्वामी विवेकानंद ने न सिर्फ.हिंदू धर्म को उसकी पूरी पहचान दी बल्कि उसे एक भी किया। पश्चिम में पहले हिंदू मिशनरी के रूप में, स्वामी विवेकानंद ने 1893 में अमेरिका में धर्म संसद में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व किया और अगले कुछ वर्षों तक वहां हिंदू धर्म का प्रचार कर-के, वे स्वयं हिंदू एकता के प्रतीक बन गये।

स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) पर विशेष

वे इस दुनिया में इंसान के रूप में सिर्फ. उनतालीस साल रहे। उन्होंने कोई नया सिद्धांत प्रतिस्थापित नहीं किया और न ही कोई तथाकथित सुधार आंदोलन शुरू किया। उन्होंने जो किया वह बदलते समय के हिसाब से शाश्वत सनातन हिंदू धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप था। जैसे श्री चैतन्य महाप्रभु ने हिंदू समाज को इस्लामी हमले से बचाया, वैसे ही स्वामी विवेकानंद ने भी ब्रिटिश राज में यूरोपियन हमले का मुकाबला किया और तथाकथित पढ़े-लिखे, मॉडर्न हिंदुओं का हिंदू धर्म और संस्कृति में विश्वास वापस दिलाया। हिंदू धर्म में स्वामी विवेकानंद का एक बड़ा योगदान मुश्किल हालात में दुनिया के सामने धर्म की सच्ची और पूरी पहचान पेश करना था- उन्होंने हिंदू संस्कृति की पहचान को पूरा होने का एहसास दिलाया। स्वामी विवेकानंद के अभ्युदय से पहले, हिंदू समाज अलग-अलग समुदायों में बंटा हुआ लगता था, हर कोई कमोबेश आजाद था और हर कोई दूसरों से बेहतर होने का दावा करता था। इन समुदायों को हिंदू धर्म की आम बुनियाद की कोई साफ समझ नहीं थी। सिस्टर निवेदिता ने लिखाः- धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के भाषण के बारे में, यह कहा जा सकता है कि जब उन्होंने अपना भाषण शुरू किया, तो उनका विषय 'हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं' था, लेकिन जब उन्होंने भाषण खत्म किया तो हिंदू धर्म ने एक नया रूप ले लिया था।

स्वामी विवेकानंद ने सबसे पहले दिखाया कि पूरे हिंदू धर्म में कुछ बुनियादी बातें हैं जो सभी समुदायों को एक आम नींव के तौर पर मंजूर हैं। स्वामी विवेकानंद ने न सिर्फ. हिंदू धर्म को उसकी पूरी पहचान दी बल्कि उसे एक भी किया। पश्चिम में पहले हिंदू मिशनरी के रूप में, स्वामी विवेकानंद ने 1893 में अमेरिका में धर्म संसद में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व किया और अगले कुछ वर्षों तक वहां हिंदू धर्म का प्रचार करके, वे स्वयं हिंदू एकता के प्रतीक बन गए। अपने भाषणों और पत्रों के माध्यम से, उन्होंने हिंदुओं की चेतना को जागृत किया, उन्हें उनकी साझी विरासत की याद दिलाई और उनके बीच एकता के बंधन को मजबूत किया। हिंदू धर्म संस्थाओं, रीति-रिवाजों, प्रथाओं, विश्वास प्रणालियों, दर्शन, धर्मों, देवताओं, शास्त्रों और बहुत कुछ का एक विशाल संग्रह है, जो एक साथ मिलकर इसकी उल्लेखनीय विविधता का निर्माण करते हैं। श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म को उसकी सारी विविधताओं के साथ अपनाया। उन्होंने संपूर्ण वेदों, ज्ञान कांड और कर्मकांड दोनों को स्वीकार किया। सभी ऋषि-मुनि; मूर्ति पूजा से लेकर इंसान के रूप में भगवान की पूजा तक- उन्होंने सबकुछ स्वीकार किया, किसी भी चीज को वर्जित नहीं रखा। हिंदू धर्म के सभी अलग-अलग पहलुओं को अपनाकर और उनमें नई जान डालकर, श्री रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद ने उन्हें संरक्षित करने में मदद की। स्वामीजी हिंदू धर्म को यूनिवर्सल बनाना चाहते थे, जो सभी लोगों और सभी जातियों के लिए हो। स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म को न सिर्फ. यूनिवर्सल बनाया बल्कि उसे गतिशील भी बनाया। वह चाहते थे कि भारत की आध्यात्मिकता का पुराना संदेश दुनिया के सभी कोनों में फैले और भारतीय आध्यात्मिकता सभी लोगों तक पहुँचे। 19वीं सदी में, पश्चिम के लोगों की भारत और हिंदुओं के बारे में नकारात्मक राय थी। हिंदू धर्म को अंधविश्वास का धर्म माना जाता था। स्वामी विवेकानंद की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक इस गलत धारणा को बदलना था। स्वामीजी के अनुसार, धर्म का एक जरूरी अंदरूनी हिस्सा होता है और एक कम जरूरी बाहरी आवरण होता है। बाहरी आवरण में पौराणिक कथाएँ, रीति-रिवाज, त्योहार वगैरह होते हैं। जरूरी मूल में आध्यात्मिकता शामिल है। स्वामीजी ने दिखाया कि आध्यात्मिकता के मामले में हिंदू धर्म बाकी सभी धर्मों से बेहतर है। स्वामी विवेकानंद का एक और योगदान पुराने भारतीय ऋषियों के विचारों के सार के तौर पर उपनिषदों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। स्वामी विवेकानंद के प्रभाव से हिंदू धर्म में योग की अहमियत को आज पूरी दुनिया में पहचान मिली है। स्वामीजी ने योग को वेदांत के प्रैक्टिकल पहलू के तौर पर पेश किया। उन्होंने हिंदू मठों के लिए रिवाइवल, रीऑर्गेनाइजेशन और खास लक्ष्य तय करने में गाइड किया। स्वामी विवेकानंद ने मठों के जीवन को एक नई दिशा देकर और आध्यात्मिक जीवन के हमेशा रहने वाले सिद्धांतों को बड़े मॉडर्न समाज के हिसाब से बदलकर उसे फिर से ज़िंदा करने का रास्ता दिखाया। हिंदू मठों के इतिहास में, श्री शंकराचार्य पहले व्यक्ति थे जिन्होंने हिंदू मठों के जीवन को बनाने के लिए एक खास फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने दस ऑर्डर या दशनामी शुरू किए, जिसमें भिक्षुओं के काम तय किए गए और उन्हें ऑर्गनाइज किया गया। श्री शंकर के समय से ही, भिक्षु पूरे भारत में अद्वैत वेदांत के टीचर और प्रचारक के तौर पर निकले। स्वामीजी ने मठों की ताकत का इस्तेमाल समाज की भलाई के लिए करने की योजना बनाई। रामकृष्ण मिशन इसी का नतीजा है। सिर्फ. रामकृष्ण मिशन ही नहीं बल्कि देश में अभी काम कर रहे ज्यादातर आध्यात्मिक और राष्ट्रवादी संगठन स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेते हैं।

सोमनाथ : भारत के अमिट स्वाभिमान का गौरवशाली प्रतीक

विनय राठौर हिन्दुस्तानी

सनातन धर्म में वर्णित 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में सोमनाथ दुनिया भर में फैले करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्वयं चंद्रदेव ने सोमनाथ मंदिर की स्थापना की थी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा ऋग्वेद, महाभारत, श्रीमद्भवत और स्कन्द पुराण में भी वर्णित है।

सौराष्ट्रदेशे विशदेऽतिरम्ये ज्योतिर्मयं चन्द्रकलावतंसम्।
भक्तिप्रदानाय कृपावतीर्णं तं सोमनाथं शरणं प्रपद्ये।।

(अर्थः जो भगवान शंकर अपनी भक्ति प्रदान करने के लिए परम रमणीय व स्वच्छ सौराष्ट्र प्रदेश गुजरात में कृपा कर-के अवतीर्ण हुए हैं, मैं उन्हीं ज्योतिर्मयलिंगस्वरूप, चन्द्रकला को आभूषण बनाये हुए भगवान् श्री सोमनाथ की शरण में जाता हूं।)

सोमनाथ, यह केवल एक तीर्थस्थल नहीं है, यह भारत की गौरवशाली धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय प्रतीक है। यह वह भूमि है, जहां भारत का स्वाभिमान मंदिर के शिखर पर लहराती पताका में प्रतिबिंबित होता है। यह वह स्थान है, जहां कण-कण में भारतीयों की आस्था और जीवटता की महक महसूस होती है। यह वह देवालय है, जो विध्वंस और पुनर्निर्माण की श्रृंखलाबद्ध घटनाओं की गवाही देता है। यह वह शहर है, जो बताता है कि कैसे शांत, अहिंसक और धमार्नुरागी जनता की समृद्धि और वैभव मतांध लुटेरों की बर्बर मानसिकता का शिकार बनीं। साथ ही, सोमनाथ यह भी बताता है कि सृजन और निर्माण की प्रकृति के आगे विध्वंस सचमुच बहुत बौना है।

सोमनाथ के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल और स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रसिद्ध साहित्यकार कन्हैयालाल मुंशी ने उल्लेखनीय योगदान दिया। सरदार पटेल ने गुलामी से मुक्ति के बाद स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान और जन आस्था को मजबूत करने के लिए सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का भगीरथ कार्य किया। बाद में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यविकास भी, विरासत भीह्न मंत्र के साथ सोमनाथ तीर्थस्थल को पूरी भव्यता के साथ विकसित करने का बीड़ा उठाया। भारत के पश्चिमी छोर पर स्थित गुजरात के तटीय शहर सोमनाथ का वैभवशाली अतीत इतिहास में सुनहरे अक्षरों में अंकित है।

सनातन धर्म में वर्णित 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में सोमनाथ दुनिया भर में फैले करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्वयं चंद्रदेव ने सोमनाथ मंदिर की स्थापना की थी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा ऋग्वेद, महाभारत, श्रीमद्भावत और स्कन्द पुराण में भी वर्णित है। वह साल था 1026, जब एक विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी ने पहली बार सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया। आज साल 2026 में उस घटना को एक हजार वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। सोमनाथ मंदिर का हजार वर्षों का इतिहास विध्वंस, लूट और रक्तपात की अनेक घटनाओं के साथ-साथ स्वाभिमान और गौरव से भरे सृजन और पुनर्निर्माण की गौरवशाली गाथा कहता है।

यह समझना जरूरी है कि सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी के आक्रमण का मकसद केवल बेशुमार धन-दौलत को लूटना नहीं था। गजनवी का उद्देश्य भारत के एक महान धार्मिक और सभ्यागत प्रतीक को नष्ट करना था। यही वजह है कि उसने मंदिर को ध्वस्त करने और पवित्र ज्योतिर्लिंग को खंडित करने के साथ-साथ पूरे नगर को तबाह कर दिया था। यह प्रयास था लोगों को भयभीत करने का, यह इरादा था लोगों की आस्था को डांवाडोल करने का, यह कट्टरता से भरा ऐसा कृत्य था, जो दूसरों की आस्था को नीचा दिखाकर स्वयं के श्रेष्ठ होने का दंभ भरता था। मंदिर को लूटना तो बस बहाना भर था, असल मकसद था काफिरों (हिन्दुओं) और उनके प्रतीकों को नष्ट करना। काफिरों की हत्या करने और सोमनाथ मंदिर एवं मूर्तियों को ध्वस्त करने के लिए गजनवी को गाजी और मूर्तिभंजक जैसी उपाधियां दी गईं। लेकिन, गजनवी शायद भारत को जानता ही नहीं था। वह भारतीयों की आस्था, स्वाभिमान, जीवटता, मिजाज और गर्वित प्रकृति से अनजान था। उसने मंदिर को तोड़ कर सनातन को अपमानित करने की कोशिश की, तो हम भारतीयों ने उसी स्थान पर फिर से नया मंदिर खड़ा कर दिया। यह हमें जीवन का एक मूल्यवान सबक सिखाता है कि कैसे गिरकर दोबारा खड़ा हुआ जाए, कैसे सबकुछ गंवाने के बाद बजाय हिम्मत हारने के फिर से सृजन किया जाए। यह सिलसिला केवल गजनवी तक ही सीमित नहीं रहा। उसके बाद और भी कई आक्रांता आए। उन सभी ने सोमनाथ तीर्थ का विध्वंस कर भारतीयता को चोट पहुंचाने की कोशिश की। भारत की आत्मा पर घाव देने का प्रयास किया। भारत के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का अधम कृत्य किया। इन सभी के मंसूबे हमारे गौरवशाली प्रतीकों को नष्ट करना था, ताकि हम भारतीय स्वयं को लाचार और अपमानित महसूस कर सकें। लेकिन, यह भारत भूमि है। यहां समय-समय पर ऐसी विभूतियों ने जन्म लिया है, जिन्होंने भारत माता के गौरव को शिखर पर प्रस्थापित करने का कार्य किया है।

गुजरात के लिए यह गर्व की बात है कि उसके दो-दो सपूतों ने मातृभूमि के गौरव और सनातन के पुनर्जागरण के भगीरथ कार्य में सर्वोच्च योगदान दिया है। लौह पुरुष सरदार पटेल ने जहां सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का ऐतिहासिक कार्य कर अपने मजबूत मनोबल और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर के निर्माण और सोमनाथ के आधुनिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया। भारत के आत्म गौरव और स्वाभिमान के प्रतीकों को नष्ट करने की कट्टवादी सोच के जवाब में सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने इस मंदिर को और भी भव्यता प्रदान करने के साथ इसके दायरे को पूजा-अर्चना से बढ़ाकर सामाजिक दायित्व, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास से जोड़ दिया।

सोमनाथ का मंदिर हो या अयोध्या का श्री राम मंदिर, दोनों यह संदेश देते हैं कि सत्य को दबाया नहीं जा सकता, विश्वास का विध्वंस नहीं हो सकता, आस्था कभी मर नहीं सकती और सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान खंडित तो हो सकता है, लेकिन खत्म कभी नहीं हो सकता। यह भारत का अपना विचार है। यह हम भारतीयों की सोच है।

वास्तव में सोमनाथ जैसे प्रतीकों को केवल मंदिर कहना पर्याप्त नहीं होगा। ये भारत की आध्यात्मिक शक्ति के शक्तिशाली केंद्र हैं। ये हमारी आत्मा से जुड़े हुए वे प्रतीक हैं, जिनसे हमारी पहचान है। हम अपने जीवन को बेहतर बनाने, अपने ज्ञान को समृद्ध करने, जीवन की ऊर्जा प्राप्त करने, नैतिकता की शिक्षा ग्रहण करने, धन-धान्य से लेकर उत्तम मानव जीवन का आशीष पाने के लिए इन्हीं प्रतीकों की शरण में जाते हैं, और प्रार्थना करते हैं। भारत के इसी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान को पुनर्स्थापित करने के लिए सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की पहल की।

सरदार पटेल के नेतृत्व में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर 1951 में अपनी पूरी भव्यता के साथ आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। आज यह मंदिर भारत के अडिग स्वाभिमान के साथ ही सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प का प्रतीक बनकर करोड़ों लोगों को प्रेरणा दे रहा है। मंदिर के उद्घाटन समारोह में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मौजूद रहे। आज सोमनाथ मंदिर शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतरीन यात्री सुविधाओं के साथ अपनी अलौकिक छटा बिखेर रहा है। बीते वर्षों में हुए विकास कार्यों ने मंदिर परिसर का कायापलट कर दिया है। इस बदलाव का श्रेय जाता है प्रधानमंत्री मोदी को, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।

गुरुजी के योगदान को झारखंड कभी भुला नहीं सकता - राजेन्द्र सिन्हा

मेदिनीनगर पलामू/ झामुमो जिला समिति पलामू के द्वारा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंहा की अध्यक्षता में माननीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती धूम धाम से मनाया गया। जिसमें बाबा की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए पुष्प अर्पित कर सच्ची श्रद्धांजलि दी गई और दिशोम गुरु अमर रहे, शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगाए गए।इस उपलक्ष्य में पार्टी के नेताओं के द्वारा गरीबों के बीच कम्बल और मिठाई वितरित किया गया जिससे लोगों ने खुश होकर भरपूर आशीर्वाद दिया। इस मौके पर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंहा मीडिया बंधु को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसा लग ही

नहीं रहा कि बाबा आज भी हमारे बीच उपस्थित नहीं है क्योंकि हम सब उनके जन्मदिन को हमेशा से बहुत उत्साह के साथ मनाने का काम किया है और आज उन्हीं के लिए बहुत उदासीनता के साथ नम भरी आंखों से जयंती मनाया गया जो की सहनीय नहीं है ।यह मेरे लिए महज एक महान नेता का जन्मदिन नहीं है, बल्कि उस पिता की याद है जिन्होंने मुझे जीवन जीने की कला सिखाई, संघर्ष करना सिखाया और सबसे महत्वपूर्ण, बिना झुके अपनी गरिमा, मूल्यों और सच्चाई पर अडिग रहना सिखाया।उनकी योगदान को झारखंड कभी भुला नहीं सकता ,उन्होंने जो जंगल, जमीन तथा शोषित-वंचित समाज के अधिकार, अस्मिता और न्याय के लिए उनका आजीवन संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। गुरुजी का साहस, दृढ़ संकल्प और त्याग झामुमो के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्त्रोत है। और उन्हीं के बताए मार्ग पर हमलोग चलने का काम करेंगे । इस कार्यक्रम में जिला एवं प्रखंड के नेता, कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से केंद्रीय समिति सदस्य संजीव कुमार तिवारी, सन्नू सिद्दीकी, सुशीला मिश्रा,हाजी शमीम, सलोनी टोप्पो,चंदन सिंहा जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंहा, रमेश सिंह संगठन सचिव देवानंद भारद्वाज, अनुराग सिंह, अखिलेश सिंह, वरिष्ठ नेता अविनाश देव, प्रदीप सिंह, बबलू शाहनवाज, सनी शुक्ला,सुनील तिवारी, महिला मोर्चा से मंजू कुमारी, कांति चंद्रवंशी, क्लेमेंसी केरकेट्टा, युवा मोर्चा अध्यक्ष सूरज कुमार, कौशल किशोर, रिशु अग्रवाल,सुनील कुमार, शाकिब सिद्दीकी,व्यवसाय मोर्चा दीपू चौरसिया, आरफीन अली, अशोक गुप्ता, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल, कौशल सिंह,आर्यन कुमार, सहित सैकड़ों झामुमो के नेता , कार्यकता उपस्थित हुए।

कपूर्री मैदान से अतिक्रमण पर नगर पंचायत हुसैनाबाद सख्त, दो दिनों में हटाने का अल्टीमेटम

नवप्रदेश/ हुसैनाबाद पलामू: हुसैनाबाद नगर पंचायत प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कपूर्री मैदान में अवैध रूप से रखी गई अतिक्रमित सामग्रियों पर सख्त रुख अपनाया है। नगर पंचायत की निगरानी में मैदान में रखे गए गिट्टी एवं बालू को चिन्हित करते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किया गया है कि जिन व्यक्तियों अथवा संवेदकों का गिट्टी व बालू कपूर्री मैदान परिसर में रखा हुआ है, वे नगर पंचायत कार्यालय को सूचित करते हुए दो दिनों के भीतर उसे हटा लें।

नगर पंचायत द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर अतिक्रमित सामग्री नहीं हटाए जाने की स्थिति में उक्त गिट्टी एवं बालू को नगर पंचायत की संपत्ति में सम्मिलित कर लिया जाएगा। यह कार्रवाई सार्वजनिक मैदान की सुरक्षा, सौंदर्यीकरण एवं आम नागरिकों के उपयोग को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।नगर पंचायत प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में कपूर्री मैदान अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण पाए जाने पर और भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने संबंधित लोगों से अपील की है कि वे स्वेच्छा से नियमों का पालन करें और नगर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने में सहयोग करें।यह कार्रवाई हुसैनाबाद नगर पंचायत की ओर से सार्वजनिक हित में की गई है, ताकि कपूर्री मैदान को अतिक्रमण मुक्त रखकर आम जनता के लिए सुरक्षित और सुगम बनाया जा सके।

संत मरियम स्कूल में पीरियॉडिक टेस्ट-2 का परिणाम घोषित

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू/ संत मरियम स्कूल में पीरियॉडिक टेस्ट-2 का परिणाम परिणाम की घोषणा की गई।

विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अंक प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनकी मेहनत और लगन की सराहना की।

चेयरमैन श्री देव ने आगामी वार्षिक परीक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और शिक्षकों के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से भी विशेष आग्रह किया कि वे वार्षिक परीक्षा को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए समय निकालें, उन्हें सकारात्मक वातावरण प्रदान करें और एकाग्र मन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के संयुक्त प्रयास से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि छात्र, शिक्षक एवं अभिभावकों के सहयोग से आने वाली वार्षिक परीक्षा में भी संत मरियम स्कूल के विद्यार्थी उत्कृष्ट सफलता अर्जित करेंगे।

नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में अवैध अफीम पोस्ता की खेती का विनष्टीकरण

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू। पुलिस को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कहुवाखाड़ के जंगली क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम पोस्ता की खेती के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल द्वारा उक्त जंगली क्षेत्र में लगभग 05 एकड़ भूमि में लगी अवैध अफीम पोस्ता की फसल को विधिवत रूप से विनष्ट किया गया। यह कार्रवाई नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम के अंतर्गत की गई।

पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

पलामू पुलिस आमजन से अपील करती है कि मादक पदार्थों से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

सड़क हादसे में टोल प्लाजा कर्मी की मौत, क्षेत्र में शोक

नवप्रदेश/ हरिहरगंज पलामू। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कौवाखोह स्थित हरिहरनाथ टोल प्लाजा के कर्मी एवं ढाब कला गांव निवासी योगेंद्र पासवान के 30 वर्षीय पुत्र आशीष पासवान का शनिवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में निधन हो गया. इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी है. सेमवार पंचायत के मुखिया जितेंद्र पासवान ने बताया कि आशीष पासवान हरिहरनाथ टोल प्लाजा पर अलाव व्यवस्था के लिए लकड़ी लाने अपने घर ढाब कला जा रहे थे. इसी दौरान खड़गपुर मोड़ एनएच 139 पर उनकी बाइक असंतुलित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गयी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए. दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल उन्हें हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती

कराया. चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी. मृतक का पोस्टमार्टम अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में कराया गया. आशीष पासवान अपने पीछे पत्नी और तीन छोटी बच्चियों को छोड़ गए हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव में शोक का माहौल बना हुआ है. आशीष पासवान के असामयिक निधन पर क्षेत्रीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, राजद नेता रवि कुमार यादव एवं अशोक कुमार यादव ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. उनका अंतिम संस्कार गांव के समीप बटाने नदी तट घाट पर किया गया. दाह संस्कार में विजय मेहता, कमलेश यादव, घूरा पासवान, रंजन पासवान, प्रभु पासवान, रविंद्र पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

शिबू सोरेन व्यक्ति नहीं विचार थे: मो. शरीफ

शिबू सोरेन की जयंती के अवसर पर एएनजी कंपनी द्वारा 200 मजदूरों के बीच बांटा गाया कंबल, चूड़ा व तिलकुट

नवप्रदेश/गढ़वा/झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक व राज्य पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की 83वां जयंती चिनियां रोड स्थित एएनजी कार्यालय में धूम-धाम से मनाई गई। एएनजी कंपनी के प्रदीप चैधरी, झामुमो के जिला सचिव मो. शरीफ, फुजैल अहमद ने शिबू सोरेन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई। इस मौके पर एएनजी कंपनी द्वारा 200 मजदूरों के बीच कंबल, चूड़ा व तिलकुट का वितरण किया गया। इस मौके पर जिला सचिव मो. शरीफ ने कहा कि शिबू सोरेन व्यक्ति नहीं विचार थे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य बनाने में शिबू सोरेन की अहम भूमिका थी। उन्होंने कहा कि उनके निधन होने से पूरे राज्य को क्षति हुआ है। शिबू सोरेन के निधन के बाद पहला जयंती मनाया जा रहा है। कंपनी के प्रदीप चैधरी ने कहा कि ठंड को देखते हुए एएनजी कंपनी द्वारा मजदूरों के बीच कंबल, तिलकुट व चूड़ा का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 200 मजदूरों के बीच समाग्री का वितरण किया गया है। इस मौके पर अंकित पटेल, शिल्पा दूबे, विरेंद्र कुमार, रामप्रवेश सहित कई लोग उपस्थित थे।

फ्लाईओवर से व्यवसाईयों का एक ईट का भी नुकसान ना हो.. आनंद शंकर

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू

पलामू चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज रेड़मा इकाई की बैठक आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में की गई। बैठक के मुख्य अतिथि पलामू चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर थे साथी पलामू चेंबर के एग्जीक्यूटिव सदस्य अनुग्रह नारायण शर्मा, महासचिव इंद्रजीत सिंह डिंपल, संगठन मंत्री अरविंद गुप्ता, राजदेव उपाध्यया ,प्रदीप कुमार बाबुल, विनायक सिंह जी, रंजन अग्रवाल जी, भूपेंद्र होरा एवं काफी संख्या में पलामू चेंबर के सदस्य उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए श्री आनंद शंकर ने कहा आज मैं गौरवान्वित हूं जहां अब तक हम लोग जिला मुख्यालय

से निकलकर प्रखंड तक स्थापित थे अब हम आप सबों को अपना सदस्य बना कर शहर से जुड़े एक विकसित हो रहे बाजार रेड़मा से जुड़ गए हैं। रेड़मा का विकास दर शहर से ज्यादा बेहतर है सारे ऑटोमोबाइल और मॉल रेड़मा की और खुल रहे हैं। शंकर ने कहा मुझे जानकारी हुई है रेड़मा में फ्लावर बनना है जो अच्छी बात है लेकिन चेंबर परिवार माननीय मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मिलकर अनुरोध करेगा जिस तरह रांची, रातू रोड में एलिवेटेड फ्लावर बना है जिसका पिलर रोड के बीचो-बीच काफी दूरी में दिया गया है और ऊंचाई लगभग 40 फिट है ऐसा ही शहर के अंदर एलिवेटेड फ्लावोभर बने जिससे किसी भी व्यवसाई भाइयों का दुकान या मॉल का एक ईट का भी नुकसान ना हो । चेंबर अध्यक्ष ने कहा हमारे मंत्री शहर के हैं और काफी गंभीरता से शहर को समझते हैं मुझे विश्वास है उनके रहते किसी व्यवसाईयों का एक ईंट का भी नुकसान नहीं होने दिया जाएगा और अगर ऐसा हुआ तो चेंबर सबसे पहले आंदोलन करेगा। सभा में रेड़मा इकाई की महामंत्री रिंकी जी ने सब को बुक्के से सम्मानित किया और 25 महिला सदस्य को जोड़ते हुए और भी 25 महिला उद्यमियों को जोड़ने के बात कही कहीं साथी धन्यवाद ज्ञापन किया।

जिला परिषद पलामू अंतर्गत हुसैनाबाद में बकाया किरायादरों का 15 दुकानें सील

नवप्रदेश/हुसैनाबाद पलामू : जिला परिषद पलामू के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत लंबे समय से किराया बकाया रखने वाले दुकानदारों के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद गोरांग महतो के आदेश पर अंचल अधिकारी पंकज कुमार की अगुवाई में बकायादार दुकानों को सील किया गया। यह कार्रवाई जिला परिषद पलामू बोर्ड की बैठक दिनांक 12 जुलाई 2025 में लिए

गए निर्णय के आलोक में की गई। जानकारी के अनुसार जिला परिषद अंतर्गत किराया पर आवंटित दुकानों के दुकानदारों को बकाया किराया जमा करने के लिए नोटिस हस्तगत एवं चस्पा किया गया था, लेकिन नोटिस के बावजूद संबंधित दुकानदारों द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की गई। इसके बाद उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्य. पदाधिकारी, जिला परिषद पलामू के ज्ञापन संख्या 13, दिनांक 03 जनवरी 2026 के तहत दुकानों को पुनः सील करने का आदेश जारी किया गया। उक्त आदेश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद द्वारा ज्ञापांक 66/सा., दिनांक 08 जनवरी 2026 को अंचल अधिकारी हुसैनाबाद को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया। सीलिंग की कार्रवाई में जिला परिषद के कनीय अभियंता चंद्रदेव कुमार को सहयोग हेतु प्रतिनियुक्त किया गया। प्रशासनिक आदेश के अनुसार दिनांक 10 जनवरी 2026 को अपराह्न 3:00 बजे से हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र में जिला परिषद अंतर्गत बकायादार दुकानों को सील किया गया। सील की गई दुकानों में दुकान संख्या इ17, इ36, उ04, ऊ21, ए02, ए03, ए04, ए05, ए06, ए07, ए09, ए11, ए12, ए13 एवं ऋ06 शामिल हैं। वहीं दुकान संख्या ऊ1 में शटर नहीं होने के कारण उसे सील नहीं किया जा सका।कार्रवाई के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हुसैनाबाद थाना के उमेश बैठा पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

एक नजर

सड़क हादसे में एक कि मौत दो लोग घायल

नवप्रदेश/सतबरवा, पलामू: पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत खामडीह मे ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार एक की मौके पर ही मौत दो गंभीर रूप से घायल बताते चलें सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खामडीह में एक ही पल्सर बाइक खल्ह 19-6507 पर तीन युवक सवार थे वहीं विपरीत दिशा से आ रही ट्रक की चपेट में आने से युवक हादसे का शिकार हुए । सूचना मिलते ही सतबरवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और और तत्परता दिखाते हुए घायलों को एम एम सी एच मेदिनीनगर भेज दिया गया ।घटना स्थल पर मौजूद प्रत्यक्ष दर्शियों द्वारा बताया जा रहा बाइक चालक युवक ने एक गाड़ी की ओवरटेक कर रहे था इसी दौरान सामने से आ रही ट्रक की चपेट में आ गए युवक की पहचान बोहिता पंचायत कुलिया निवासी बताई जा रही है जो की शादी कार्ड बांटने जा रहे थे।

कुम्भी कला पंचायत के मुखिया, सब्या सिंह ने सैकड़ों जरुरत मंद लोगों के बीच, किया कंबल वितरण

नवप्रदेश/नावा बाजार पलामू/ कुम्भी कला पंचायत के मुखिया सब्या सिंह ने पंचायत क्षेत्र के दुर्गा माइंस ऑफिस परिसर में, सरकार के द्वारा, पंचायत में उपलब्ध कराई गई सौ कंबल को अपने पंचायत क्षेत्र के, गरीब, असहाय, विधवा, विकलांग,बुजुर्ग जैसे जरूरत मंदों लोगों के बीच वितरण किया, उक्त मौके मुखिया सब्या सिंह ने कहा कि ठंड को मध्य नजर देखते हुए अपने निजी खर्च से जरुरत मंद लोगों को चिन्हित करते हुए कंबल वितरण किया जाएगा, मौके पर कई गणन्यमान लोग मौजूद थे।

पंचायत सचिवालय सहायक संघ हुसैनाबाद कमिटी का हुआ पुनर्गठन

सर्वसम्मति से दिलीप रवि अध्यक्ष व जेपी यादव बने प्रखंड सचिव

नवप्रदेश/हुसैनाबाद पलामू: प्रखंड के पंचायत सचिवालय सहायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक जपला कपूरी मैदान में हुई। बैठक में हुसैनाबाद प्रखंड के सभी 22 पंचायत से पंचायत सचिवालय सहायक उपस्थित थे।बैठक में सर्वसम्मति से दिलीप कुमार रवि को प्रखंड अध्यक्ष,जेपी यादव उर्फ जितेंद्र यादव को सचिव एवं जितेंद्र पासवान को कोषाध्यक्ष,प्रियंका कुमारी को उपाध्यक्ष, विक्रम रंजन को संगठन मंत्री, मीडिया प्रभारी मसूद आलम व कृष्णा यादव तथा उपाध्यक्ष अरमेंद्र कुमार सिंह को बनाया गया।बैठक में पंचायत सचिवालय सहायक पलामू के अध्यक्ष रामनिवास तिवारी की अध्यक्षता में कमिटी का पुनर्गठन किया गया। बैठक में पंचायत सचिवालय सहायक हित में कई निर्णय लिए गए।बैठक पश्चात पुनर्गठित कमिटी के सदस्यों को फूल माला डालकर सम्मानित किया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष राहुल सिंह,बिक्रम रंजन, एस के शर्मा, प्रियंका कुमारी,सुधीर यादव, हमेंद्र कुमार सिंह, रंजीत वर्मा, पिंकी पटेल ,अनीता देवी, रंजना कुमारी, ममता कुमारी, सुधा कुमारी ,पप्पू कुमार ,कुसुम कुमारी, विकास रंजन सहित कई पंचायत सचिवालय सहायक मौजूद रहे।

अंबा में फ्रेंड्स क्रिकेट लीग टूनार्मेंट का हुआ उद्घाटन

नवप्रदेश/हरिहरगंज पलामू/ हरिहरगंज प्रखंड के अंबा स्थित बाबा वीर चौहरमल क्रिकेट ग्राउंड में रविवार को फ्रेंड्स क्रिकेट लीग टूनामेंट का भव्य उद्घाटन किया गया. टूनामेंट का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि शिक्षक अशोक कुमार यादव ने फीता काटकर किया. इस अवसर पर श्री यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेल आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिलता है. खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास करता है, बल्कि अनुशासन, आपसी भाईचारे एवं खेल भावना को भी मजबूत करता है. टूनामेंट का पहला मुकाबला सिमरवार और अररुआ कला की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें सिमरवार की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. टूनामेंट के अध्यक्ष विजय कुमार, संचालक पंकज पासवान उर्फ नेता जी एवं मैच रेफरी राजन प्रताप ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं. सभी मुकाबले 16-16 ओवर के खेले जा रहे हैं. उद्घाटन समारोह में सत्येंद्र यादव उर्फ बीडीओ, गुड्डू यादव, निर्भय खुराना, मुकुटम विश्वकर्मा, पवन यादव, मंटू पासवान, बिट्टू खुराना सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे.

खेल से एक दूसरे गाँव में मेलजोल और भाईचारा का संदेश बढता हैं अनिल गुप्ता

मेदिनीनगर पलामू/ लेस्लीगंथ प्रखंढ अंतर्गत राजपुर गाँव में साहु क्रिकेट टूनामेंट का उद्घाटन अनिल गुप्ता ने किया साहु क्रिकेट टूनामेंट का उद्घाटन अखिल भारतीय कानू विकास संघ के उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने किया व संचालन संजय कानू ने किया अनिल गुप्ता ने साहु स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित क्रिकेट टूनामेंट का उद्घाटन सामूहिक रूप से फीता काटकर किया और सभी खिलाड़ी से परिचय लेते हुए कहा कि खेल टीम भावना व प्यार मुहब्बत से खेलने की जरूरत है इससे अन्य गांवों में मेलजोल बढता हैं भाईचारा का संदेश बढता हैं मौके अखिल भारतीय कानू विकास संघ के प्रदेश संरक्षक विपिन बिहारी प्रसाद राज्य कार्यकारिणी सदस्य वशिष्ठ प्रसाद, राजेश कुमार, राज्य प्रतिनिधि सह मीडिया प्रभारी मुरारी सर, संतोष साव, विजय साव, उपाध्यक्ष सह भाजपा पांकी मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साव, सचिव भोला नाथ साहु, चंद्र शेखर प्रसाद, मंगलम मैरिज हॉल व मुकेश टेंट हाऊस के मालिक मुकेश गुप्ता, विरेन्दर कुमार मुन्ना कुमार सोनु कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे

विवेकानंद जयंती पर श्री हरि कथा सत्संग प्रतियोगिता का आयोजन

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता विवेकानंद जयंती के अवसर पर बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत चेताग ग्राम स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय परिसर में श्री एकल अभियान के तहत श्री हरि कथा सत्संग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालूमाथ क्षेत्र की कुल 11 श्री हरि सत्संग मंडलियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में भैंसादोन, बिशुनपुर, झाबर, गैरेजा, ओल्हेंपाट, मारंगलोईया, मोरपा, धाधू, हेमपुर, पकरी, हेबना व पालही सहित विभिन्न गांवों की सत्संग मंडलियों ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। भावपूर्ण प्रस्तुति से सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मंडलियों को पुरस्कार स्वरूप रामायण एवं हनुमान चालीसा की पुस्तिकाएं देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बिशुनपुर सत्संग मंडली, द्वितीय स्थान मोरपा सत्संग मंडली तथा तृतीय स्थान भैंसादोन सत्संग मंडली को प्राप्त हुआ। अन्य प्रतिभागी मंडलियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में हनुमान चालीसा की पुस्तिकाएं प्रदान की गईं। पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि सह बालूमाथ सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य अवनीकांत पाठक, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि शैलेश सिंह एवं समाजसेवी शशि भूषण प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर अवनीकांत पाठक ने कहा कि आज समाज में अनेकता में एकता बनाए रखने की आवश्यकता है। समाज को तोड़ने वाली शक्तियों का हमें एकजुट होकर जवाब देना होगा। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित रखने का आह्वान किया। वहीं शैलेश सिंह ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। शशि भूषण प्रसाद ने समाज में व्याप्त विषमता, जातिगत भेदभाव एवं कटुता को दूर कर एकजुट रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एकल अभियान प्रमुख अवध किशोर यादव, महेंद्र सिंह, रविंद्र यादव, जयप्रकाश भगत, बहादुर भगत, सिकिनदेव उरांव, बुद्धमनी देवी, संध्या देवी, वेदव्यास, शांति देवी, लाल जितेंद्र नाथ शाहदेव, दशरथ पासवान, आशीष ओझा, गोपाल चंद्र यादव, बृजेश यादव, रंजीत सिंह, तालकेश्वर यादव, बालेश्वर यादव, कुंदन यादव, कृष्ण यादव, जगन्नाथ यादव, बंधन साहू सहित कई लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सीसीएल प्रबंधन से मांगों को लेकर आरा गांव में ग्रामीणों की बैठक, कई अहम निर्णय

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत आरा गांव स्थित दुर्गा मंडप परिसर में रविवार को स्थानीय ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में गांव से जुड़ी समस्याओं एवं सीसीएल द्वारा संचालित मगध कोलियरी से संबंधित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक की अध्यक्षता गणेशपुर पंचायत के मुखिया परमेश्वर उरांव ने की,जबकि संचालन सुबोध कुमार ने किया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सीसीएल प्रबंधन द्वारा विस्थापित ग्रामीणों के लिए विस्थापन नीति के तहत शीघ्र सभी मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए।ग्रामीणों ने मांग की कि कोयले का संपूर्ण स्टॉक आरा गांव में ही बनाया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। साथ ही आरा गांव के बेरोजगार युवाओं को अविलंब रोजगार उपलब्ध कराने तथा मगध कोलियरी का पिट ऑफिस आरा गांव में ही स्थापित करने की भी मांग उठाई गई।बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि यदि सीसीएल प्रबंधन द्वारा नियमसंगत तरीके से उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो वे विधिसंगत आंदोलन करने को बाध्य होंगे।ऐसी स्थिति में सीसीएल के कार्य में होने वाले किसी भी व्यवधान की पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।बैठक में शंभू प्रसाद, सुरेंद्र कुमार, विनोद उरांव, जयनाथ उरांव, मंगल सिंह, ठूपा उरांव, महेंद्र उरांव, राजू साव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

बालूमाथ में झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया-संयोजिका संघ की बैठक आयोजित

बालूमाथ संवाददाता/ बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर में रविवार को झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया-संयोजिका अध्यक्ष संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष सह गुमला जिला अध्यक्ष देवकी देवी ने की, जबकि संचालन सहीराम बीबी ने किया।बैठक में प्रखंड स्तर से लेकर स्कूल स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विद्यालय से एक-एक रसोइया-संयोजिका अध्यक्ष को संगठन का सदस्य बनाया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार बजट सत्र से पहले उनकी मांगों पर विचार नहीं करती है, तो बजट सत्र के दौरान पूरे झारखंड में मध्याह्न भोजन योजना को बंद किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। संघ की प्रमुख मांगों में सभी रसोइया-संयोजिकाओं को न्यूनतम वेतन लागू करना, 60 वर्ष की आयु सीमा समाप्त करना अथवा नियमावली बनने तक सेवा जारी रखने की अनुमति देना शामिल है। साथ ही मांग की गई कि यदि 60 वर्ष की आयु के आधार पर हटाया जाता है तो उनके परिवार के किसी सदस्य को उसी स्थान पर बहाल किया जाए। इसके अलावा वर्ष 2004 से बकाया न्यूनतम वेतन जोड़कर भुगतान, संयोजिका अध्यक्षों को मानदेय से जोड़ना, स्थायीकरण, ईपीएफ सुविधा, साल में दो सेट साड़ी, एप्रन व कैप उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई।बैठक में कोमल देवी, सीमा देवी, लक्ष्मी देवी, आशा देवी, फूलमणि देवी, सुनीता देवी, जीरा देवी, फूल कुमारी देवी, संती देवी, बबीता देवी, रंजनी देवी, कबूतरी देवी, मतोईया मो, तिली देवी, मजीना बीबी, शाहिदा बीबी सहित कई रसोइया-संयोजिकाएं उपस्थित रहीं।

बन्हार्दी कॉल बलौक विस्थापित समिति रैयतों की आम सभा में जमीन सुधार की मांग पहली प्राथमिकता – ग्राम प्रधान

बनहरदी कॉल बलौक अंतर्गत विस्थापित रैयतों की बैठक ग्राम प्रधान रोबिन उरांव की अध्यक्षता में पंचायत भवन बारी में आयोजित की गई रैयतों ने बारी बारी से अपनी विचारों को रखा जिसमे पहली प्राथमिकता जमीन सुधार की माग रखी गई रैयतों के द्वारा बताया गया की जमीन सुधार से सम्बन्धित सारे कागजात को अंचल कार्यालय में एक माह पूर्व जमा किया गया था पर अभी तक उस मामले में कोई ठोस न कदम उठाई गई और न ही उस पर कोई पहल अभी तक किया गया है जिससे रैयतों में भारी आक्रोश है रैयतो की पहली मांग है की जबतक जमीन सुधार पूर्ण रूप से नही हो जाता तब तक क्षेत्र में किसी भी कार्य में किसी प्रकार का सहयोग ग्रामीणों द्वारा नही किया जाएगा यह निर्णय उपस्थित रैयतों के द्वारा लिया गया है मुख्य रूप से बेलाल अहमद नौशाद अंसारी रमेश उरांव हाजी हाशिम अहमद अंसारी अशोक भुइयाँ बिनेश्वर उरांव सुकु उरांव महेश राम तेटर मोची जीते उरांव नेजाम मियां धनलाल उरांव संतोष राम हाजी समीद अजय भुइयां लालसाहय उरांव कार्तिक महतों सुरेश उरांव जगदीश राम रामेश्वर उरांव सरिता देवी सबिता देवी सीता देवी दयामनी देवी सुनीता देवी सुमि देवी पूनम देवी चिंतामनी देवी मनीषा कुमारी गेंदो देवी भिखो सीता सिलो देवी जीरामती देवी आंती देवी सीमा देवी मेंजो देवी इत्यादि दर्जनों रैयत उपस्तिथ थे!

चंदवा में झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन का स्थापना दिवस पलायन-शोषण के खिलाफ सशक्त संघर्ष का ऐलान

बब्लू खान/ चंदवा (लातेहार)। झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चंदवा स्थित श्री रामजतन भवन में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर संगठन के वरिष्ठ साथी बाबूलाल गंझू द्वारा लाल झंडा फहराकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गई। समारोह की अध्यक्षता धनेश्वर तुरी ने की, जबकि संचालन अनिल साहू ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत टुमारो पंचायत के काली गांव निवासी मजदूर साथी सुट्टा लोहार की त्रिपुरा में संदिग्ध मौत पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त करने के साथ की गई। उपस्थित मजदूरों ने दिवंगत साथी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह को संबोधित करते हुए झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन के अध्यक्ष प्रमोद साहू ने कहा कि संगठन की स्थापना 11 जनवरी 2025 को चंदवा के जय हिंद पुस्तकालय सभागार में हुई थी। स्थापना के बाद से ही यूनियन मजदूरों को संगठित कर उनकी आवाज बनने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि चंदवा ही नहीं, पूरे लातेहार जिले के मजदूर रोजगार के अभाव में हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं, जहां उन्हें मजदूरी से वंचित किया जाता है, शोषणझउत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है और कई बार अपनी जान तक गंवानी पड़ती है।

प्रमोद साहू ने प्रशासन और सरकार से पलायन रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मनरेगा को मजबूत करने के बजाय उसका नाम बदलना केंद्र सरकार की गलत प्राथमिकता को दर्शाता है, जिसका मजदूर यूनियन कड़ा विरोध करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में दलाली, बिचौलियागिरी, अफसरशाही और जमीन दलाल सक्रिय हैं, जो मजदूरों और आदिवासियों की जमीन पर गिद्ध दृष्टि लगाए हुए हैं और औने-पौने दामों पर जमीन की खरीद-फरोख्त की जा रही है। उन्होंने ऐलान किया कि नए वर्ष में झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन मजदूरों को संगठित कर उनके हक और अधिकार के लिए एक सशक्त आंदोलन की शुरूआत करेगी।

सभा को मोहम्मद अलाउद्दीन पप्पू, माखन प्रसाद चौरसिया, सोमनाथ लोहार, संतोष गंझू, रोहन नायक, इंद्रदेव सिंह, विनोद गंझू, अंजय कुमार, संजय गोप, चैतू, पहलाद यादव, रविंद्र भोक्ता, राजेंद्र तुरी, बाल गोविंद गंझू, सुरेश बस्पति, अनिल उरांव, रामकिशोर भगत, मुकेश उरांव, पवन गंझू, कटका गंझू, नंदलाल सिंह भोक्ता, सकिनर लोहार सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

अंत में सैकड़ों कार्यकताओं को मजदूरों के हितों की रक्षा और संघर्ष के लिए सामूहिक शपथ दिलाई गई, जिसके साथ ही सभा का समापन किया गया।

गुरुजी की 82वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती बुधवार, 11 जनवरी 2026 को जिला मुख्यालय लातेहार स्थित झामुमो जिला कार्यालय में पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। यह आयोजन जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव के निदेर्शानुसार संपन्न हुआ, जिसमें झामुमो के केंद्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री वैद्यनाथ राम मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के तैल चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें के गगनभेदी नारों के साथ हुई। उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने गुरुजी के संघर्ष, त्याग और झारखंड आंदोलन में उनके अतुलनीय योगदान को नमन किया। इसके पश्चात झामुमो नेताओं का काफिला लातेहार स्थित गुरुकुल आश्रम पहुंचा, जहां अनाथ बच्चियों के बीच शॉल, फल एवं मिठाइयों का वितरण किया गया। इस दौरान बच्चों के साथ गुरुजी के विचारों, आदर्शों और संघर्षपूर्ण जीवन पर परिचर्चा भी की गई। बच्चों ने तालियों के साथ गुरुजी के योगदान को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

वैद्यनाथ राम (केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री)ः
गुरुजी के विचार झारखंड के पहाड़, डोंगर और कण-कण में समाए हुए हैं। भले ही वे शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं और हमेशा हमें मार्गदर्शन देते रहेंगे।

अरुण कुमार दुबे (जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष)ः
गुरुजी की जयंती पर उनका हमारे बीच न होना हम सबको भावुक करता है, लेकिन साथ ही यह हमें प्रेरणा देता है कि उनके आदर्शों पर चलते हुए एक सशक्त और न्यायपूर्ण झारखंड के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

बुद्धेश्वर उरांव (जिला सचिव)ः
आज हर झामुमो कार्यकर्ता भावुक है। गुरुजी के संघर्ष और विचार हमें बेहतर समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं।

सौरभ श्रीवास्तव (झामुमो नेता)ः
गुरुजी को बच्चों से विशेष स्नेह था। इसी सोच के तहत उनका जन्मदिन बच्चों के साथ मनाया गया, ताकि वे गुरुजी से प्रेरणा लेकर अपने भविष्य और झारखंड को उज्ज्वल बना सकें।

इस अवसर पर जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे, जिला सचिव बुद्धेश्वर उरांव, जिला कोषाध्यक्ष मनोज यादव, जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, केंद्रीय सदस्य सुदामा प्रसाद, कामेश्वर भोक्ता, आरती देवी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अहद खान, जिला उपाध्यक्ष शीतमोहन मुंडा, ईश्वरीय उरांव, नगर अध्यक्ष रिंकू कश्यप, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष आर्सेन तिर्की, वासुदेव यादव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, मोहम्मद नसीम, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना उरांव, दीपक कुमार सहित बड़ी संख्या में झारखंड मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चंदवा में दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन की प्रथम जन्म जयंती श्रद्धा संग मनाई गई, संघर्ष और संकल्प को किया गया नमन

बब्लू खान/चंदवा (लातेहार)। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, झारखण्ड राज्य के निमार्ता एवं दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी की 82वीं जन्म जयंती एवं उनके स्वर्गवास के पश्चात प्रथम जन्म जयंती के अवसर पर रविवार, 11 जनवरी 2026 को चंदवा प्रखंड स्थित आई.बी., चंदवा में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके संघर्षमय जीवन, आदिवासी–मूलवासी अधिकारों के लिए किए गए अतुलनीय योगदान तथा झारखण्ड राज्य निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को भावपूर्ण शब्दों में स्मरण किया। कार्यक्रम में चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, केंद्रीय समिति सदस्य जुनैद अनवर एवं मोहन गंझु, जिला उपाध्यक्ष शितमोहन मुंडा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अंकित कुमार तिवारी, अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष नौशाद आलम, छात्रसंघ जिला अध्यक्ष राजेंद्र भगत, प्रखंड सचिव रॉबिन उरांव सहित सुरेश उरांव, देव सहाय उरांव, रामधन गंझू, रतनु गंझू, कामेश उरांव, ब्रह्मदेव प्रजापति, डब्लू प्रजापति, बबलू राही, राशिद खान, सुधीर गंझू, रंथु गंझू, अमीन खान, जैयुल खान, सौरभ श्रीवास्तव, इजहार खान, सुरेंद्र उरांव, धनु खान, बबलू राय, मासूम खान, सरफराज आलम, मनीष कुमार उर्फ चांदो, रोहित अग्रवाल, रिंकू कुमार, अंकित कुमार, कृपाचार्य सिंह उर्फ दारा, अरविंद कुमार, आलोक कुमार एवं पवन कुमार समेत झामुमो के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने दिशोम गुरु के विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करने, उनके बताए मार्ग पर चलने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

बरवाडीह में आरसीएम का सम्मेलन सह वनभोज

शिव-काली मंदिर प्रांगण में आरसीएम सम्मेलन,स्वरोजगार और नेटवर्क मार्केटिंग के अवसरों पर हुआ मंथन

नव प्रदेश संवाददाता सुरेंद्र कुमार, **बरवाडीहः** बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय स्थित पहाड़ी शिव-काली मंदिर प्रांगण में राइट कॉन्सेप्ट मार्केटिंग (आरसीएम) का सम्मेलन सह वनभोज कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसीएम के सेंटर होल्डर रविंद्र पासवान ने की,सम्मेलन में आरसीएम से जुड़े बड़ी संख्या में डिस्ट्रीब्यूटर, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे,जिससे आयोजन पूरी तरह सफल और प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एमराल्ड अभिमन्यु मेहता, स्टार प्लेटिनम एसके मेहरा, प्लेटिनम सुमन कुमार,ओपनर अखिलेश तिवारी, दीपक राज, ओमप्रकाश प्रजापति,जनता पाल, आमिर खान, कुंदन कुमार तथा गोल्ड एचीवर आयुषी मेहता सहित आरसीएम के कई वरिष्ठ और सफल एचीवरों ने शिरकत की,सभी अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभिमन्यु मेहता ने कहा कि आरसीएम को एक पारदर्शी और भरोसेमंद नेटवर्क मार्केटिंग बिजनेस मॉडल बताया,उन्होंने कहा कि आरसीएम का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं तक पहुंचाना, साथ ही आम लोगों को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर प्रदान करना है,वक्ताओं ने आरसीएम के माध्यम से बिना बड़े निवेश के बिजनेस शुरू करने, टीम निर्माण, सेल्फ-डेवलपमेंट और नियमित आय के अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। रविंद्र पासवान ने कहा कि आरसीएम आज देशभर में लाखों लोगों को रोजगार से जोड़ चुका है और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन रहा है। वहीं एसके मेहरा और अन्य वक्ताओं ने नए लोगों से ईमानदारी, अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ बिजनेस करने की अपील की। सम्मेलन के उपरांत वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से सहभागिता की,वनभोज के दौरान आपसी संवाद, अनुभव साझा करने और नेटवर्क को मजबूत करने का अवसर मिला। अंत में आयोजकों ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक नजर

लातेहार कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष बनाए गए राम नरेश यादव

नव प्रदेश संवाददाताः सुरेंद्र कुमार, बरवाडीहः लातेहार जिला में कांग्रेस पार्टी को मजबूती देते हुए राम नरेश यादव को जिला कांग्रेस कमिटी का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर राम नरेश यादव ने कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह,जिला कांग्रेस अध्यक्ष कामेश्वर यादव समेत प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है,राम नरेश यादव का कांग्रेस संगठन में लंबा और सक्रिय राजनीतिक अनुभव रहा है। वे रेलवे यूनियन के मेंस कांग्रेस से पिछले 35 वर्षों से जुड़े रहे हैं और इस दौरान संगठन में शाखा सचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं,इसके पूर्व वे लातेहार जिला कांग्रेस कमिटी में जिला महासचिव के पद पर भी कार्य कर चुके हैं।नवीन दायित्व मिलने पर राम नरेश यादव ने कहा कि पार्टी ने जो विश्वास जताया है, उस पर वे खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

मानसिक शक्ति को पहचानें, तनाव या दबाव का हल नशा नहीं - श्री शेष नाथ सिंह...

बब्लू खान/लातेहार। माननीय नालसा एवं झालसा के निदेर्शानुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री शेष नाथ सिंह के मार्गदर्शन में विधिक सेवा प्राधिकार लातेहार द्वारा चलाये जा रहे जीवन को हां कहें- नशे को ना कहें अभियान के तहत समाज में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक सूचना एवं जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और स्थानीय मीडिया का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। अभियान के उद्देश्य को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्टर, वीडियो और इन्फोग्राफिक्स के माध्यम से महत्वपूर्ण संदेशों का प्रसार किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके। इसके साथ ही व्हाट्सएप ग्रुप्स और विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से जागरूकता संबंधी संदेश साझा किए जा रहे हैं। प्रेस-मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री शेष नाथ सिंह ने कहा कि नशा कुछ पलों का भ्रम देता है, लेकिन आपकी मेहनत और लक्ष्य आपको स्थायी सफलता दिलाएंगे। कहा कि मानसिक शक्ति को पहचानें, तनाव या दबाव का हल नशा नहीं है। अपनी समस्याओं को साझा करें और योग या खेल जैसी सकारात्मक गतिविधियों से खुद को जोड़ें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान के साथ जुड़कर स्वस्थ जीवन की शुरूआत करें। श्री सिंह ने युवाओं को संदेष दिया कि एक दूसरेदूसरे के सच्चे दोस्त बनें, अगर आपका कोई दोस्त नशे की राह पर है, तो उसे रोकें और सही राह दिखाएं।

बरवाडीह थाना गेट के सामने संघन वाहन चेकिंग अभियान प्रशासन द्वारा चलाई गई

सुरेंद्र कुमार/बरवाडीहः बरवाडीह थाना क्षेत्र के ब्लॉक गेट के समीप सोमवार को थाना प्रभारी अनुराग कुमार के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया,इस अभियान में मौके पर ए एस आई उपेंद्र सिंह समेत थाना के दर्जनों पुलिसकर्मी मौजूद रहे। वाहन चेकिंग के दौरान सड़क से गुजरने वाले प्रत्येक दोपहिया एवं चारपहिया वाहन को रोका गया,पुलिसकर्मियों द्वारा वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात,हेलमेट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। सभी कागजात सही पाए जाने के बाद ही वाहन चालकों को आगे जाने की अनुमति दी गई। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया गया है, ताकि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके,उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे हमेशा हेलमेट पहनें, वैध दस्तावेज साथ रखें और यातायात नियमों का पालन करें।

बालूमाथ में झामूमो कार्यकताओं ने शिबू सोरेन का 82वां जन्मदिवस मनाया, गरीबों के बीच कंबल वितरण

बालूमाथ संवाददाता/बालूमाथ प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यालय में रविवार को झामूमो कार्यकताओं द्वारा पार्टी के संस्थापक एवं झारखंड आंदोलन के पुरोधा स्वर्गीय शिबू सोरेन का 82वां जन्मदिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर झामूमो जिला कोषाध्यक्ष मनोज यादव, प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझू 20 सूत्री अध्यक्ष नागदेव उरांव एंव राजेंद्र गंझू 20 ने संयुक्त रूप से जरूरतमंद एवं गरीब लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिबू सोरेन के स्वर्गवास के बाद यह पहला अवसर है जब झामूमो परिवार ने उनका जन्मदिवस सामूहिक रूप से मनाया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गठन में शिबू सोरेन की भूमिका अविस्मरणीय रही है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे जीवन भर गरीबों, शोषितों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे और जरूरतमंदों की हर संभव सहायता करते रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक न्याय एवं जनहित के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर राजेश यादव, ईश्वर उरांव, अतीक अंसारी, कुदुस अंसारी, संतोष उरांव, जीतराम गंझू, देवंती देवी, अंजली देवी, ललिता कुमारी, मो. शाहिद, संदीप गुप्ता, इनामुल अंसारी सहित बड़ी संख्या में झामूमो कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मनरेगा पर हमला, गांधी-अंबेडकर के विचारों पर वार भाजपा की जनविरोधी नीति के खिलाफ कांग्रेस का उपवास

बब्लू खान/लातेहार। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा जैसी गरीबों की जीवनरेखा योजना को कमजोर करने और उसका नाम बदलकर वाईबी ग्राम रोजगार योजना किए जाने के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। स्वामी विवेकानंद पार्क, लातेहार में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक दिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। उपवास कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने की। यह आंदोलन प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर किया गया। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह केवल नाम बदलने की कवायद नहीं, बल्कि मनरेगा को समाप्त करने की साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महात्मा गांधी के नाम और विचारधारा को योजनाओं से हटाकर गरीबों और मजदूरों के अधिकार छीनना चाहती है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों की थाली से रोटी छीनने का काम कर रही है। मनरेगा मजदूरों की आखिरी उम्मीद है, जिसे नाम बदलकर खत्म करने की तैयारी चल रही है। यह गांधी और अंबेडकर दोनों के विचारों पर सीधा हमला है। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित कुमार यादव ने भाजपा सरकार को मजदूर विरोधी करार देते हुए कहा कि नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलता। गांधी जी का नाम मिटाकर भाजपा गरीबों का हक नहीं छीन सकती। यह सरकार कॉरपोरेट की हितैषी और मजदूरों की दुश्मन बन चुकी है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा सरकार ने मनरेगा से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो आंदोलन और तेज होगा। जिला अध्यक्ष ने साफ कहा कि अब सिर्फ उपवास नहीं, सड़क से सदन तक संघर्ष होगा। प्रखंड स्तर से लेकर विधानसभा तक भाजपा सरकार का घेराव किया जाएगा। उपवास कार्यक्रम में कांग्रेस के बृंदा प्रसाद यादव, मोती उरांव, अमित कुमार यादव, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रंजीत गंझू, हरि शंकर यादव, मोहम्मद साजिद, फूलचन यादव, सुनील प्रसाद, मोहम्मद अरशद, इमरान अंसारी, विश्वनाथ पासवान, कृष्णा यादव, दीपक कुमार यादव, मनोज पासवान, मंजू देवी, शीला देवी, सोनिया देवी, मोहम्मद अमीर हयात, असगर खान, नरेश यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई और मजदूर हितों की रक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई का संकल्प लिया गया।

न्यूजीलैंड सीरीज से बढ़ी हलचल, क्या 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलेंगे विराट और रोहित

नई दिल्ली ।

विराट कोहली और रोहित शर्मा के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया से जुड़ते ही भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। जिस तरह से दोनों सीनियर बल्लेबाज हाल के महीनों में फिटनेस, फॉर्म और मैदान पर भूख के साथ नजर आए हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि उनका भविष्य पूरी तरह उनके अपने फैसले पर निर्भर है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच रोहित और विराट ने जिस प्रतिबद्धता के साथ क्रिकेट खेला है, उसने यह दिखा दिया है कि खेल अभी भी उनकी प्राथमिकता बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित किया है, बल्कि बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है। अगर उनके मन में 2027 वर्ल्ड कप का लक्ष्य न होता, तो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेलने का शायद ही कोई ठोस कारण होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे मुकाम पर हैं, जहां उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में केवल औपचारिक वनडे मुकाबले खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता, जब तक कि आगे कोई बड़ा लक्ष्य न हो।

फिलहाल दोनों का फॉर्म और फिटनेस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है। रोहित शर्मा पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं, जबकि विराट कोहली की फिटनेस हमेशा से ही उनकी पहचान रही है। अहम बात यह है कि दोनों रन बना रहे हैं, बड़े स्कोर खड़े कर रहे हैं और मैच पर अपनी पकड़ दिखा रहे हैं। आत्मविश्वास और अनुभव के इस मेल ने उन्हें एक बार फिर भारतीय वनडे टीम का मजबूत स्तंभ बना दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या वे 50 ओवर के फॉर्मेट में आगे भी खेलना चाहते हैं और क्या 2027 वर्ल्ड कप को आखिरी बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। विराट कोहली 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत चुके हैं, लेकिन रोहित शर्मा के शानदार करियर में यह ट्रॉफी अब तक नहीं जुड़ पाई है। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप रोहित के लिए एक परफेक्ट फिनाले साबित हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुभव और क्लास की जरूरत होगी, जो विराट और रोहित दोनों के पास भरपूर है। यह भी हकीकत है कि वर्ल्ड कप से ठीक एक साल पहले टीम में बड़े बदलाव करना आसान नहीं होता। इसी वजह से तमाम संकेत यही इशारा कर रहे हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप में भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह टूनामेंट भारतीय क्रिकेट के लिए किसी मेगा ब्लॉकबस्टर से कम नहीं होगा। फिलहाल, क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बेहतर यही है कि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाजी का भरपूर आनंद लें।

संक्षिप्त समाचार

पहला वनडेः भारत ने टॉस जीत लिया गेंदबाजी का फैसला, क्रिस्टियन क्लार्क ने किया डेब्यू

वडोदरा, ।

भारतीय क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला बीसीए स्टेडियम, कोटांबी में खेला जा रहा है। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। टॉस जीतने के बाद शुभमन गिल ने कहा, हम पहले गेंदबाजी करेंगे। हम प्लेइंग इलेवन में अलग-अलग कॉम्बिनेशन ट्राई करने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि कौन सा हमारे लिए सबसे अच्छा है। ओस में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण होता है, बल्लेबाजी आसान होती है। कुछ खिलाड़ी विजय हजारे ट्रॉफी में खेल कर आ रहे हैं और अच्छी फॉर्म में हैं। टीम में माहौल अच्छा है। हम 6 गेंदबाज के साथ जा रहे हैं। सुंदर, जडेजा और कुलदीप स्पिनर होंगे। सिराज, प्रसिद्ध और हर्षित के रूप में तीन तेज गेंदबाज टीम में हैं। प्लेइंग इलेवन में श्रेयस अय्यर ने वापसी कर ली है। इंजरी की वजह से वह भी दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज नहीं खेले थे। न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने कहा, हम भी पहले बॉलिंग करते, लेकिन बल्लेबाजी करके खुश हैं। हमें मौसम की आदत हो गई है और हमने कुछ बेहतरीन नेट सेशन किए हैं। यह हमारे लिए एक बड़ी सीरीज है, जब भी हम न्यूजीलैंड के लिए खेलते हैं तो यह गर्व का पल होता है। हम इंडिया में विश्व कप खेलेंगे। यह हमारे लिए एक बड़ा फायदा है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कुछ नए चेहरे भी हैं। क्रिस्टियन क्लार्क डेब्यू कर रहे हैं। आदित्य अशोक प्रमुख स्पिनर के रूप में खेलेंगे। **भारत की प्लेइंग इलेवन** रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा। **न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन** डेवॉन कॉनवे, हेनरी निकोल्स, विल यंग, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल हे (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जकारी फाउल्केस, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, आदित्य अशोक।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनलः सबालेंका ने बचाया ताज, करियर का 22वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता

ब्रिस्बेन, ।

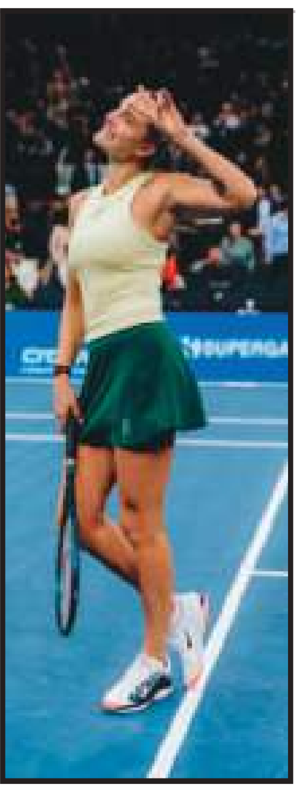

वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका ने मार्टा कोस्तयुक को 6-4, 6-3 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल का ताज बचाया। यह मुकाबला रविवार को पैट राफ्टर एरिना में 1 घंटे और 18 मिनट तक चला। बेलारूस की सबालेंका का ऑस्ट्रेलिया में पांचवां और उनके करियर का 22वां खिताब था, जिससे वह एक्टिव खिलाड़ियों में सर्वाधिक डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीतने के मामले में विक्टोरिया अजारेंका से आगे निकल गईं। सबालेंका अब वीनस विलियम्स और इगा स्विएटेक के बाद तीसरे स्थान पर आ गई हैं। सबालेंका ने शुरूआत में ही दबाव बनाते हुए पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 23 वर्षीय कोस्तयुक ने वापसी की, उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सेट को 3-3 से बराबर कर दिया। हालांकि, यह रिकवरी नाकाफी थी। सबालेंका ने 40 मिनट का पहला सेट अपने नाम कर लिया। सबालेंका ने छह गेम जीतकर दूसरे सेट पर नियंत्रण कर लिया और 3-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने 4-1 की बढ़त को एक ड्रॉप शॉट और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के कॉम्बिनेशन से सुनिश्चित किया, जिसके कुछ गेम बाद आराम से मैच जीत लिया। सबालेंका सीजन की शुरूआत में डब्ल्यूटीए 500 खिताब का बचाव करने वाली तीसरी महिला बन गई हैं। इस सूची में सेरेना विलियम्स और कैरोलिना प्लिस्कोवा भी शामिल हैं। खिताबी जीत के बाद सबालेंका ने कहा, सबसे पहले, मैं मार्ता और उनकी टीम को सीजन की शानदार शुरूआत के लिए बधाई देना चाहती हूं। मैं आपको इस सीजन के लिए शुभकामनाएं देती हूं। मुझे उम्मीद है कि हम कुछ अन्य मौकों पर फाइनल में आमने-सामने होंगे। यह जीत बहुत खास है। मैं इस सीजन की शुरूआत बहुत अच्छे नोट पर करके खुश हूं। मैंने इस पूरे हफ्ते जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे खुश हूं। साल 2026 का अपना पहला खिताब जीतने के बाद सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन पर ध्यान दे रही हैं। वह मेलबर्न में तीसरे खिताब की तलाश में नंबर 1 सीड के तौर पर उतरेंगी। इस बीच, कोस्तयुक सोमवार को डब्ल्यूटीए रैंकिंग में टॉप 20 में लौट आएंगी।

ऋषभ न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए : बीसीसीआई

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अभ्यास के दौरान चोट लगने के कारण आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। ऋषभ को थो डाउन अभ्यास के दौरान पेट के दाहिने हिस्से में साइड स्ट्रेन (खिंचाव) आ गया। इसकी जांच के बाद ही पाया गया कि वह सीरीज नहीं खेल पायेंगे। इसी के बाद उनकी जगह पर ध्रुव जुरेज को बैकअप के तौर पर शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया में लिखा, विकेटकीपर ऋषभ पंत को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी करते समय पेट के दाहिने हिस्से में अचानक दर्द महसूस हुआ। इसके बाद उन्हें तुरंत एमआरआई स्कैन के लिए ले जाया गया, जिसमें उनके खिंचाव आने की बात पता चली। बोर्ड ने कहा कि मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों के साथ उनकी रिपोर्ट पर चर्चा की। जांच में सामने आया कि उन्हें साइड स्ट्रेन हुआ है, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गये हैं।ऐसे में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले ध्रुव जुरेल को एकदिवीसय टीम में शामिल किया है। जुरेल ने विजय हजारे ट्राफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सात पारियों में 558 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 93 और स्ट्राइक रेट 122.90 रहा है। उन्होंने टूनार्मेंट में अब तक दो शतक और चार अर्धशतक लगाये हैं। ध्रुव ने अब तक 17 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनकी 14 पारियों में उन्होंने 747 रन बनाए हैं। 50 ओवर के फॉर्मेट में उनका औसत 74.70 रहा है, जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

नीरज ने अपने कोच जेलेज्नी को हटाया

2027 की विश्व चैंपियनशिप और 2028 ओलंपिक खेलों पर हैं नजरें

नई दिल्ली ।

भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने कोच चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी को हटा दिया है। नीरज ने एक साल बाद ही कोच के साथ करार तोड़ने के कारणों को नहीं बताया है। नीरज ने कोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके साथ का समय प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव से भरा रहा है। कोच जेलेज्नी के साथ रहते ही नीरज ने पिछले साल अपने करियर में पहली बार 90 मीटर से अधिक भाला फेंका था। नीरज ने कोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि बचपन के अपने आदर्श से प्रशिक्षण लेना किसी सपने के पूरे होने जैसा था। इससे उन्हें अभ्यास, तकनीक और खेल को करीब से देखने और समझने का एक नया रवैया मिला है। नीरज ने कहा, कोच जेलेज्नी के साथ काम करने से मेरे दिमाग में कई नए विचार आये। वह तकनीक, लय और मूवमेंट को जिस तरह समझते हैं, वह असाधारण है। हर सत्र में मैंने बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने साथ ही कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा गर्व अपनी उस दोस्ती पर रहेगा जा उनकी कोच से हुई है।साथ ही कहा कि जेलेज्नी केवल सर्वकालिक महान भाला फेंक खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि काफी अच्छे व्यक्ति भी हैं। वहीं जेलेज्नी ने भी नीरज के साथ कोच के तौर पर अपने अनुभवों को काफी अच्छा बताया है। कोच ने कहा कि नीरज जैसे शीर्ष स्तर के एथलीट के साथ काम करना उनके लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि हम साथ काम कर पाए और मैंने उन्हें पहली बार 90 मीटर पार करने में सहायता की। जेलेज्नी ने यह भी कहा कि विश्व चैंपियनशिप के अलावा नीरज ने अधिकतर प्रतियोगिताओं में पहला नहीं तो दूसरा स्थान तो पक्का हासिल किया। ये अपने आप में एक जबरदस्त रिकॉर्ड है। भविष्य के मुकाबलों को लेकर जेलेज्नी ने नीरज की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें अभी भी बेहतर प्रदर्शन करने की काफी संभावनाएं हैं। साथ ही कहा कि उन दोनों के बीच मानवीय स्तर पर रिश्ता काफी अच्छा है।

मलेशिया ओपन से पीवी सिंधु बाहर, चीन की वांग ने 16-21, 15-21 से हराया

क्वालालंपुर, ।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु मलेशिया ओपन से बाहर हो गई हैं। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में उन्हें दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी चीन की वांग झियी ने 16-21, 15-21 से हरा दिया। सिंधु दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट वांग झियी के खिलाफ दबाव नहीं बना सकीं। पैर की चोट से उबरने के बाद अपना पहला टूनार्मेंट खेल रही पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा दी। हार के साथ ही टूनार्मेंट में उनके सफर का निराशाजनक अंत हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीवी सिंधु ने वांग झियी को मुकाबले की शुरूआत में कड़ी टक्कर दी। उन्होंने जोरदार शॉट लगाए और अपने खास क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाकर 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन वांग के हल्के टच ने उन्हें लगातार अंक दिलाकर बराबरी पर ला दिया। पहले गेम में एक समय सिंधु 9-7 से आगे चल रही थीं, लेकिन चीनी खिलाड़ी वांग ने एक बार फिर वापसी की और इंटरवल पर सिंधु के नेट पर शॉट चूकने पर एक अंक की बढ़त बना ली। मैच फिर से शुरू होने के बाद स्कोर एक समय 13-13 से बराबर था। 15-14 पर, वांग ने लगातार आक्रामक शॉट्स से दबाव बढ़ाया। वह 18-14 पर पहुंच गईं, एक जबरदस्त रैली में एक अंक गंवाया, फिर चार गेम अंक हासिल किए और ओपनर खत्म किया क्योंकि सिंधु वाइड चली गईं। दूसरे गेम में सिंधु दो गलतियों के बाद 1-3 पर फिसल गईं, लेकिन उन्होंने वापसी की और 6-3 से आगे निकलने के लिए जोरदार रैली बनाईं। वांग ने अंतर कम किया, फिर भी सिंधु ने बीच के समय में अपनी विरोधी खिलाड़ी को तेज एंगल से कोनों की ओर धकेलकर अपना दबदबा बनाया, जिससे ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हो गई। वांग ने दोबारा गेम शुरू होने के बाद जोरदार वापसी की, तेज रैलियों में हिस्सा लिया, लेकिन सिंधु ने परफेक्ट नेट शॉट्स से जवाब दिया और 13-9 से आगे रहीं। वांग ने फिर वापसी की जब सिंधु के शॉट्स बाहर और नेट में चले गए और 13-13 से बराबरी कर ली।

इसके बाद 16-13 की बढ़त के साथ वांग झियी ने मैच अपने नाम कर लिया।

ज्योतिषी पिता की भविष्यवाणी से टीम इंडिया तक का सफर

वैष्णवी शर्मा ने मेहनत से रचा अपना मुकाम

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला क्रिकेट में उभरती हुई बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का सफर मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास की मिसाल बनकर सामने आया है। ग्वालियर की रहने वाली 20 वर्षीय वैष्णवी ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारत के लिए डेब्यू किया और अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा। दिलचस्प बात यह है कि उनके क्रिकेटर बनने की भविष्यवाणी उनके पिता नरेंद्र शर्मा ने सालों पहले कर दी थी। पेशे से ज्योतिषी नरेंद्र शर्मा ने वैष्णवी की कुंडली देखकर कहा था कि उनका भविष्य खेलों से जुड़ा होगा। वैष्णवी बताती हैं कि उनका खेलों से रिश्ता बहुत छोटी उम्र में शुरू हो गया था। जब वह सिर्फ चार साल की थीं, तभी उन्होंने खेलों की ओर कदम बढ़ा दिया था। पिता की भविष्यवाणी ने परिवार को यह भरोसा दिया कि बेटी को खेलों में आगे बढ़ने का पूरा मौका मिलना चाहिए। 11-12 साल की उम्र में वैष्णवी ने मध्य प्रदेश के लिए अपना पहला अंडर-16 मुकाबला खेला। उस समय यह टूनार्मेंट बीसीसीआई के तहत नहीं आता था, लेकिन यहीं से उनके क्रिकेट करियर की असली शुरूआत मानी जाती है। श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में वैष्णवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके और संयुक्त रूप से भारत की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। वह कहती हैं कि क्रिकेट उनके लिए सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है। मैदान पर उतरते ही वह बाकी सारी बातें भूल जाती हैं, क्योंकि क्रिकेट खेलने से जो सुकून और खुशी मिलती है, उसकी तुलना किसी और चीज से नहीं की जा सकती। हालांकि, उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। महिला प्रीमियर लीग की नीलामी में नाम आने के बावजूद जब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना, तो उन्हें निराशा जरूर हुई। वैष्णवी मानती हैं कि उम्मीदें टूटने पर बुरा लगता है, लेकिन उन्होंने इस निराशा को अपने खेल पर हावी नहीं होने दिया।

खो-खोः महाभारत काल से जुड़ा खेल, जिसमें फुर्ती, रणनीति और टीमवर्क का मिश्रण

नई दिल्ली, ।

भारत के पारंपरिक खेल ह्यखो-खोह्ल में फुर्ती, रणनीति और टीमवर्क की अहम भूमिका होती है। सीमित मैदान पर खेला जाने वाला फिटनेस और अनुशासन का यह खेल खिलाड़ियों की गति, संतुलन और निर्णय क्षमता को निखारता है। माना जाता है कि खो-खो की जड़ें महाराष्ट्र से जुड़ी हैं, लेकिन महाभारत काल में भी इसका जिक्र है, जहां रथों पर खेले जाने वाले ह्यराठेराह्ल जैसा खेल इसका आधार बना। साल 1914 में पुणे के डेक्कन जिमखाना क्लब ने खो-खो के आधुनिक रूप को डिजाइन किया। इस दौरान खेल के लिए नियम भी बनाए गए। 1936 बर्लिन ओलंपिक में खो-खो को प्रदर्शनी खेल के तौर पर शामिल किया गया। हालांकि, यह आधिकारिक प्रतिस्पर्धी खेल नहीं था। 1955 में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) की स्थापना की गई। 1959-60 में पहली बार पहली ऑल इंडिया खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। विमेंस नेशनल चैंपियनशिप 1960-61 में आयोजित हुई। इस खेल को एशियन गेम्स 1982 में शामिल किया गया था। खो-खो को गुवाहाटी में हुए साउथ एशियन गेम्स 2016 में मेडल वाले खेल के तौर पर शामिल किया गया था। फिलहाल करीब 25 देशों की अपनी खो-खो टीमें हैं। आयताकार मैदान (27 मीटर ७ 16 मीटर) पर खेले जाने वाले इस खेल में दोनों छोर पर लकड़ी के खंभे होते हैं। प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ी होते हैं, लेकिन एक बार में सिर्फ 9 खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। 27 मीटर की दो रेखाओं को साइड लाइन्स कहा जाता है, जबकि 16 मीटर की दो रेखाओं को ड्यू रेखा एंड लाइन्स कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खो-खो मुकाबले दो पारियों में बंटे होते हैं। प्रत्येक पारी में 9 मिनट के 2 टर्न होते हैं। इसमें एक टीम पीछा करती है, तो दूसरी टीम बचाव करती है। पीछा करने वालों का मकसद बचाव करने वालों को हथेली से छूकर टैग करना होता है, जबकि बचाव करने वाले टैग होने से बचने और समय खत्म होने तक भागने की कोशिश करते हैं। टॉस जीतने वाला कप्तान चेज या डिफेंस में से एक चुनता है। चेज करने वाली टीम के 8 खिलाड़ी बैठ जाते हैं। लगातार चेज करने वाले एक दिशा में नहीं जा सकते, उन्हें साइड लाइन्स के उलट पोजीशन लेनी होती है। नौवां चेजर मुकाबले का आगाज फ्री जोन से करता है। दोनों पारियों के अंत में सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाता है। अगर दोनों टीमों के अंक बराबर हों, तो एक अतिरिक्त पारी के साथ विजेता का फैसला किया जाता है। अगर इसके बावजूद कोई विजेता निर्धारित न हो, तो दोनों टीमें एक-एक टर्न लेती हैं और सबसे कम समय में अंक जीतने वाली टीम विजेता कहलाती है। भारत में बड़े फैन बेस और समर्पित फॉलोअर्स के साथ, खो-खो में अलग-अलग लेवल पर कई टूनामेंट्स और इवेंट्स आयोजित किए जाते हैं। ये डिस्ट्रिक्ट से लेकर नेशनल लेवल तक होते हैं। पेशेवर लीग अल्टीमेट खो खो (यूकेके) इस खेल में नए युग की शुरूआत का प्रतीक है, जिसकी शुरूआत केकेएफआई के सहयोग से हुई। इस लीग का मकसद खो-खो को आधुनिक प्रतिस्पर्धी रूप में प्रस्तुत करते हुए इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आदिम जनजाति व आदिवासी समाज को सशक्त बनाने का संकल्प : रामधन

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। आदिम जनजाति एवं आदिवासी परिवारों के सशक्तिकरण की दिशा में जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा निरंतर सार्थक पहल की जा रही है। इसी क्रम में दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी की 82वीं जयंती के पावन अवसर पर डोमचांच प्रखंड अंतर्गत कानीकेंद में विशेष जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। आदिम जनजाति एवं आदिवासी समुदाय को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए, ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके। उप विकास आयुक्त रवि जैन ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे, यही जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों के लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस विशेष शिविर के माध्यम से आदिम जनजाति एवं आदिवासी परिवारों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से सीधे जोड़ते हुए लाभ एवं परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। शिविर में जॉब कार्ड एवं मनरेगा से संबंधित सेवाएं, वृद्धा पेंशन, जन्मझ्रमृत्यु प्रमाण पत्र एवं राशन कार्ड हेतु आवेदन, बैंक खाता खोलने की सुविधा, भूमि एवं जलमिनार से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। इसके साथ ही दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर का वितरण, ठंड से राहत हेतु कंबल एवं स्वेटर वितरण किया गया। शिविर में सभी लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें मेडिकल किट प्रदान की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं नवजात शिशुओं का मुंह जुठी संस्कार संपन्न कराया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया भी शिविर के दौरान कराई गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय, अंचल अधिकारी रविन्द्र पांडेय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय पदाधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

667 घरों में शुरू हुई नियमित पेयजल आपूर्ति, ग्रामीणों के चेहरे खिले

दो मासूम बच्चियों के बलिदान के साढ़े सात साल बाद मिला पानी

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड बच्छई पंचायत के ओबरा, सेवई, डुमरी, चक, मलिकाना, छोटकी बच्छई राणा टोला सहित कुल 667 घरों में नियमित पेयजल आपूर्ति शुरू होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ओबरा में 72, सेवई में 63, डुमरी में 264, चक में 102, मलिकाना में 136 एवं छोटकी बच्छई राणा टोला में 30 कनेक्शन के माध्यम से सुबह-शाम एक-एक घंटे जलापूर्ति की जा रही है। लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों के लिए यह पहल किसी वरदान से कम नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले उन्हें पानी के लिए दूर-दराज भटकना पड़ता था या निजी साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब नियमित सप्लाई से महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को विशेष राहत मिली है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि भविष्य में जलापूर्ति की अवधि बढाने और गुणवत्ता को और बेहतर किया जाएगा। गांव की महिलाओं ने कहा कि अब समय की बचत होगी, जिसे वे बच्चों की पढ़ाई, आत्मनिर्भरता और घरेलू कार्यों में लगा सकेंगी। यह योजना क्षेत्र में जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

एलएनजेपी परिसर में क्लोजिंग सेरेमनी

जेपीएससी के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों को भावभीनी विदाई

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के बेहरा पंचायत स्थित एलएनजेपी परिसर में रविवार को दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर आए जेपीएससी के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों के सम्मान में क्लोजिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व एलएनजेपी प्रबंधक संतोष कुमार पूरी ने किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारियों को भावभीनी विदाई दी गई।

क्लोजिंग सेरेमनी में एसडीओ जोहान टुड्डू, एसडीपीओ अजित कुमार विमल, बीडीओ नितेश भास्कर, सीओ संजय यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, बेहरा पंचायत की मुखिया पूजा कुमारी, पडरिया पंचायत की मुखिया पप्पू रजक, एलएनजेपी के बिरेंद्र सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लगभग ढाई घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने चौपारण प्रखंड में किए गए भ्रमण के दौरान प्राप्त शैक्षणिक एवं व्यावहारिक अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि बच्छई, बेहरा एवं पडरिया पंचायतों में संचालित मनरेगा समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को उन्होंने नजदीक से देखा और समझा। प्रशिक्षु अधिकारियों ने पंचायत स्तर पर हो रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रशासनिक जीवन के महत्वपूर्ण मूल मंत्र देते हुए कहा कि एक सफल अधिकारी बनने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय, आम जनता के प्रति संवेदनशीलता और योजनाओं का अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी हकीकत को समझना और जनविश्वास कायम रखना प्रशासन की सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ चौपारण की यादों को संजोते हुए विदाई दी गई।

केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के विरोध में एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम संपन्न

हजारीबाग: जिला कांग्रेस के तत्वावधान में केन्द्र सरकार द्वारा महत्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से महात्मा गांधी के नाम हटाए जाने के विरोध में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के निचे एक दिवसीय उपवास एंव प्रतीकात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने कहा कि मनरेगा से महत्मा गांधी का नाम मिटाना सोचा-समझा राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाने का सचेत निर्णय वैचारिक है। गांधी जी की श्रम की गरिमा, समाजिक न्याय और सबसे गरीबों के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी के प्रतीक है । यह नाम परिवर्तन गांधी जी के मुल्यों के प्रति भाजापा-आरएसएस की दीर्घकालिक असहजता और अविश्वास को दशार्ता है तथा एक जन केन्द्रित कल्याणकारी कानून से राष्ट्रपिता के जुड़ाव को मिटाने का प्रयास है।

प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा ने कहा कि प्रस्तावित नया विधेयक उस कानूनी काम के अधिकार को समाप्त कर देता है जो, मनरेगा ने प्रदान किया था। यह मांग आधारित, वैधानिक अधिकार की जगह एक केन्द्र नियंत्रित योजना लाता है, जिसमे न तो रोजगार की कोई कानून लागू की जा सकने वाली गारंटी है न सार्वभौमिक कवरेज और न ही यह आश्वासन कि आवश्यकता के समय लोंगो को काम मिलेगा। वस्तुतः काम के अधिकार को ही समाप्त किया जा रहा है मनरेगा के तहत मजदुरी के वित्तपोषण की प्राथमिक जिम्मेवारी केन्द्र सरकार की थी, जिससे यह एक वास्तविक राष्ट्रीय रोजगार गारंटी बनाती थी। प्रदेश सचिव बिनोद सिंह ने कहा कि नया विधेयक इस जिम्मेदारी से पिछे हटना चाहती है, बोझ राज्यों पर डालता है, आवंटनों पर सीमा लगता है और मांग आधारित कार्यक्रम की बुनियाद को कमजोर करता है। इससे संघवाद कमजोर होता है और वित्तीय बाधाओं के कारण राज्यों को काम की मांग दबाने के लिए मजबूर होना पड़ता है । प्रदेश सचिव शशि मोहन सिंह ने कहा कि गांधी जी की विरासत, श्रामिकों के अधिकार और संघीय जिम्मेदारी पर यह संयुक्त हमला भाजापा-आरएसएस की उस बड़ी साजिश को उजागर करता है, जिसके तहत अधिकार आधारित कल्याण को समाप्त कर केन्द्र निर्यंत्रित दया-दान की व्यव्स्था से बदला जा रहा है । कार्यक्रम के पश्चात इन्द्रपुरी चौक स्थित पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनहे श्रद्धांजली दी गई । मौके पर प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष आबिद अंसारी ओबीसी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत नागवाला सचिव रेणु कुमारी, कोमल कुमारी, वरिष्ठ कांग्रेसी विरेन्द्र कुमार सिंह, लाल बिहारी सिंह, अजय गुप्ता, दिगम्बर मेहता, मकसुद आलम, नगर अध्यक्ष परवेज अहमद, दिलीप कुमार रवि, विजय कुमार सिंह, जावेद इकबाल, रघु जायसवाल, उदय पाण्डेय, ओमप्रकाश गोप, संगीता कुमारी, ओमप्रकाश पासवान, डॉ.प्रकाश यादव, गुड्डू सिंह, मुस्ताक अंसारी, अनिल कुमार भुईंया, बाबु खान, दरगाही खान, मोहम्मद वारिस, नरसिंह प्रजापती, अजय प्रजापती, नौशाद आलम, मंसुर आलम, निसार अहमद भोला, नागेश्वर मेहता, पंचम पासवान, राजीव कुमार मेहता, विवेक कुमार पासवान, विवेक चौरसिया, मोहम्मद शहबान रजा, अर्जुन नायक, माशूक रजा, राजेश कुमार, शब्बा करीम, सदरूल होदा के अतिरिक्त कई कांग्रेसी उपस्थित थे ।

डोमचांच के कानीकेंद में मनी दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती

नव प्रदेश संवाददाता

डोमचांच। झामुमो डोमचांच प्रखंड द्वारा दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती समारोहपूर्वक डोमचांच प्रखंड अंतर्गत कानीकेंद में मनाई गई। इस अवसर पर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी दिया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय सदस्य बैजनाथ मेहता व तारिणी प्रसाद, कोडरमा जिला उपाध्यक्ष नंदकिशोर मेहता, विद्यानंद पांडे, डोमचांच प्रखंड सचिव अशरफ अंसारी, नगर अध्यक्ष प्रदीप चौधरी एवं रणजीत सिंह सहित कई झामुमो कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे। नेताओं ने शिबू सोरेन के संघर्षों को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

चौपारण की बहू कृति कुमारी बनीं सीडीपीओ, मेहनत और हौसले की मिसाल

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के लिए यह दिन गर्व और खुशी का है। दादपुर पंचायत के छत्तरपुरा गांव की बहू कृति कुमारी ने जेपीएससी द्वारा आयोजित सीडीपीओ परीक्षा उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे चौपारण का नाम रोशन किया है। गृहिणी रहते हुए कृति कुमारी ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और आत्मविश्वास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता क्षेत्र की बेटियों और बहुओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है। कृति कुमारी छत्तरपुरा निवासी सेवानिवृत्त पंचायत सेवक मिशन सिंह की बहू तथा उनके पुत्र राजीव कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह की पत्नी हैं। उनकी प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय बोकारो से हुई। इसके बाद उन्होंने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से भूगोल विषय में स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। वर्तमान में वे पीएचडी की छात्रा हैं। पति राजीव कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2015 में विवाह के बाद भी कृति ने अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ उन्होंने निरंतर स्वाध्याय किया और मार्गदर्शकों से सलाह लेकर तैयारी जारी रखी। परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन ने उन्हें मजबूती दी। कृति कुमारी ने अपनी सफलता का श्रेय पति, ससुर मिशन सिंह, सास, पिता करुणा सिंह, माता किरण देवी सहित पूरे परिवार को दिया। उनकी इस उपलब्धि पर विधायक मनोज कुमार यादव, पूर्व विधायक रामलखन सिंह, उमाशंकर अकेला, भाजपा केंद्रीय प्रवक्ता योगेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी लव सिंह, भाजपा नेता सुमन सिंह व रवि सिंह सहित कई जनप्रतिनिधियों ने बधाई देते हुए इसे चौपारण की बहुओं की जीत बताया।

मनाया गया दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन का 82 वाँ जयंती

शहीदों के बलिदान से बना झारखंड, इसे यूँ ही नहीं मिला आजादी का सम्मान : वीरेंद्र पांडेय

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति कोडरमा के तत्वाधान में दिन रविवार को इंदरवा पंचायत भवन के समीप बिरसा मुंडा खेल मैदान में राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन का 82 वाँ जयंती समारोह कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम दिवंगत शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया। जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने कहा कि आज का दिन हम लोगों के लिए बाद ऐतिहासिक है आज राज्य के निमार्ता पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जयंती है, उन्होंने इस राज्य के लिए अपना संपूर्ण जीवन दिया है उन्हीं के वजह से यह झारखंड हम लोगों को मिला है। जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार जिला सचिव पवन माइकल कुजूर ने संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के महानायक दिशोम गुरु ने इस राज्य के लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजना बनाकर धरातल में उतारा है। जिसका परिणाम सभी को देखने को मिल रहा है। वही कार्यक्रम के समापन में सैकड़ों गरीब, असहाय जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल व फल, मिठाई तथा स्कूली बच्चों को कॉपी, किताब पेंसिल वितरण किया गया. इसके अलावे कोडरमा प्रखंड के चंदवारा, मरकच्चो, जयनगर, चंदवारा, डोमचांच, सतगांवा प्रखंड में भी पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का जयंती कार्यक्रम आयोजित कर लोगों के बीच मिठाई फल व कंबल का वितरण किया गया। मौके पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मो. सद्दाम, सचिन कुमार, छोटू यादव, प्रखंड अध्यक्ष चंद्रदेव यादव, महिला मोर्चा जिला संगठन सचिव पूजा कुमारी संगीता कुमारी मो. इरफान, उमेश यादव, मनोज यादव, संतोष यादव, गणेश राय, यमर परमार, धीरज कुमार, संजय कुमार, गुड़िया देवी, श्वेता कुमारी, बबलू सिंह इत्यादि सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

एक नजर

कोडरमा सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के बैनर तले पारिवारिक वनभोज का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। मान्यता प्राप्त विद्यालयों के समूह कोडरमा सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के बैनर चले निदेशक एवं प्राचार्य का पारिवारिक वनभोज तिलैया डैम स्थित फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। जिसमें जिले के कई विद्यालयों के निदेशक व प्राचार्य एवं शिक्षक अपने-अपने परिवार के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए सभी ने एक साथ फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का सैर कर में वोटिंग का आनंद लिया। साथ ही साथ कई प्रकार के लजीज व्यंजन का भी आनंद उठाया। सभी ने गीत- संगीत, नृत्य व खेलकूद कर वनभोज को मनोरंजन बनाया। इस कार्यक्रम में ग्रिजली विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल निदेशक अनिल कुमार व खुशबू गुप्ता, प्राचार्य राधेश्याम पंडित, सेक्रेड हार्ट स्कूल के निदेशक प्रमोद कुमार, प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा, जीएस पब्लिक स्कूल के निदेशक नितेश कुमार, मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी के निदेशक रजनीश कुमार शर्मा, आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय के कार्यकारी निदेशक दीपक कुमार उपप्राचार्य रवि कुमार, मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्राचार्य जीसी वर्मा, निदेशक संगीता शर्मा, मेरिडियन अकादमी के प्राचार्य एसके लाहा सहित कई विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाएं सपरिवार उपस्थित थे।

मरकच्चो पुलिस ने फरार अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। थाना कांड संख्या 57/2025 के फरार अभियुक्त को मरकच्चो पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में कोडरमा जेल भेज दिया। दिनांक 08/08/2025 को दर्ज कांड संख्या 57/2025 की धारा 316(2), 318(4), 351(2) व 352 बीएनएस के तहत नामजद अभियुक्त अम्बेस नयन (38 वर्ष), पिता हर-देव मंडल, ग्राम बरी कुदजार्ना, थाना मुफस्सिल, जिला साहेबगंज लंबे समय से फरार चल रहा था। थाना एसआई बलराम सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने धनबाद जिले के राजगंज थाना क्षेत्र में छापेमारी कर उसे बड़ी मशक्कत से गिरफ्तार किया। इसके बाद अभियुक्त को मरकच्चो थाना लाया गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर माननीय न्यायालय के आदेश पर कोडरमा जेल भेजा गया। पुलिस ने इस सफलता को अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया है।

करोंजिया निवासी एक महिला ने किया विषपान, हुई मौत

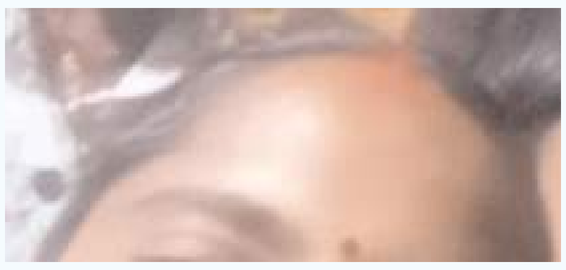

नवप्रदेश/चंदवारा। चंदवारा प्रखंड अंतर्गत मदनगुंडी पंचायत के करोंजिया गांव में सास और सौतेली बहू के बीच हुए आपसी विवाद के बाद सास ने विषपान कर ली. जिससे उसकी मौत हो गई। विषपान की सूचना पाकर स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए झुमरीतिलैया के एक निजी क्लीनिक में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान स्वीटी देवी, उम्र 37 वर्ष, पति बद्री यादव के रूप में की गई है। मृतका के परिजनों ने थाना में लिखित आवेदन देकर कहा कि स्वीटी देवी मानसिक रूप से बीमार थी इस लिए इतना बड़ा कदम उठाई। वही ग्रामीणों ने बताया कि की मृतका स्वीटी देवी, बद्री यादव की दूसरी पत्नि थी। इससे दस वर्ष पूर्व बद्री यादव की पहली पत्नी की मौत सर्पदंश से हुई थी। जिसमें तीन पुत्री व एक पुत्र था। पहली पत्नी की मौत के बाद बद्री यादव ने पिपराही गॉव के स्वीटी देवी के साथ आज से लगभग नौ वर्ष पहले दूसरी शादी रचाई थी। इधर, मृतका स्वीटी देवी की भी दूसरी शादी बद्री यादव के साथ हुई थी। जिसमें कोई बच्चा नहीं है। वहीं इस मामले में चंदवारा पुलिस जांच में जुटी हुई है।

महिला ने छेड़छाड़ मामले को लेकर थाना में दिया लिखित आवेदन

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बक्सपुरा में एक 36 वर्षीय महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। जिसे लेकर महिला ने मरकच्चो थाना में लिखित आवेदन देकर गांव के ही कृष्णा पंडित उम्र 19 वर्ष पिता शंकर पंडित पर आरोप लगाते हुए कहा की 10 जनवरी की शाम करीब साढ़े सात बजे अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ गांव में ही कमेटी का पैसा जमा करने जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने मेरे साथ अंधेरे का फायदा उठा कर मेरा मुंह दबाकर छेड़छाड़ करने लगा। वही बीच बचाव में मेरी बेटी आई तो मुझे जमीन पर पटक दिया और मेरे साथ अन्य काई प्रकार के गंदा हरकक्कत का प्रयास किया। जिसके बाद मेरी बेटी ने जोर जोर से हो हल्ला करने लगी और मैं भी हो हल्ला की तो मेरी सासु मां और आसपास के लोग आए। इस दौरान आरोपी कृष्णा पंडित वहां से भाग गया। वही इस संबंध में थाना प्रभारी नंदकिशोर तिवारी ने बताया कि आवेदन के आलोक में जांच पड़ताल किया जा रहा है।

दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की 82वां जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। प्रखंड स्थित सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय मरकच्चो स्टेडियम खेल मैदान में झारखंड निमार्ता दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के 82वां जयंती के अवसर पर झामुमो कार्य कताओं के द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। वही कार्यक्रम में दिशोम गुरु के चित्र पर फूल माला अर्पित कर क्षेत्र के दर्जनों महिला पुरुष गरीब, असहाय बुढा वृद्धा को कम्बल का वितरण किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर तिवारी और संचालन जेएमएम पूर्व युवा जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता ने किया। वहीं मौकेपर मुख्यरूप से केंद्रीय समिति सदस्य संजय पांडेय, जिला उपाध्यक्ष मो. खलील, बुद्धजीवी मोर्चा के जिला सचिव सुरेश साव मौजूद थे। वहीं इस दौरान जेएमएम नेताओं और कार्यकताओं ने कार्यक्रम को संबोधित कर दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन के कार्यकाल को याद करते हुवे, उनके बताए रास्ते पर चलने का शपथ लिए। मौके पर मो. रियासत आलम, महावीर राणा, मो. अफजल,सुरेन्द्र बर्मा समेत दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे.

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य कैसे पूरा हो

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने युवाओं को दिया मंत्र

नवप्रदेश, पटनाः बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि 2047 के भारत के सपनों को साकार करने में मेडिकल छात्र-छात्राओं की अहम भूमिका होगी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध के जरिए बीमारियों से लड़ने के तरीके और मृत्युदर को कम करके एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण किया जायेगा। स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होगा। शिक्षा का उद्देश्य पैसा कमाना नहीं, बल्कि अपने अंदर संवेदनशीलता और करुणा को बढ़ाना है। शनिवार को अल-करीम विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल ने छात्रों को बेहतर भविष्य की शुभकमानाएं देते हुए कहा कि इस दुनिया में माता-पिता और गुरु ही एकमात्र ऐसे इंसान हैं, जो अपने बच्चों और छात्रों को अपने से बड़ा देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मां, पिता और गुरु का कर्ज कोई इंसान नहीं चुका सकता। उन्होंने विश्व विजेता कहे जाने वाले सिकंदर का उदाहरण देते हुए कहा कि उसने कहा था कि मेरे मां-पिता मुझे दुनिया में लाए, मगर उस्ताद ने आसमान की बुलंदियों पर पहुंचाया है। एकलव्य ने शिक्षक के प्रति ऐसा विश्वास जताया कि बिना गुरु शिक्षा के ही अर्जुन से तेज धनुर्धर बन गया। स्वामी विवेकानंद के विचारों की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान का उद्देश्य समाज में व्याप्त विभिन्नताओं को स्वीकार कर उन्हें सम्मान देना हैं। समारोह में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि 20 वर्ष पूर्व 9 मेडिकल कॉलेज में छह सरकारी और केएमसीएच सहित तीन निजी मेडिकल कॉलेज थे, मगर अब 26 मेडिकल कॉलेज हैं।

सांसद संजय जायसवाल की 'शून्य' सक्रियता विकास की फाइलें धूल फांक रहीं, जनता बेहाल

नवप्रदेश संवाददाता

पश्चिम चंपारण : पश्चिम चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल की कार्यप्रणाली पर इस रिपोर्ट ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आंकड़े बताते हैं कि भाजपा के इस कद्दावर नेता और क्षेत्र के प्रतिनिधि ने सांसद निधि के तहत विकास कार्यों के लिए एक भी रुपया खर्च करना तो दूर, अब तक किसी एक भी विकास कार्य की अनुशंसा तक नहीं की है।

यह स्थिति तब है जब पश्चिम चंपारण की जनता बाढ़, बुनियादी ढांचे की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रही है। क्षेत्र के विकास का दावा करने वाले संजय जायसवाल की यह 'शून्य' रिपोर्ट उनकी गंभीरता और क्षेत्र के प्रति जवाबदेही पर एक तीखा प्रहार है। सांसद निधि का उपयोग न करना सीधे तौर पर जनता के हक को मारना है, क्योंकि यह राशि सीधे तौर पर स्थानीय सड़क, स्कूल, चापाकल और अन्य सुविधाओं के लिए होती है। सिर्फ पश्चिम चंपारण ही नहीं, बल्कि बिहार के कई अन्य बड़े चेहरों ने भी अपनी सांसद निधि को हाथ तक नहीं लगाया है। इन सांसदों ने न तो फंड खर्च किया और न ही किसी योजना को आगे बढ़ाया। जनता के बीच पैठ रखने का दावा करने वाले इन माननीय सांसदों की यह सुस्ती आने वाले समय में उनकी राजनीतिक साख पर भारी पड़ सकती है। खासकर संजय जायसवाल जैसे अनुभवी नेताओं से जनता जिस विकास की उम्मीद लगाए बैठी थी, उसके बदले उन्हें अब तक केवल 'कोरा कागज' ही मिला है।

- सांसद निधि का उपयोग न होने से सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रभावित।
- जनता की उम्मीदों के विपरीत विकास फाइलें अटकीं, जवाबदेही पर सवाल खड़े हुए।

विकास कार्यों में 'जीरो' प्रदर्शन करने वाले सांसद

- पश्चिम चंपारण, संजय जायसवाल, बीजेपी
- पाटलिपुत्र, मीसा भारती, आरजेडी
- मुंगेर, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, जेडीयू
- समस्तीपुर, शांभवी चौधरी, एलजेपी (आर)
- सारण, राजीव प्रताप रूडी, बीजेपी
- नवादा, विवेक ठाकुर, बीजेपी

विशेष नोट: यह रिपोर्ट 6 जनवरी 2026 तक MPLADS पोर्टल पर उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों पर आधारित है।

संक्षिप्त खबरें

कोशिश बदलाव फाउंडेशन के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन

नवप्रदेश, भोजपुर : सामाजिक संस्था प्रयास एक कोशिश बदलाव का फाउंडेशन के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस तथा राष्ट्रीय युवा दिवस के पूर्व संध्या पर रेडक्रॉस सोसाइटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।इसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रम संसाधन मंत्री संजय टाइगर उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि संस्था का काम सराहनीय है और रक्तदान महादान होता है संस्था के सारे युवा मानवता का काम कर रहे हैं रक्तदान करके। इस अवसर पर रेडक्रॉस के चेयरमैन डॉक्टर विवेकानंद यादव, रेड क्रॉस की सचिव विभा कुमारी तथा अन्य बहुत सारे लोग उपस्थित थे रक्तदान करने वालों में निधि कुमारी ,कुमारी ज्योति ,एनी बेसेंट, सम्राट सिंह, संजीव कुमार ,विद्यासागर ,दीपा मिश्रा ,विशाल भारद्वाज ,अभिषेक कुमार ,पंकज कुमार श्रीवास्तव, संतोष सिंह ,कुमार मंगलम, संजीव कुमार, धनेन्द्र कुमार,देवेंद्र कुमार इत्यादि बहुत से लोग ने रक्तदान किया।

तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से किशोरी जख्मी, चालक फरार

पीरो (आरा) : पीरो थानान्तर्गत आरा–सासाराम स्टेट हाइवे पर पीरो नगर के वार्ड संख्या 26 स्थित विवेकानंद स्कूल के समीप शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार बाइक ने एक 12 वर्षीय किशोरी को टक्कर मार दिया। इस घटना में किशोरी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जबकि बाइक चालक बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। घायल किशोरी की पहचान बिहियां थाने के मझौली गांव निवासी श्यामबाबू यादव की पुत्री खुशबु कुमारी की रुप में हुई है। जख्मी किशोरी का परिवार वर्तमान समय में पीरो नगर वार्ड 26 में किराये के मकान में रहता है। स्थानीय समाजसेवी शुभम कुमार, मंटू कुमार एवं विकास मिश्रा ने मानवता का परिचय देते हुए घायल किशोरी को तत्काल पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद किशोरी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अभिषेक सिंह ने आर्थिक सहयोग प्रदान कर किशोरी को सदर अस्पताल भेजवाया । फिलहाल किशोरी का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

आज से गांधी मैदान में आम लोगों की नो एंट्री, डीएम त्यागराजन एसएम का फरमान

नवप्रदेश, पटना : गांधी मैदान में रविवार से आम लोगों के प्रवेश पर रोक रहेगी। यह रोक 25 जनवरी तक प्रभावी रहेगी। 77 वें गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने यह रोक लगाई है। शनिवार को अधिकारियों की टीम संग गांधी मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने गणतंत्र दिवस की तैयारियों की समीक्षा की। डीएम ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन होगा। गांधी मैदान को चार जोन में बांटकर अपर जिला दंडाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में मानकों के अनुसार सभी तैयारी चल रही है। पदाधिकारियों को उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन, सुदृढ़ विधि–व्यवस्था संधारण तथा सुचारू यातायात प्रबंधन प्रशासन के लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहने का निर्देश दिया गया। परेड का रिहर्सल 11 जनवरी से शुरू होगा। इस अवसर पर डीएम के साथ नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, नगर पुलिस अधीक्षक, एसडीओ, सहित सभी विभागों के अन्य वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे। 128 सीसीटीवी कैमरों से पूरे गांधी मैदान एवं आसपास की निगरानी होगी। अस्थायी थाना, नियंत्रण कक्ष एवं 18 वॉच टावर बनेंगे। 136 एलईडी मेटल लाइट, 229 पोल लाइट एवं 15 हाईमास्ट लाइट से प्रकाश की व्यवस्था रहेगी। उन्होन कहा कि गणतंत्र दिवस की तैयारियों का नियमित पर्यवेक्षण करने के लिए उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक बहु–सदस्यीय उप समिति 24 गुना 7 क्रियाशील है।

समस्तीपुर में गजब के लुटेरे.. व्यापारी का कैश लूटा और पार्टी के लिए मुर्गा भी ले उड़े!

नवप्रदेश, समस्तीपुर : बिहार में भले ही सुशासन राज हो लेकिन लुटेरे अजब–गजब की लूट कर रहे हैं. मामला समस्तीपुर जिले का है जहां व्यवसायी से लूट के दौरान न सिर्फ उसके पैसे लूटे गए बल्कि, लूट की सफलता पर मुर्गा पार्टी के लिए मुर्गे भी साथ ले उड़े. हालाकि इस कहानी में मुर्गे की वजह से ही ट्विस्ट भी आ गया.मामला घटहो थाना क्षेत्र का है जहां बदमाशों ने बाइक से व्यवसाई के पिकअप का पीछा किया और ओवरटेक करके पिकअप रुकवाकर लूटपाट की. अपराधियों ने पिस्तौल की नोंक पर लूट की घटना को अंजाम दिया. जब लूट सफल हो गई तो मुर्गा पार्टी के लिए उसके 5 मुर्गे भी उठा लिए और फरार हो गए.वारदात की सूचना व्यवसाई ने पुलिस को दिया. सूचना पाते ही पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई. एक पुलिस की टीम अपराधियों के संभावित फरार होने की दिशा में बढ़ने लगी. मुर्गा लेकर भागना ही अपराधियों के लिए काल बन गया. पुलिस पीछा करते हुए पूछते–पूछते उनके ठिकानों तक जा पहुंची.अपराधी मस्त होकर लूटे गए मुर्गे को पकाने में जुटे थे. तभी पुलिस ने घेराबंदी करके उसे मुर्गे समेत रंगेहाथ दबोच लिया. पुलिस को मौके पर लूट के पुख्ता सबूत मिले. जिसमें लूट में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद हो गई. पुलिस ने उनसे कड़ाई से पूछताछ की तो पुलिस के सामने बदमाश टूट गए और अपनी संलिप्तता को कबूल किया.पुलिस ने आरोपी बदमाशों की पहचान कर ली है. इनमें से एक आरोपी रितेश कुमार का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है. पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

बर्थडे पार्टी में गया युवक लापता, पिता ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नवप्रदेश, सूर्यपुरा : सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव का एक युवक मित्र का बर्थडे पार्टी मनाने गया घर वापस नहीं लौटा। पिता ने थाने में दर्ज कराई प्राथमिक, थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि थाना क्षेत्र के बहुआरा निवासी राजेश कुमार सिंह के द्वारा दर्ज कराए गए प्राथमिकी में लिखा गया है ,कि उनका 19 वर्षीय पुत्र विष्णु कुमार बीते 08 जनवरी को घर से बोल कर गया कि वह अपने मित्र नटवार थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी अभिषेक कुमार के बर्थडे पार्टी में शामिल होने जा रहा है। जबकि दूसरे दिन घर नहीं लौटने पर कई दिनों से आस पड़ोस के साथ ही नाते रिश्तेदारों में काफी खोजबीन के बाद। जब कहीं कुछ पता नहीं चला तो संदेह के आधार पर उसके मित्र अभिषेक कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है, थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

राज राजेश्वरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में चोरी, युको क्लब के कमरे से सामान गायब

नवप्रदेश, सूर्यपुरा :राज राजेश्वरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूर्यपूरा के पीछे स्थित युको क्लब के कमरे से अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस वारदात में चोरों ने दो पंखे,लोहे की कुर्सी सहित कई अन्य उपयोगी सामान चुरा लिए। प्रभारी प्रधानाध्यापक राजीव रंजन ने बताया कि यह चोरी की घटना पहली बार नहीं है, इससे पूर्व भी इसी तरह की घटना हो चुकी है, जिससे विद्यालय प्रबंधन में चिंता बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि जब विद्यालय कर्मी परिसर की ओर गए तो देखा कि युवा क्लब के कमरे का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर जांच करने पर कई सामान गायब पाए गए। घटना की सूचना संबंधित विभाग और स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। विद्यालय प्रबंधन ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए चोरों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके ।थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने कहा की चोरी की घटना को लेकर प्राथमिकी अज्ञात के विरुद्ध की गई है।

विशेष अभियान में 17 स्थानों पर 215 किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन

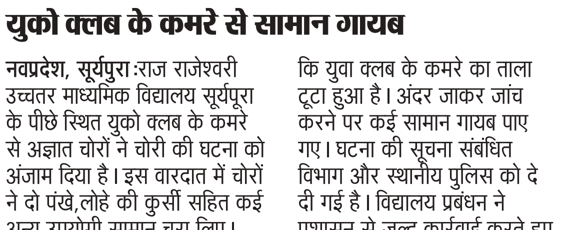

नवप्रदेश, सूर्यपुरा : प्रखंड के कुल 17 स्थानों पर बीडीओ, सीओ, बी ए ओ, सीडीपीओ, बी ई ओ ने रविवार को अभियान चला कर फॉर्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य किया. बीडीओ तेज बहादुर सुमन , सीओ गोल्डी कुमारी, बी ई ओ मनोज कुमार, सीडीपीओ प्रतीक्षा दूबे, बी ए ओ श्री यादव के साथ ही , राजस्व एवं कृषि सहित अन्य विभाग के सभी कर्मियों के द्वारा रविवार को विशेष अभियान के तहत प्रखंड क्षेत्र के सदर पंचायत, बलिहार पंचायत, अगरेड कला पंचायत, शिवोबहार पंचायत तथा गोशलडीह पंचायत के अलग अलग गांव में कुल 17 स्थानों पर शिविर आयोजित कर 215 किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन किया. सीओ ने बताया कि प्रखंड में अब तक कुल साढ़े आठ सौ लोगों का फॉर्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य पूरा हो गया है.

ट्रक में बना रखा था गुप्त तहखाना, अफसर ढूंढ नहीं पाए लेकिन कुत्ते ने सूंघ ली तस्करी की शराब

मुजफ्फरपुरः उत्पाद विभाग ने ट्रक के गुप्त तहखाने से विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की. अफसरों को न दिखा तहखाना, लेकिन डॉग स्क्वायड ने सूंघकर खोल दिया राज. तस्करों की चालाकी पर डॉग स्क्वायड की सूंघने की ताकत भारी पड़ गई. मुजफ्फरपुर में उत्पाद विभाग ने एक ट्रक से विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है. हैरानी की बात यह है कि शराब को छिपाने के लिए ट्रक में एक गुप्त तहखाना बनाया गया था, जिसे अफसरों की नजर नहीं पकड़ पाई. लेकिन डॉग स्क्वायड ने अपनी सूंघने की क्षमता से इस तहखाने का पता लगा लिया. मामला मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र का है. उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली नंबर की एक ट्रक में विदेशी शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है. सूचना के आधार पर टीम ने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर मलंग स्थान के पास घेराबंदी की.

सदर विधायक ने मुख्यमंत्री से की औपचारिक भेंट, नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं

नवप्रदेश, खगड़ियाः जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष सह सदर विधायक बबलू कुमार मंडल ने रविवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से औपचारिक भेंट कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

भेंटवार्ता के दौरान सदर विधायक ने खगड़िया जिले से जुड़े कई महत्वपूर्ण विकासात्मक मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने खगड़िया में मेडिकल कॉलेज अस्पताल की स्थापना एवं शिलान्यास, सदर प्रखंड के रहीमपुर मध्य एवं रहीमपुर उत्तरी पंचायत अंतर्गत उमेश नगर तारतर रेलवे लाइन के पूर्वी भाग से बुढ़ी गंडक नदी किनारे होते हुए बुढ़ी गंडक पुल तक रिंग बांध निर्माण कराने की मांग की। इसके साथ ही छर्रापट्टी बरखंडी टोला-मथार दियारा होते हुए इंग्लिश टोला से आगे टीकारामपुर तक गंगा कटाव निरोधक कार्य एवं रिंग बांध निर्माण, रहीमपुर मध्य पंचायत अंतर्गत अवध बिहारी संस्कृत महाविद्यालय की अधीनस्थ भूमि पर भव्य स्टेडियम निर्माण, मां कात्यायनी धाम का जीर्णोद्धार, कसरैया धार का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण, कामाथानझइचरूआ बागमती नदी पर पुल, तथा उत्तर माड़र के बोचघसका, कामाथान और बलौर में पुल निर्माण जैसे प्रस्ताव रखे गए। विधायक ने खगड़िया में मक्का आधारित उद्योग, मत्स्य पालन, केला, पान, दूध एवं सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विधायक बबलू कुमार मंडल ने बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधायकी कार्यों के साथ-साथ जदयू सदस्यता अभियान एवं सांगठनिक कार्यक्रमों को लेकर भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।

भाजपा कार्यकताओं ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया

नवप्रदेश, जगदीशपुर : जगदीशपुर नगर स्थित शिव जी के पोखरा योगेश्वर नाथ शिव मंदिर में नगर के भाजपा कार्यकताओं ने सोमनाथ मंदिर को 1000 वर्ष पूरे होने पर विधिवत रूप से पूजा अर्चना की इस मौके पर कार्यकताओं ने कहा कि जनवरी 2026 में गजनी के महमूद ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण कर मंदिर को ध्वस्त कर दिया था 2026 में इस आस्था और सभ्यता के महान प्रतीक पर किए गए बर्बर आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं सोमनाथ को इसी 1000 वर्षों को सहनशीलता पुनरुत्थान और निरंतरता को रेखांकित करने के लिए इस वर्ष को हम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में हम सभी कार्यकर्ता मना रहे हैं इस मौके पर प्रसाद साह, नगर महामंत्री कुमार गौतम सिन्हा ,अर्जुन प्रसाद, अरुण सिंह, नागेंद्र केसरी, कृपा शंकर पांडे, शिवजी प्रसाद, राकेश यादव,सतीश जी, राजकुमार पटवा ,रवि कुमार सिन्हा, सोनू कुमार ,अखिलेश सिंह, अभिषेक पांडे सहित इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ की बगहा पुलिस जिला इकाई का गठन, प्रो. अरविन्द नाथ तिवारी बने प्रमंडल अध्यक्ष

नवप्रदेश, बगहाः भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ की बगहा पुलिस जिला इकाई का गठन वरिष्ठ पत्रकार प्रो. अरविन्द नाथ तिवारी के आवास पर आयोजित एक भव्य बैठक में किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिलाध्यक्ष शैलेश उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बगहा पुलिस जिला क्षेत्र के सैकड़ों पत्रकारों की भागीदारी ने आयोजन को गौरवशाली और ऐतिहासिक बना दिया।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें प्रो. अरविन्द नाथ तिवारी को प्रमंडल अध्यक्ष मनोनीत किया गया, जबकि इजरायल अंसारी को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिवक्ता सह पत्रकार चंद्रभूषण शांडिल्य को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। इसके अतिरिक्त तूफानी चौधरी, उमेश दुबे, राजीव रंजन तथा चंद्र प्रकाश आर्य को उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। संगठन की मजबूती के लिए मुरारी शरण तिवारी, नरेंद्र पाण्डेय एवं हरेंद्र यादव को महामंत्री पद का दायित्व सौंपा गया। अन्य पदों पर भी योग्य पत्रकारों का चयन कर संगठन को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया ।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से आए प्रतिनिधिमंडल में दुर्गेश मिश्र, श्रीप्रकाश तिवारी, प्रदुमन दुबे, मनोज मिश्र, कृष्ण मोहन पांडेय, हरीशंकर चौबे और दुर्गा दयाल तिवारी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी अतिथियों ने ग्रामीण पत्रकारों के हितों की रक्षा, निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देने और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया ।बैठक में पत्रकार माधवेंद्र पांडेय, विवेक पांडेय, पंचानन सिंह, संजय पांडेय, अमन यादव, इमरान अजीज, विवेक सिंह, निर्भय कुमार, अभ्य पांडेय, दिलीप दुबे, नीरज मिश्र, संजीव तिवारी, शिवा तिवारी, मो. शमशाद, कौशल कुमार, रवीश मिश्र, राजेश बैठा, हरेंद्र यादव, उपेंद्र शुक्ला, विजय कुमार, विंदेश्वर कुमार, संदीप चित्रांश, क्षितिज राज, मेघनाथ साह सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे ।नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी पत्रकार साथियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि संगठन को एकजुटता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा और ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा।

चाटुकारिता से गिरा पत्रकारिता का स्तर, स्वाभिमानी पत्रकारों ने जताई चिंता

मोतिहारीः एक निजी होटल सभागार कक्ष में पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिले से जुड़े अपने स्वाभिमान के लिए जाने जाने वाले पत्रकारों एक बैठक आरडी पांडे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व पत्रकारिता का वह दौर था जब पत्रकार की नाम से शासन और प्रशासक दोनों भय खाते थे लेकिन आज आए दिन पत्रकार हमला होना ताथा पत्रकारिता को हिन नजर से देखे जाना यह आम बात हो गई है और इसका कारण आप और हमारे बिच के हि कुछ ऐसे लोग हैं जो शासक और प्रशासक दोनों के आगे पीछे करते नजर आ जाते हैं इतना ही नहीं ऐ लोगो अपनी चाटुकारिता के चक्कर में अपने ही साथियों को बुराई करने से भी नहीं थकते ऐसे लोग बराबर अधिकारियों और राजनेताओं के आगे पीछे करते नजर आते हैं ऐसा मालूम पड़ता है कि इन्होंने अपनी गरिमा को इनके हाथों बेच डाली है और अपने आप को एक बडे बैनर के या कहें तो बड़ा पत्रकार होने का दावा करते थकते नहीं पर जब हमारे ये साथीअपने पिछे ये नहीं सोचते कि इनकी इसी आदत ने पत्रकारिता को गर्त में डाल रही है।

पतिलार पंचायत में पीएम आवास योजना के लाभुकों की सघन भौतिक जांच, अपात्रों पर होगी कार्रवाई

नवप्रदेश, बगहा : प्रखंड के पतिलार पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयनित लाभुकों की भौतिक जांच की गई ।यह जांच आवास योजना सहायक पंकज कुमार यादव मुखिया प्रतिनिधि डॉ अभिषेक मिश्रा तथा वार्ड सदस्यो द्वारा विधिवत रूप से संपन्न कराई गई। जांच के दौरान लाभुकों के आवास की वर्तमान स्थिति, प्रस्तुत दस्तावेजों की प्रामाणिकता और योजना के निर्धारित मानकों के अनुसार पात्रता की गहन समीक्षा की गई। आवास सहायक पंकज कुमार यादव ने बताया कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ वास्तविक और जरूरतमंद लोगों को ही मिले। इसी क्रम में सभी चयनित लाभुकों की स्थल जांच की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि जिन लाभुकों के दस्तावेज अधूरे पाए जाएंगे, उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश दिए जाएंगे, जबकि अपात्र पाए जाने वाले लाभुकों के नाम सूची से हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। वही डॉ अभिषेक मिश्रा ने बताया कि मेरी पूरी कोशिश है की पंचायत के एक भी वैसे लाभार्थी जो इस योजना के योग्य है छूट नही जाए इसके लिए हमलोग पूरी तरह से लगे हुए है अधिकारियों की इस कार्रवाई से क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ी है, जिससे ग्रामीणों में संतोष और विश्वास का माहौल देखने को मिला।

पिंकअप ने टेम्पो में पीछे मारी , टेम्पो पलटा, टेम्पो चालक सहित सवार आधा दर्जन शिक्षक , शिक्षिका घायल

नवप्रदेश, नौतन : स्थानीय थाना क्षेत्र के पांडेय टोला गांव के पास शनिवार की शाम एक पिकअप वैन ने टेम्पो में पीछे से ठोकर मार दिया। जिससे टेम्पो पलटा गया और टेम्पो में सवार सभी लोग जख्मी हो गए। सभी घायलों का ईलाज निजी क्लिनिक में कराया है। मिली जानकारी के अनुसार टेम्पो में सवार सभी शिक्षक और शिक्षिका मडुवाहा मुसहर टोली में पढ़ाते थे। सभी टेम्पो में सवार होकर बेतिया जा रहें थे ।तभी पांडेय टोला के पास मंगलपुर मच्छरगावां के तरफ से आ रही पिंकअप ने पीछे से ठोकर मार दी और टेम्पो पलटा गया। जिससे टेम्पो में सवार चालक सहित सभी शिक्षक जख्मी हो गए। और टेम्पो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि पिंक अप को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। पिंक अप का ड्राइवर शराब के नशे में था। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई।

जेडीयू ने 12 नेताओं को पार्टी से निकाला

नवप्रदेश, पटना : जदयू ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पार्टी विरोधी कार्य करने वाले एक दर्जन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है. जिन नेताओं पर कार्रवाई की गई है उनमें से औरंगाबाद, सिवान, गया जी, दरभंगा, जहानाबाद, सहरसा के नेता शामिल हैं. प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की ओर से जारी किए गए लेटर में औरंगाबाद, सहरसा और सिवान के दो–दो नेता जबकि जहानाबाद के चार नेता शामिल हैं. वहीं गया और दरभंगा के एक–एक नेता शामिल हैं. सभी को 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है. यह कार्रवाई पार्टी द्वारा गठित तीन सदस्य समिति की रिपोर्ट पर की गई है. जिसमें पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों के खिलाफ काम करने का आरोप है. राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय झा के पटना आने पर उन्हें अनुशासन समिति की ओर से तैयार एक रिपोर्ट भी सौंपी गई थी. चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी की अध्यक्षता में पार्टी ने एक अनुशासन समिति बनाई थी. जिसमें पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार और मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार भी सदस्य बनाए गए थे. पार्टी के वरिष्ठ नेता और जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी की उपस्थिति में संजय झा को रिपोर्ट दी गई थी. उस रिपोर्ट के बाद ही यह पहली कार्रवाई हुई है. जदयू नेताओं से जो जानकारी मिल रही है उसके अनुसार आने वाले समय में और नेताओं पर कार्रवाई हो सकती है. पार्टी की ओर से अनुशासन कायम रखने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है. जहानाबाद में पार्टी को लोकसभा चुनाव में भी हार मिली थी. विधानसभा चुनाव में भी हार मिली है.

अवैध मिनी गन फैक्ट्री का उद्वेदन तीन गिरफ्तार

नवप्रदेश, डेहरीः जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के देव मारकंडे गांव के पास पुलिस में छापामारी कर अवैध मिनी गन फैक्ट्री का उद्वेदन करने में सपा सफलता पाई है। यह जानकारी देते हुए एसपी रोशन कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों को बताया कि दिनांक 10.01.26 की संध्या में आसूचना प्राप्त हुई कि काराकट थानाक्षेत्र के देव मार्कण्डेय (परसर) गाँव के पास रामाशंकर शर्मा एवं उसका भतीजा सोनू कुमार जो ग्रील निर्माण का दूकान चलाता है उसकी आड़ में अवैध रूप से अग्नेयास्त्र का निर्माण बिक्री एवं मरम्मत करता है, जहाँ छापामारी करने पर मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन हो सकता है।

प्राप्त आसूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बिक्रमगंज के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसमें थानाध्यक्ष काराकट थाना, थानाध्यक्ष कच्छवों थाना तथा तकनीकी सहायता के लिए जिला आसूचना इकाई, रोहतास को भी शामिल किया गया।

गठित टीम के द्वारा काराकाट थानाक्षेत्र के देव मार्कण्डेय (परसर) गाँव के पास स्थित रामाशंकर शर्मा के ग्रील निर्माण दूकान पर छापामारी की गई जहाँ से दो देशी कट्टा, एक जिन्दा कारतूस, अर्ध-निर्मित देशी कट्टा , तीन क्षतिग्रस्त देशी कट्टा , एक अर्ध-निर्मित पुराना देशी कट्टा,एक मैगजीन , एक खोखा , एक पेचकश , एक लोहा काटने का सीरसा,एक वायरनियर , हथियार का बैरल बनाने में उपयोग किये जाने में दो लोहे का रड ,एक नोकिया कम्पनी का की-पैड मोबाईल बरामद किया गया तथा दूकान में मौजूद रामाशंकर शर्मा तथा सोनु कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया।

गठित टीम के समक्ष पूछताछ में रामाशंकर शर्मा ने काण्ड का खुलासा करते हुए बताया कि ये अपने ग्रील निर्माण की दूकान के आड़ में अवैध देशी कट्टा/पिस्टल का निर्माण, मरम्मत तथा बिक्री करते हैं। इस कार्य में कच्छवों थानाक्षेत्र के दनवार गाँव के निवासी शशि सिंह भी इनके सहयोगी हैं।

उन्होंने बताया कि गठित टीम के द्वारा कच्छवां थानाक्षेत्र के ग्राम दनवार में छापामारी की गई जहाँ से शशि सिंह को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया तो उसके निशानदेही पर उनके गाँव के बगल में स्थित उनके बगीचे से पुआल के निचे ढककर रखा हुआ हथियार के बैरल बनाने में उपयोग की जाने वाली लोहे का छोटा-बडा कुल छः रड, हथियार बनाने में उपयोग किये जाने वाला स्त्रींग तथा एक फायर किया हुआ खोखा बरामद किया गया जिसके उपरांत शशि सिंह को भी गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं तकनिकी साक्ष्य के आधार पर इस काण्ड में बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंकेज का पता लगाया जा रहा है जिनके विरूद्ध साक्ष्यानुसार आगे की कार्रवाई की जायेगी।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विध्वंस नहीं

1000 साल की यात्रा का पर्व: प्रधानमंत्री

सोमनाथ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सोमनाथ पर आक्रमण आर्थिक लूट के लिए नहीं बल्कि तुष्टिकरण के लिए किया गया। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर रविवार को सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'यह पर्व विध्वंस नहीं बल्कि 1000 साल की यात्रा का पर्व है। सोमनाथ को नष्ट करने के अनेकों प्रयास हुए। उसी तरह विदेश आक्रांताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं लेकिन न तो सोमनाथ नष्ट हुआ और न ही भारत नष्ट हुआ। क्योंकि भारत और भारत की आस्था के केंद्र एक-दूसरे में समाए हुए हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'आज तलवारों के जगह दूसरे तरीकों से भारत के खिलाफ षड्यंत्र हो रहे हैं इसलिए हमें ज्यादा सावधान रहना है। हमें खुद को शक्तिशाली बनाना है। ऐसी हर ताकत को हराना है जो हमें बांटने की साजिश रच रही हो। जब हम अपनी विरासत और आस्था से जुड़े रहते हैं तो हमारी सभ्यता की जड़ें मजबूत होती है। मैंने भारत के लिए एक हजार साल का विजन रखा था। आज देश की संस्कृति का पुनर्जागरण करोड़ों देशवासियों के मन में विश्वास भर रहा है। विकसित भारत के लिए लोगों को भी भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा। हम विकास की नई ऊंचाई को छुएंगे। देश अब तैयार हो चुका है। सोमनाथ मंदिर की ऊर्जा हमारे संकल्पों को आशीर्वाद दे रही है। विरासत की प्रेरणा दे रही है।'

उन्होंने कहा कि जब महमूद गजनी से लेकर औरंगजेब हमले कर रहे थे तब वे भूल गए थे कि सोमनाथ के नाम में सोम यानी अमृत है। ऐसे में जब-जब इसे नष्ट करने की कोशिश हुई, सोमनाथ मंदिर उठ खड़ हुआ। मजहबी कट्टरपंथी इतिहास के पन्नों में सिमट गए तो वहीं सोमनाथ मंदिर आज भी स्वाभिमान से खड़ा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि गजनी को लगा था कि उसने सोमनाथ मंदिर के वजूद को मिटा दिया लेकिन 12 शाताब्दी में पुनर्निर्माण हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान सोमनाथ को अर्पित की मराठी पगड़ी

सोमनाथ: सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमनाथ महादेव को विशेष पगड़ी अर्पित की। यह पगड़ी केवल एक धार्मिक अर्पण नहीं, बल्कि भारतीय स्वाभिमान, सांस्कृतिक गौरव और नारी शक्ति के उत्कृष्ट संकल्प का प्रतीक है। महारानी अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति, धैर्य और सामर्थ्य की शाश्वत प्रतीक रही हैं। इसी भावना को उजागर करती यह पगड़ी सोमनाथ ट्रस्ट से जुड़ी महिलाओं द्वारा श्रद्धा और निष्ठा से तैयार की गई है। इस विशेष पगड़ी में 21 पीतांबर और चांदी के आभूषणों का सुंदर संयोजन किया गया है। भारतीय सनातन परंपरा में पगड़ी सम्मान और गौरव का प्रतीक मानी जाती है। पंजाब की सिख पगड़ी, मराठी और गुजराती पगड़ी तथा मैसूर की पेटा पगड़ी ये सभी भारतीय सम्मान और पहचान की प्रतीक हैं। इस पगड़ी का महत्व केवल पूजा तक सीमित नहीं है। पूजा के बाद श्रृंगार पूर्ण होने पर पगड़ी को खोलकर उसमें से प्राप्त पीतांबर और साड़ियों को गुजरात के वृद्धाश्रमों, दिव्यांग गृहों और आदिवासी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को वितरित किया जाता है। पीतांबर से झब्बे तैयार कर भी वितरण किया जाता है। अब तक 21,000 से अधिक लाभार्थियों तक सोमनाथ महादेव का वस्त्र प्रसाद पहुंचाया जा चुका है, जो दरिद्र नारायण सेवा का अनुपम उदाहरण है।

केरल में केवल वोट प्रतिशत बढ़ाना लक्ष्य नहीं, भाजपा का होगा मुख्यमंत्री: शाह

तिरुवनंतपुरम: केरल राज्य में विधानसभा चुनाव की तारीखों का भले ही अभी ऐलान नहीं हुआ हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को तिरुवनंतपुरम पहुंचे और पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कर चुनाव की रणनीति पर मंथन किया। उनके इस दौरे को केरल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव अभियान की औपचारिक शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में दावा किया कि वर्ष 2026 में केरल की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा और राज्य को भाजपा का मुख्यमंत्री मिलेगा। उन्होंने कहा कि हाल के स्थानीय निकाय चुनाव में तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि केरल बदलाव की ओर अग्रसर है।

संघ अपने मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है: भागवत

- संघ समय के साथ बदल नहीं रहा, बल्कि अपने मूल विचार, संस्कार और मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है।
- फिल्म 'शतक' और गीत 'भगवा है अपनी पहचान' संघ की राष्ट्रनिष्ठा, सेवा-भाव व सांस्कृतिक चेतना को उजागर करते हैं।

नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन ही संघ की आत्मा है और उसका मूलमंत्र भारत सर्वोपरि है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समय के साथ बदल नहीं रहा बल्कि अपने मूल विचार, संस्कार और मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित फिल्म शतक का पहला गीत भगवा है अपनी पहचान रविवार को दिल्ली के केशव कुंज में आयोजित विशेष समारोह में लॉन्च किया गया। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गीत का औपचारिक लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि फिल्म शतक और इसका एंथम संघ की राष्ट्रनिष्ठा, आंतरिक शक्ति और सेवा-भाव को प्रभावी ढंग से सामने लाते हैं। यह फिल्म संघ की उन कहानियों को भी उजागर करती है, जो अब तक आम जनमानस के सामने नहीं आ पाईं। डॉ. हेडगेवार में लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता थी। वे जीवन की कठिन चुनौतियों का भी समभाव से सामना करते थे और यही गुण संघ की कार्यप्रणाली में आज भी दिखाई देता है। संघ की विचारधारा स्थिर नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुसार निरंतर विकसित होने वाली है। उन्होंने कहा कि गीत भगवा है अपनी पहचान में भगवा रंग को केवल प्रतीक के रूप में नहीं बल्कि भारत की सभ्यतागत चेतना और पहचान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। गीत में भगवा को त्याग, तपस्या, अनुशासन, सेवा और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बताया गया है। यह समाज को सामूहिक चेतना के साथ एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान करता है। जाने-माने गायक सुखविंदर सिंह ने अपनी ऊर्जावान आवाज से गीत को प्रभावशाली बनाया है। संगीतकार सनी इंदर की सशक्त धुनों और गीतकार राकेश कुमार पाल के ओजपूर्ण शब्दों ने गीत को जोश और भावनात्मक गहराई प्रदान की है। इस अवसर पर सुखविंदर सिंह ने कहा कि उनका गीत मोहन भागवत द्वारा लॉन्च किया जाना उनके लिए गर्व और आशीर्वाद का क्षण है। यह गीत उनके लिए केवल एक पेशेवर कार्य नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा है।

अमेरिका का ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत

तेहरान/वाशिंगटन: ईरान में गुजर चुके साल के 28 दिसंबर से महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन ने इस्लामी गणराज्य शासन की नींद उड़ा दी है। सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के प्रदर्शनकारियों को दंगाई कहने से लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सारा देश हिंसा की लपटों से घिरा हुआ है। सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच टकराव में बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति हुई है। कई जगहों पर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया गया। गोलीबारी में मारे गए लोगों के प्रति चिंता जताते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत दिया है।

48 घंटों में कम से कम 2,000 लोग मारे गए : ईरान इंटरनेशनल ने विभिन्न वीडियो फुटेज के आधार पर प्रसारित रिपोर्ट में ईरान के मौजूदा सूरत-ए-हाल की विस्तार से चर्चा की है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ईरान के सुरक्षा बल देश भर में प्रदर्शनकारियों पर जानलेवा बल प्रयोग कर रहे हैं। शुरूआती अनुमान है कि बड़े पैमाने पर लोग मारे गए हैं। देश में आठ जनवरी से इंटरनेट सेवा बंद है। तेहरान के दक्षिण में कहरीजाक से मिले वीडियो फुटेज में कई शव दिख रहे हैं।

ऐसे ही वीडियो फरदीस, करज और पूर्वी तेहरान के अलगादिर अस्पताल से पहले भेजे गए। इनमें भी शव नजर आ रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि पिछले 48 घंटों में कम से कम 2,000 लोग मारे गए हैं। उत्तरी शहर रश्त के एक डॉक्टर के अनुसार, अकेले एक अस्पताल में कम से कम 70 शव पहुंचाए गए। इलम और करमानशाह के पश्चिमी प्रांत भी हिंसा से घिरे हुए हैं।

माता-पिता को चेतावनी, बच्चों की जान की परवाह है तो उन्हें सड़कों से दूर रखें : रिपोर्ट के अनुसार, जन आक्रोश को स्वीकार करने या लोगों से बातचीत करने के बजाय ईरान के नेतृत्व ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सरकारी टेलीविजन में कहा जा रहे है कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

अमेरिका में विश्व हिन्दी दिवस एवं प्रवासी भारतीय दिवस आयोजित

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका): सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) के आईसीसी हॉल, मिलपिटस एरिया में, विश्व हिन्दी दिवस एवं प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर शनिवार को एक भव्य सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में हिस्सा लेते हुए सैन फ्रांसिस्को से गुवाहाटी निवासी जाने-माने समाजसेवी डॉ. प्रेमकांत चौधरी ने रविवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि इस गरिमामय समारोह में प्रवासी भारतीय समुदाय के लगभग 16 संस्थाओं ने संयुक्त सहभागिता करते हुए हिन्दी भाषा, भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के महावाणिज्यदूत, सैन फ्रांसिस्को के डॉ. के. क्रिकर रेड्डी एवं उप-महावाणिज्यदूत राकेश अदलखा द्वारा यूपीएमए के अध्यक्ष रितेश टंडन के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

पाकिस्तान ने सोमालीलैंड को मान्यता देने के लिए इजराइल को आड़े हाथों लिया

जेद्दा (सऊदी अरब): पाकिस्तान के विदेशमंत्री और उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने सोमालीलैंड को मान्यता देने के लिए इजराइल की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने अपने विदेशमंत्री को सोमालीलैंड भेजकर सोमालिया की संप्रभुता पर सीधा प्रहार किया है। उन्होंने आज यहां इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में यह टिप्पणी की। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार डार ने परिषद के असाधारण सत्र में कहा कि पाकिस्तान इजराइल इजराइली विदेशमंत्री की सोमालीलैंड यात्रा के अवैध और अवास्तविक कृत्य की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सोमालिया की संप्रभुता का सम्मान और उसका समर्थन करता है। डार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत किसी देश की संप्रभुता और अखंडता मौलिक होती है।

उसके भौगोलिक मानचित्र पर बाहरी हस्तक्षेप से वास्तविकता नहीं बदली जा सकती। इजराइल का यह कदम हॉर्न ऑफ अफ्रीका और लाल सागर में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। पाकिस्तान ने ओआईसी के साथ मिलकर एक संयुक्त बयान में कहा कि वह सोमाली लोगों और सुरक्षा बलों के बलिदान की सराहना करता है। विदेशमंत्री डार ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार में उनके साथ खड़ा है।

मप्र के इंदौर में दूषित पानी से एक और महिला की मौत, मृतकों की संख्या 21 हुई

इंदौर: मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से एक और महिला की मौत हो गई। यह क्षेत्र में दूषित पानी से 21वीं मौत है। दूषित पानी से महिला की किडनी डैमेज हो गई थी। शनिवार को दोपहर में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, महिला सुनीता वर्मा (49) पत्नी सतीश निवासी फर्जी वाली गली को गत 7 जनवरी को एमवायएच में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उसकी हालत लगातार खराब होती चली गई और शनिवार दोपहर को उसने दम तोड़ दिया। महिला के बेटे विकास ने बताया कि दूषित पानी पीने से उसकी मां की किडनी डैमेज हुई थी। रविवार को महिला का पोस्टमार्टम किया जाएगा।वहीं, दूसरी ओर भागीरथपुरा क्षेत्र में जलजनित घटना के बाद स्थिति में तेजी से सुधार आ रहा है। अब धीरे-धीरे नए मरीजों की संख्या कम हुई है। इलाज के बाद मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज भी किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि आज डायरिया के 27 मरीज ओ.पी.डी. में आए, जिसमें से 05 रेफरल किए गए है। वर्तमान में अस्पताल में भर्ती मरीजों की कुल संख्या 41 है, जिसमें से आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या 12 है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने देश में बढ़ते वायु प्रदूषण पर एनसीएपी की भूमिका पर सवाल उठाए

नई दिल्ली: कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने देश में बढ़ते वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के नए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि भारत में वायु प्रदूषण अब एक संरचनात्मक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। रमेश ने कहा कि इस पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया नाकाफी और अप्रभावी है।

जयराम रमेश ने जारी पत्र में कहा कि सैटेलाइट डेटा पर आधारित अध्ययन से स्पष्ट होता है कि देश के लगभग 44 प्रतिशत शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। आकलन किए गए 4,041 वैधानिक नगरों में से 1,787 शहरों में वर्ष 2019 से 2024 के बीच, 2020 को छोड़कर, लगातार पांच वर्ष तक पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) 2.5 का वार्षिक स्तर राष्ट्रीय मानकों से ऊपर दर्ज किया गया। इसके बावजूद एनसीएपी के तहत केवल 130 शहरों को शामिल किया गया है, जो कुल गंभीर रूप से प्रदूषित शहरों का महज चार प्रतिशत है।

उन्होंने कहा कि इन 130 शहरों से 28 में अब तक निरंतर परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन भी स्थापित नहीं किए गए हैं। 102 शहरों में निगरानी व्यवस्था है, उनमें से 100 शहरों में पीएम 10 का स्तर 80 प्रतिशत या उससे अधिक दर्ज किया गया।

इससे एनसीएपी की सीमाओं और अक्षमता का खुलासा होता है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के रूप में प्रचारित एनसीएपी की तत्काल गहन समीक्षा की आवश्यकता है। एयर पॉल्यूशन कंट्रोल एंड प्रिवेंशन एक्ट 1981 और वर्ष 2009 में लागू नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स की पूरी तरह से पुनर्समीक्षा की जाए। जहां राष्ट्रीय मानक पीएम 2.5 के लिए 24 घंटे में 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और वार्षिक स्तर पर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सीमा तय करते हैं, वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देश इससे कहीं अधिक सख्त हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि एनसीएपी के तहत फंडिंग में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी की जानी चाहिए। वर्तमान में एनसीएपी और 15वें वित्त आयोग के तहत लगभग 10,500 करोड़ रुपये 131 शहरों के लिए आवंटित हैं, जबकि वास्तविक जरूरत इससे 10 से 20 गुना अधिक है।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल के चंद्रकोणा में शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला, थाने में धरने पर बैठे नेता प्रतिपक्ष

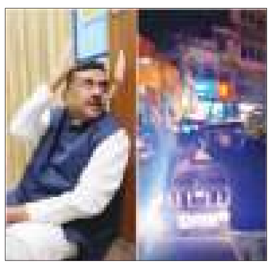

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और नंदीग्राम विधायक शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर शनिवार रात हुए हमले पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। भाजपा ने हमले के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाया है। नेता प्रतिपक्ष के काफिले को पश्चिम मिदनापुर जिले के चंद्रकोणा रोड पर निशाना बनाया गया। अधिकारी शनिवार शाम पुरुलिया में पूर्व निर्धारित जनसभा को संबोधित कर लौट रहे थे। रात करीब 8:20 बजे उनका काफिला चंद्रकोणा रोड बाजार क्षेत्र के चौराहे के पास पहुंचा। कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के एक समूह ने काफिले का रास्ता रोक लिया। शुभेंदु अधिकारी का एक वीडियो सामने आया है। उन्होंने इसमें दावा किया है की एक समुदाय के हमलावरों ने लाठी, डंडो और लोहे की छड़ों से काफिले की गाड़ियों पर हमला किया। उन्होंने कहा इस दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही।केंद्रीय सुरक्षा बलों ने समय पर हस्तक्षेप नहीं किया होता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

केरल में यौन उत्पीड़न के आरोप में कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटथिल को पुलिस ने हिरासत में लिया

तिरुवनंतपुरम: कांग्रेस (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटथिल को शनिवार देररात केरल पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई उनके खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के एक मामले में की। ममकूटथिल पलक्कड़ से विधायक हैं। पिछले साल चार दिसंबर को केरल कांग्रेस ने राहुल ममकूटथिल को पार्टी से बाहर दिया था। पुलिस ने आज सुबह बताया कि राहुल ममकूटथिल को शनिवार आधीरात पलक्कड़ से एक यौन उत्पीड़न मामले में हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, पथानामथिट्टा जिले के एक व्यक्ति की शिकायत के बाद पलक्कड़ विधायक के खिलाफ हाल ही में तीसरा यौन उत्पीड़न मामला दर्ज किया गया था। विशेष जांच दल उनके खिलाफ इसी तरह के दो अन्य मामलों की जांच कर रही है। विशेष जांच दल को नए मामले की जांच भी सौंपी गई है। ममकूटथिल पलक्कड़ में एक होटल में ठहरे हुए थे। उनको आधीरात होटल से हिरासत में लेकर पथानामथिट्टा लाया गया। पुलिस ने बताया कि उनकी औपचारिक गिरफ्तारी बाद में दर्ज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि केरल उच्च न्यायालय ने पहले मामले में ममकूटथिल को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की थी। यह मामला दुष्कर्म और एक महिला को गर्भपात कराने के लिए मजबूर करने के आरोपों से संबंधित है।

बांग्लादेश में युवा कैदी की कारागार में मौत

ढाका: बांग्लादेश के जमालपुर जिला कारागार में एक सजायाफ्ता युवा कैदी की मौत हो गई। इस कारागार के कार्यवाहक अधीक्षक इम्तियाज जकारिया ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद शव परिवार को सौंपने से पहले कानूनी औपचारिकता पूरी की जाएगी। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जमालपुर जिला कारागार में बंद ड्रग केस में दो साल की सजा काट रहे सुल्तान शेख (40) की शनिवार को मौत हो गई। उसके पिता चटकू शेख इस्लामपुर उप जिला के नोटरकंडा में रहते हैं। सुल्तान पिछले साल 11 दिसंबर से जिला कारागार में बंद था। उसे सांस और त्वचा की बीमारी थी। जमालपुर सामान्य अस्पताल में उसका इलाज भी कराया गया। सुबह, कथित तौर पर अधिक ठंड के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। कार्यवाहक अधीक्षक इम्तियाज जकारिया ने कहा कि उसे फौरन जमालपुर सामान्य अस्पताल पहुंचाया गया। मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जकारिया ने कहा कि इस संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कराया जाएगा।

शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक दगडू सकपाल शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल

मुंबई: शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक दगडू सकपाल रविवार को शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल हो गए। इससे दक्षिण मुंबई में शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा है। पूर्व विधायक दगडू सकपाल पिछले कई दशकों से शिवसेना यूबीटी में एक्टिव थे। दक्षिण मुंबई के लालबाग-परेल आदि इलाकों में उनकी पकड़ है। सकपाल ने अपनी बेटी के लिए शिवसेना यूबीटी से टिकट मांगा था, लेकिन टिकट न मिलने से सकपाल नाराज थे। उनकी नाराजगी को देखते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनसे मुलाकात की और बातचीत की, जिसके बाद वह आज पार्टी में शामिल हो गए। दगडू सकपाल के पार्टी में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि दगडू सकपाल शिवसेना के पुराने और वफादार कार्यकर्ता हैं। मुंबई, खासकर साउथ मुंबई में शिवसेना को बढ़ाने और स्थापित करने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है।

राउरकेला विमान हादसा : सभी यात्री सुरक्षित

भुवनेश्वर: राउरकेला के निकट हाल ही में हुए छोटे चार्टर विमान की आपात लैंडिंग के बाद सभी छह यात्री (चार यात्री तथा दो क्रू सदस्य) सुरक्षित तथा स्वास्थ्य की दृष्टि से स्थिर हैं। एक यात्री को लगातार निकट चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। यह जानकारी रविवार सुबह ओडिशा नागरिक उड्डयन निदेशालय द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री के समग्र पर्यवेक्षण में वाणिज्य एवं परिवहन विभाग तथा नागरिक उड्डयन निदेशालय भारत सरकार, जिला प्रशासन और संबंधित एयरलाइन के साथ सहज समन्वय और सहयोग के माध्यम से स्थिति से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। जांच दल और चिकित्सा विशेषज्ञों की त्वरित तैनाती के लिए राज्य सरकार ने व्यापक लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई है। ह्लजांच दल और वरिष्ठ डॉक्टरों को राउरकेला पहुंचाने के लिए एक राज्य हेलीकॉप्टर तैनात किया गया है।

भाषा विरासत और लोकतांत्रिक भविष्य के बीच जीवंत सेतु : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली: भाषा मात्र संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यतागत विरासत और लोकतांत्रिक भविष्य के बीच जीवंत सेतु है। इन शब्दों के साथ दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। यह सम्मेलन ह्लभाषाएं, साहित्य, युवा और प्रौद्योगिकीह्व विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें भारत एवं विदेशों से आए प्रतिष्ठित विद्वानों, लेखकों, भाषाविदों और सांस्कृतिक चिंतकों ने भाग लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला उपस्थित रहे, जिन्होंने मुख्य उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय कला एवं संस्कृति केंद्र (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र) के अध्यक्ष रामबहादुर राय द्वारा की गई। समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में प्रो. रमेश सी. गौर, डीन (प्रशासन), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र; अनिल जोशी, अध्यक्ष वैश्विक हिंदी परिवार एवं निदेशक अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन; प्रो. रवि प्रकाश टेकचंदानी, डीन, भारतीय भाषाएं विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; श्याम परांडे, महासचिव, अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद; ए. विनोद, संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास; तथा विनयशील चतुर्वेदी, निदेशक, वैश्विक हिंदी परिवार शामिल रहे। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारतीय भाषाओं का इतिहास विविधता के माध्यम से निरंतरता का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाएं समुदायों, आस्थाओं और ज्ञान परंपराओं के सतत संवाद से विकसित हुई हैं। अनेक भाषाएं भले आज प्रचलन में न हों, परंतु उनकी बौद्धिक विरासत आज भी जीवित भाषाओं को समृद्ध करती है। उन्होंने कहा कि हमारी भाषायी विरासत स्तरित है; यह विलुप्ति की कहानी नहीं, बल्कि सतत स्मृति की यात्रा है। भारत की बहुभाषिक सामाजिक संरचना का उल्लेख करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय नागरिक बचपन से ही अनेक भाषाओं के बीच संवाद करते हुए बड़े होते हैं।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)